Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 129 | जयपुर, रविवार, 13 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ:8 मूल्य: ‘1.50

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या:मुंबई में दफ्तर के बाहर 3 गोलियां मारीं

दो आरोपी पकड़े गए, एक यूपी-दूसरा हरियाणा का, तीसरा फरार

■ संजीवनी टुडे

मुंबई। मुंबई में एनसीपी अजित पवार गुट के नेता और महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। बांद्रा के खेर वाड़ी सिग्नल के पास उनके बेटे जीशान सिद्दीकी के दफ्तर के बाहर उन पर 3 गोलियां चलाई गईं। उन्हें तुरंत लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां देर रात 11.27 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया। बाबा सिद्दीकी शनिवार रात करीब 9.30 बजे ऑफिस से निकले थे। तभी एक कार से तीन लोग बाहर निकले। तीनों ने मुंह पर रूमाल बांधा हुआ था। उन्होंने दो बंदूकों से 6 राउंड गोलियां फायरिंग की। 2 गोलियां सिद्दकी के पेट पर और 1 सीने पर लगी। 1 गोली सिद्दीकी के साथ मौजूद शख्स के पैर में लगी। वहीं, दो गोलियां सिद्दीकी की कार पर भी लगीं। सूत्रों के मुताबिक हमले के वक्त स्ट्रीट लाइटें बंद थीं। मौके पर सीसीटीवी भी नहीं थे। सिद्दीकी की कार बुलेटप्रूफ थी, फिर भी बुलेट शीशे में घुसी। माना जा रहा है कि हमलावरों के पास 9.9द्धद्ध की एडवांस्ड पिस्टल थी। सिद्दीकी को 15 दिन पहले जान से मारने की भी धमकी दी गई थी। उन्हें एक्स लेवल की सुरक्षा भी मिली थी। फिर भी उनके साथ कॉन्स्टेबल नहीं थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। केस क्राइम ब्रांच को सौंप दिया है। एनकाउंटर स्पेशलिस्ट दया नायक मामले की जांच कर रहे हैं।

शहनवाज हुसैन बोले- सिद्दीकी का बिहार में भी बड़ा नाम था।

भाजपा नेता शहनवाज हुसैन बोले- बाबा सिद्दीकी की हत्या बहुत दुखद है। वे वरिष्ठ नेता थे और एनडीए में थे। बांद्रा इलाके में उनका बड़ा नाम था। वे बिहार के रहने वाले थे। मुंबई में उन्होंने बड़ा नाम कमाया था। 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, एक फरार है। शिवसेना-बीजेपी के राज में कोई भी हत्या करके बच नहीं सकता। अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा- दो आरोपी पकड़े गए हैं। इनमें से एक यूपी का है, दूसरा हरियाणा का है। तीसरा आरोपी फरार है। सूत्रों ने बताया कि बाबा सिद्दीकी और जीशान सिद्दीकी एक साथ घर जाने के लिए ऑफिस से निकले थे, लेकिन तभी जीशान को एक फोन आया और वे वापस ऑफिस में अंदर चले गए। हमलावरों ने दोनों की साथ में हत्या का प्लान बनाया था। बाबा सिद्दीकी की हत्या पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा- यह अविश्वसनीय है कि वे अब इस दुनिया में नहीं रहे। यह विश्वास करना कठिन है कि इतने वरिष्ठ राजनेता की बीच मुंबई में हत्या कर दी गई।

डॉक्टर बोले- अस्पताल पहुंचने से पहले उनकी दिल की धड़कनें बंद हो चुकी थीं

लीलावती अस्पताल के डॉ. नीरज उत्तामनी ने ने कहा- उन्हें 12 अक्टूबर को रात 9:30 बजे एनएचआरसी इमरजेंसी में लाया गया। उनकी हालत बहुत खराब थी। उनकी पल्स नहीं चल रही थी। दिल की धड़कने भी बंद हो चुकी थीं। उनका बहुत खून बह चुका था। उन्हें तुरंत ही आईएसयू में शिफ्ट किया गया। उन्हें होश में लाने के लिए बहुत कोशिश की गई, लेकिन हम उन्हें होश में नहीं ला पाए। रात 11:27 बजे उन्हें मृत घोषित किया गया। कांग्रेस नेता और महाराष्ट्र विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष विजय वडेट्टीवार ने कहा- यह बहुत दुखद घटना है। वे लंबे समय तक कांग्रेस का हिस्सा रहे। वे महाराष्ट्र के लोकप्रिय नेता थे। इस बात की जांच होनी चाहिए कि इस सब के पीछे कौन है। इसका मतलब यही है कि राज्य में कानून-व्यवस्था नहीं है। जानकारी के मुताबिक बाबा सिद्दीकी ने 15 दिन पहले बताया था कि उनकी जान को खतरा है। इस बारे में उपमुख्यमंत्री अजित पवार को बताया गया। इसके बाद केंद्र सरकार की ओर से उन्हें वाई लेवल की सुरक्षा दी गई थी। कई बार बाबा सिद्दीकी को बॉलीवुड और अंडरवर्ल्ड के बीच ब्रिज कहा गया। संजय दत्त और बाबा करीबी दोस्त हैं। उन पर दाऊद इब्राहिम की ककंपनी से भी जुड़े होने के आरोप भी लगाए जाते रहे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष बोले- भाजपा आतंकवादियों की पार्टी

लिंचिंग में शामिल रहती है, पीएम को कांग्रेस को अर्बन नक्सल कहने का हक नहीं

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा को आतंकवादियों की पार्टी कहा है। खड़गे शनिवार को न्यूज एजेंसी से बातचीत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान का जवाब दे रहे थे, जिसमें पीएम ने कांग्रेस को अर्बन नक्सल पार्टी कहा था। खड़गे ने कहा कि पीएम मोदी की आदत है कि वो हमेशा कांग्रेस को अर्बन नक्सल पार्टी बताते हैं, लेकिन उनकी पार्टी क्या है भाजपा आतंकवादियों की पार्टी है, जो लिंचिंग में शामिल रहती है। मोदी को ऐसे आरोप लगाने का हक नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने 5 अक्टूबर को महाराष्ट्र का दौरा किया था, इस दौरान उन्होंने ठाणे में कहा था, ‘कांग्रेस और उनके सहयोगियों का एक ही मिशन है- बांटो और सत्ता में रहो। कांग्रेस को अर्बन नक्सल गैंग चला रहे हैं। वह देश विरोधियों के साथ खड़ी है। जो विकासवादी लोग हैं, उन्हें अर्बन नक्सल कहा जा रहा है। ये मोदी की आदत है। उनकी खुद की पार्टी आतंकवादियों की है। लिंचिंग करती है, लोगों को पीटती है। शेड्यूल कास्ट के लोगों पर पेशाब करती है। आदिवासियों का रेप करती है। ऐसा करने वालों का सपोर्ट भी करती है। वो दूसरों पर आरोप लगाते हैं। उनको ऐसा करने का कोई अधिकार नहीं है। जिस पार्टी का मकसद देश को बांटना है, उन्हें सपोर्ट करने वाले देश में ही हैं।

संघ प्रमुख भागवत हैं। संविधान बदलना हो, रिजर्वेशन हो, हिंदू-मुसलमानों को अलग करने की बात करें। करने वाले ये लोग हैं और बुद्धि दूसरे लोगों को बांट रहे हैं। हम एक मीटिंग करने जा रहे हैं और एक रिपोर्ट भी तैयार होगी। रिपोर्ट तैयार होने के बाद साफ हो जाएगा कि क्या करना चाहिए और क्या हुआ था। पूरा देश कह रहा था कि कांग्रेस जीतेगी। भाजपा के नेता भी यही बात कह रहे थे। जब हर कोई कांग्रेस की जीत की बात कह रहा था, तब क्या कारण था कि कांग्रेस वहां पर हार गई। किसी देश को दूसरे देश के लोगों पर अत्याचार नहीं करना चाहिए। अल्पसंख्यकों की जिस तरह से हम रक्षा करते हैं, वैसी ही जिम्मेदारी उनकी है। वहां जितने अल्पसंख्यक हों हिंदू, सिख और बौद्ध की हिफाजत करनी चाहिए। ऐसा नहीं करेंगे तो पड़ोसी देशों के लिए अच्छा नहीं है।

दशहरा रैली में उद्धव बोले- हम असली शिवसेना

भागवत का सम्मान, लेकिन विचार पसंद नहीं, शिंदे बोले- विद्रोह नहीं करते तो शिवसैनिक कुचले जाते

■ संजीवनी टुडे

मुंबई। मुंबई में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना और उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना का शनिवार शाम दशहरा कार्यक्रम हुआ। शिंदे गुट ने साउथ मुंबई के आजाद मैदान में, तो उद्धव गुट ने दादर के शिवाजी पार्क में रैली की। उद्धव ने कहा- हम असली शिवसेना हैं और बाला साहेब ठाकरे का नाम मेरे साथ है। मैं आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का सम्मान करता हूं, लेकिन मुझे उनके विचार पसंद नहीं हैं। वो कह रहे हैं कि हिंदुत्व को बचाने के लिए एक साथ आओ, आपने या मोदी ने पिछले 10 सालों में हिंदुत्व को क्यों नहीं बचाया। इधर, आजाद मैदान में सीएम शिंदे ने कहा- पहले सभी को लगता था कि शिंदे सरकार 2-3 महीने में गिर जाएगी, लेकिन सरकार ने 2 साल पूरे कर लिए। बाला साहेब ने कहा था, अन्याय मत सहो। जब अन्याय होने लगा तो हमने विद्रोह कर दिया। अगर हमने विद्रोह नहीं किया होता तो शिवसैनिक कुचले गए होते। सच्चे शिवसैनिकों का अपमान होता। महाराष्ट्र कई साल पीछे चला गया होता। एकनाथ शिंदे बोले- कुछ लोगों को हिंदू बोलने में शर्म आती है शिंदे ने कहा कि बाला साहेब अपने भाषण की शुरुआत ‘मेरे सभी हिंदू भाई-बहन और माताएं जो इकट्ठे हुए’ के साथ करते थे। तब मेरे साथ-साथ सभी लोग उत्साहित हो जाते थे। यह बात हर किसी को याद है। ‘गर्व से कहो हम हिंदू हैं‘ ये गर्जना बाला साहेब ने देश को दी थी। लेकिन कुछ लोगों को इस शब्द से एलर्जी है। हिंदू माने जाने में शर्म महसूस हो रही है। हिंदू हृदय सम्राट कहते ही कुछ लोगों की जुबान फड़कने लगती है, लेकिन हमें ये शब्द कहने में गर्व है, हीरे से पैदा हुए कंकड़ शर्मसार होते हैं। जब हमारी सरकार आई तो हमने महाराष्ट्र को नंबर वन बनाने का काम किया। एमवीए के दौरान सरकार तीसरे नंबर पर थी। 6 माह में हमने प्रदेश को नंबर 1 पर ला दिया। उद्धव बोले- शिवाजी महाराज हमारे लिए भगवान, महायुति के लिए वोट बैंक उद्धव ठाकरे ने कहा- छत्रपति शिवाजी महाराज महायुति के लिए वोट बैंक हैं, लेकिन हमारे लिए वे भगवान हैं।

शिंदे गुट टीजर- सीएम को शिवसेना को आजाद करते दिखाया

रैलियों से पहले दोनों गुटों ने टीजर एचकेएच जारी किए थे। शिंदे की अगुवाई वाले समूह के टीजर में एक बाघ को रस्सी से कांग्रेस के पंजे से बांधा गया है। पंजे के पास उद्धव ठाकरे खड़े हैं। इसके बाद एनिमेशन में मुख्यमंत्री शिंदे को तीर से रस्सी काटते हुए दिखाया गया है, वह शिवसेना (बाघ) को पंजे से आजाद कराते हैं। शिवसेना (यूबीटी) टीजर- गद्दारों को दफनाने की बात करते हैं अपने टीजर में, शिवसेना (यूबीटी) महाराष्ट्र के गौरव को बचाने और गद्दारों को दफनाने की बात करती है।

11 राज्यों के 75 इंफ्रा-प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन: रक्षा मंत्री बोले

भारत सबसे सुरक्षित और मजबूत देश बनेगा, बीआरओ ने बनाई हैं 22 सड़कें और 51 पुल

■ संजीवनी टुडे

कोलकाता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार 12 अक्टूबर को सिक्किम में बनी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण कुपुप-शेराथांग रोड का वर्चुअली उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने पश्चिम बंगाल, नगालैंड सहित 11 राज्यों के कुल 75 इंफ्रा-प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। इनमें 22 सड़कें और 51 पुल हैं। रक्षा मंत्री ने पश्चिम बंगाल के सुकना में त्रिशक्ति कोर के हेडक्वाटर से इन परियोजनाओं का उद्घाटन किया। ये निर्माण सीमा सड़क संगठन ने किया है। चीन सीमा और अन्य दूरदराज इलाकों में बने इन प्रोजेक्ट्स की लागत करीब 2236 करोड़ रुपये है। इससे लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों की आवाजाही, राशन, ऑर्टिलरी जैसी चीजें पहुंचाने में आसानी होगी। राजनाथ सिंह ने 2024-25 के बजट में उटग के लिए आवंटित 6,500 करोड़ रुपये का जिक्र करते हुए उम्मीद जताई कि यह न केवल स्ट्रैटेजिक इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में योगदान देगा, बल्कि नॉर्थ-ईस्ट सहित बॉर्डर के आस-पास के इलाकों में सोशियो-इकोनॉमिक प्रोग्रेस में भी मदद करेगा।

10 सालों में हमने गांव से लेकर शहर तक सड़कों का नेटवर्क बनाया

उन्होंने कहा- ये प्रोजेक्ट देश की रक्षा तैयारियां बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएंगे। पिछले 10 सालों में हमने गांव से लेकर शहर तक सड़कों का नेटवर्क बनाया है। आने वाले समय में बॉर्डर वाले इलाकों में विकास में नए आयाम जुड़ेंगे और भारत सबसे सुरक्षित और मजबूत देशों में से एक होगा। राजनाथ ने कहा- पहले की सरकारों का मानना था कि बॉर्डर पर डेवलपमेंट का उल्टा असर प्रभाव हो सकता है, क्योंकि इसका इस्तेमाल देश के विरोधी कर सकते हैं। वहीं, मोदी सरकार ने बॉर्डर पर इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने को प्रॉयारिटी दी। इसका कारण है कि नॉर्थ-ईस्ट का इलाका सोशियो-इकोनॉमिक और स्ट्रैटेजिक नजरिये से अहम हैं। इस साल अब तक 111 प्रोजेक्ट पूरे, पिछले साल 125 बनाए थे अधिकारियों ने बताया कि पिछले पांच सालों में सीमा पर चीन के इंफ्रा प्रोजेक्ट में तेजी आने के बाद भारत ने भी अपने निर्माण की गति बढाई है। इसी के साथ इस साल उटग के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की संख्या 111 हो गई। इनकी कुल लागत 3751 करोड़ रुपये है। पिछले साल उटग ने 3611 करोड़ रुपये के 125 प्रोजेक्ट पूरे किये थे। इसी साल मार्च में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेला टनल का उद्घाटन किया था। वह भी इस साल पूरी हुई 111 प्रोजेक्ट्स में से एक है।

सांसद बेनीवाल बोले- कांग्रेस ने पीठ में छुरा घोंपा

■ संजीवनी टुडे

बाड़मेर में हमारे उम्मीदवार को लेकर भाग गई, फिर भी गठबंधन किया

नागौर। रालोपा प्रमुख और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा- मैंने कभी झुकना नहीं सीखा। हमेशा संघर्ष किया है। इसी के दम पर आगे बढ़ रहा हूं। 2003 में तत्कालीन सीएम वसुंधरा से समझौता करके 5 बार मंत्री बन जाता। दुर्भाग्य से हमारे पास साधन संसाधन नहीं थे। हमारी 2018 में 3 सीट थी। 23 में 1 सीट हो गई। लेकिन 2024 के अंदर कांग्रेस से गठबंधन किया तो कांग्रेस पार्टी में पीठ में छुर्रा घोंपा। वो बाड़मेर में मेरे उम्मीदवार को लेकर भाग गई थी, लेकिन फिर भी समझौता हुआ। इसके बाद नागौर में हमनें जीत हासिल की। उन्होंने कहा- कांग्रेस कहती है कि हमारी आंधी चल रही है, तूफान चल रहा है। तो हरियाणा में देख लो। हम चाहते थे कि गठबंधन करके लड़े। हमारे व्यक्ति अगर धैर्यवान हो जाएंगे, तो दिल्ली की सत्ता पर हमारा कब्जा होगा। दरअसल, बेनीवाल शुक्रवार को खींवसर क्षेत्र के असावरी गांव में कालका माता मंदिर में दर्शन करने पहुंचे थे। इस मेला महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने पर उन्होंने जनसभा को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं जनता के सभी काम करूंगा और सभी को साथ लेकर चलूंगा। सांसद हनुमान बेनीवाल ने इशारों-इशारों में पूर्व सांसद डॉ. ज्योति मिर्धा पर तंज कसा। उन्होंने कहा- प्रधानमंत्री भी हमारे क्षेत्र में कोई उद्घाटन करेगा तो भी हमारा नाम लिखा होगा। हम(सांसद) जाएं या ना जाएं, हमारा नाम तो रहेगा। हम अपनी मर्जी के मालिक हैं। कोई हारा हुआ ही सोच ले तो ये गलत है। आपने(जनता) पास किया तब एमपी बने हैं। हारे हुए लोग जीते हुए को ठुकरा नहीं सकते। जो जीता वही सिकंदर, जो हारा वो घर के अंदर।

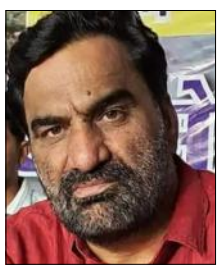

डीयू के पूर्व प्रोफ़ेसर जीएन साईबाबा का निधन

गॉल ब्लैडर इन्फ़ेक्शन था, किडनियां खराब हुईं, फिर हार्ट अटैक, यूएपीए केस में 10 साल जेल में रहे

■ संजीवनी टुडे

हैदराबाद। डीयू के पूर्व प्रोफ़ेसर जी एन साईबाबा (57) का शनिवार को निधन हो गया। उन्हें गॉल ब्लैडर में इन्फ़ेक्शन था। शनिवार रात उन्हें हार्ट अटैक भी आया, जिसके बाद उन्होंने दम तोड़ा। नक्सलियों से संबंधों के चलते वे 10 साल जेल में रहने के बाद मार्च 2024 में बरी हुए थे। साईबाबा के भाई रामदेव ने कहा- हैदाराबाद के नीम्स के डॉक्टरों ने रात 8:36 बजे उन्हें मृत घोषित किया। वे एक साथ कई बीमारियों से ग्रसित थे। नीम्स में 5 दिन पहले उनकी गॉल ब्लैडर की सर्जरी हुई थी। इसके बाद वे ठीक हो रहे थे। लेकिन अचानक उनके गॉल ब्लैडर में पस बनने लगा। उन्हें फीवर और एब्डॉमिन में दर्द होने लगा। डॉक्टरों ने 2 दिन पहले पस निकालने का इलाज शुरू किया। इसके बाद पेट में इंटरनल ब्लीडिंग शुरू हुई। उनका बीपी लेवल गिरा। दिल की धड़कनें बंद हुईं। किडनियों ने भी काम करना बंद कर दिया। शनिवार को आए हार्ट अटैक के बाद उन्हें बचाया नहीं जा सका। नक्सलियों से कथित संबंध रखने के शक में 2014 में वे गिरफ्तार हुए थे। महाराष्ट्र की गढ़िचरौली कोर्ट ने मार्च 2017 में साईबाबा को दोषी ठहराया था।

माओवाद से कनेक्शन के आरोप में गिरफ्तारी

2013 में महाराष्ट्र के गढ़िचरौली में पुलिस ने माओवाद से जुड़े महेश तिर्की, पी. नरोटे और हेम मिश्रा को गिरफ्तार किया। इन्हीं तीनों से पूछताछ में जीएन साईबाबा का नाम आया, जिसके बाद पुलिस उनके खिलाफ कोर्ट गई। माओवाद से कनेक्शन के आरोप में 9 मई 2014 को दिल्ली आवास से साईबाबा को गिरफ्तार किया गया। 2015 में साईबाबा के खिलाफ यूएपीए के तहत केस दर्ज कर कार्यवाही शुरू की गई। महाराष्ट्र के गढ़िचरौली कोर्ट ने 2017 में साईबाबा और पांच अन्य को आरोपियों को ठइघ्इ और भारतीय दंड संहिता के तहत दोषी ठहराया। साईबाबा और चार अन्य को आजीवन कारावास की सजा और एक को दस साल की कैद की सजा सुनाई गई थी। गढ़िचरौली कोर्ट के फैसले के खिलाफ साईबाबा ने बॉम्बे हाईकोर्ट में अपील दायर की। 5 मार्च को बॉम्बे हाईकोर्ट ने साईबाबा और 5 अन्य आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट ने उनकी उम्रकैद की सजा रद्द कर दी है। उन्हें दोषसिद्धि के खिलाफ अपील करने की इजाजत भी दी गई है। मेहता ने कहा- टेक्निकल आधार पर साईबाबा को रिहा किया गया है। वे अगर जेल से बाहर आते हैं तो देश के लिए ये खतरनाक होगा। साईबाबा का माओवादियों से कनेक्शन है। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि अर्जेंट सुनवाई के लिए आप चीफ जस्टिस के पास जाइए, हम रिहाई पर रोक नहीं लगा सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अगले ही दिन 15 अक्टूबर को साईबाबा को बॉम्बे हाईकोर्ट से बरी किए जाने के फैसले पर रोक लगा दी थी। जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की बेंच ने कहा था कि मामले में विस्तृत सुनवाई की जरूरत है, इसलिए अभी साईबाबा जेल से बाहर नहीं निकल पाएंगे।

गुजरात के मेहसाणा में हादसा, 9 मजदूरों की मौत

एक को जिंदा निकाला, फैक्ट्री में टैंक खोदते वक्त मिट्टी गिरी

■ संजीवनी टुडे

मेहसाणा। गुजरात के मेहसाणा जिले में शनिवार को टैंक खोद रहे मजदूरों पर मिट्टी गिर गई। हादसे में 9 मजदूरों की मौत हो गई। 19 साल के लड़के को जिंदा बचा लिया गया। हादसा मेहसाणा से लगभग 37 किमी दूर जासलपुर गांव के पास हुआ। पुलिस ने बताया कि जासलपुर गांव में एक फैक्ट्री के लिए कई मजदूर अंडरग्राउंड टैंक खोद रहे थे, तभी मिट्टी धंस गई। सभी 9 शव बरामद कर लिए गए हैं। स्टील आईनॉक्स स्टेनलेस प्राइवेट लिमिटेड में जब मजदूर टैंक खोद रहे थे, तब अचानक मिट्टी गिरी। हादसे के बाद जेसीबी की मदद से मिट्टी हटाई गई। मौके पर 5 एम्बुलेंस, पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम भी पहुंची। निजी कंपनी के थे मजदूर मेहसाणा जिले के एसपी डॉ. तरूण दुग्गल ने बताया कि कादी के गांव में नई कंपनी का निर्माण कार्य चल रहा था, तभी हादसा हुआ। मजदूर किसी निजी कंपनी के बताए गए हैं। प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। हादसे की जांच की जा रही है। मेहसाणा की जिला विकास अधिकारी (डीडीओ) डॉ. हसरत जैस्मिन ने बताया कि हादसा दोपहर करीब 12.45 बजे हुआ। हमारी जानकारी के अनुसार वहां 9-10 लोग फंसे हुए थे। 19 साल के एक लड़के को जिंदा बचा लिया गया है। उसके बयान के मुताबिक 10 लोग यहां काम कर रहे थे। इनमें दो महिलाएं थीं। प्रधानमंत्री राहत कोष से 2-2 लाख की मदद पीएम नरेंद्र मोदी ने घटना पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन प्रभावितों की हरसंभव मदद करेगा।प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिजन को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए की मदद का ऐलान किया गया है। गुजरात के मुख्यमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए की मदद का ऐलान किया गया है। हरियाणा के कैथल में शनिवार को दशहरे पर ऑल्टो कार नहर में गिर गई। हादसे में कार सवार 8 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक ही परिवार के 8 लोग शामिल हैं। वे कैथल के डीग गांव के रहने वाले थे। परिवार शनिवार सुबह कार से मंदिर में माथा टेकने के लिए जा रहा था।

बाल आयोग बोला- मदरसों की फंडिंग बंद करें

इनका फोकस धार्मिक शिक्षा पर, बेसिक शिक्षा नहीं मिल रही, मिड-डे मील

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग ने सभी राज्यों को लेटर लिखकर कहा है कि मदरसों को दिया जाने वाला फंड बंद कर देना चाहिए। ये राइट-टु-एजुकेशन नियमों का पालन नहीं करते हैं। आयोग ने ‘आस्था के संरक्षक या अधिकारों के विरोधी: बच्चों के संवैधानिक अधिकार बनाम मदरसे‘ नाम से एक रिपोर्ट तैयार करने के बाद ये सुझाव दिया है। एनसीपीसीआर ने कहा- मदरसों में पूरा फोकस धार्मिक शिक्षा पर रहता है, जिससे बच्चों को जरूरी शिक्षा नहीं मिल पाती और वे बाकी बच्चों से पिछड़ जाते हैं। यूपी मदरसा एक्ट पर विवाद रहा, एससी रोक लगा चुका सुप्रीम कोर्ट ने 5 अप्रैल 2024 को ‘यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004‘ को असंवैधानिक करार देने वाले इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी थी। इसके साथ ही केंद्र और यूपी सरकार से जवाब भी मांगा था। कोर्ट का कहना था कि हाईकोर्ट के फैसले से 17 लाख छात्रों पर असर पड़ेगा। छात्रों को दूसरे स्कूल में ट्रांसफर करने का निर्देश देना ठीक नहीं है।

बाल आयोग की 3 सिफारिश

मदरसों और मदरसा बोर्डों को राज्य की तरफ से दिए जाने वाले फंड को रोक दिया जाए। मदरसों से गैर-मुस्लिम बच्चों को हटाया जाए। संविधान के आर्टिकल 28 के मुताबिक, माता-पिता की सहमति के बिना किसी बच्चे को धार्मिक शिक्षा नहीं दी जा सकती। एक संस्थान के अंदर धार्मिक और औपचारिक शिक्षा एक साथ नहीं दी जा सकती है। संविधान से बनी हर चीज को यह उलटना चाहते हैं। यह वह लोग हैं जो नफरत पर राजनीति करना चाहते हैं, जो भेदभाव पर राजनीति करना चाहते हैं। यह वह लोग हैं जो धर्म-जातियों को लड़ा कर राजनीति करना चाहते हैं। दरअसल 22 मार्च को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने यूपी मदरसा एक्ट को असंवैधानिक घोषित कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि यह धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन है। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने मदरसा बोर्ड की याचिका पर सुनवाई की। बेंच ने कहा कि हाईकोर्ट प्रथमदृष्टया सही नहीं है।

खबरें फटाफट

फैशन डिज़ाइनर जोड़ी ने टीरा पर लॉन्च की लग्ज़री कैंडल्स की एक्सक्लूसिव रेंज

■ *संजीवनी टुडे*

मुंबई। प्रसिद्ध भारतीय फैशन डिजाइनर अबू जानी और संदीप खोसला ने टीरा के साथ मिलकर अपनी नई लग्ज़री सुगंधित कैंडल्स की रेंज लॉन्च की है। पांच विशिष्ट सुगंधों वाली यह प्रीमियम श्रृंखला भारतीय राजसी संस्कृति से प्रेरित है और आधुनिक लग्ज़री का प्रतीक है। इस एक्सक्लूसिव कलेक्शन में महारानी (जैस्मिन और ट्यूबरोज़), मुबारक (लेदर और एम्बर), महबूबा (गुलाब और ओउद), महल (कॉफी और तंबाकू), और माया (मोगरा और पैचुली) जैसी सुगंधें शामिल हैं, जो किसी भी स्थान को सुगंधित और आकर्षक बना देती हैं। उच्च गुणवत्ता वाले सोया वैक्स से निर्मित यह कैंडल्स दीर्घकालिक सुगंध प्रदान करती हैं, जो आत्म-देखभाल और आराम के पलों को विशेष बनाती हैं। इस कलेक्शन के साथ, टीरा ने लग्ज़री ब्यूटी उत्पादों में एक और खास पहल की है, जो आधुनिक उपभोक्ताओं के लिए प्रीमियम अनुभव का वादा करती है।

पूर्णिमा यूनिवर्सिटी व बीएफसी सॉकर स्कूल के बीच साझेदारी

■ *संजीवनी टुडे*

जयपुर। राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख टूर्नामेंटों में भागीदारी के लिए विशिष्ट पहचान रखने वाले बेंगलुरु एफसी सॉकर स्कूल द्वारा अब जयपुर में भी फुटबॉल का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए फुटबॉल टीम ऑनर जेएसडब्ल्यू बेंगलुरु फुटबॉल क्लब प्राइवेट लिमिटेड के बेंगलुरु फुटबॉल क्लब (बीएफसी) द्वारा पूर्णिमा यूनिवर्सिटी के साथ साझेदारी की गई है। इसके तहत बीएफसी द्वारा पूर्णिमा यूनिवर्सिटी कैंपस में बेंगलुरु एफसी सॉकर स्कूल की शुरुआत की गई है। यहां 5 से 17 वर्ष के स्टूडेंट्स को फुटबॉल की शीर्ष स्तरीय कोचिंग प्रदान की जाएगी। यह साझेदारी खेलों में उत्कृष्टता के लिए दोनों संस्थानों की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है। बेंगलुरु एफसी सॉकर स्कूल की ओर से अभी तक बेंगलुरु, मुंबई, पुणे, देहरादून में पांच हजार से अधिक युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। अब पूर्णिमा यूनिवर्सिटी में भी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के कोच व प्लेयर स्थानीय स्टूडेंट्स को अपने अनुभव का लाभ प्रदान करेंगे। सभी नवीनतम कोचिंग तकनीकों से निपुण ये प्रशिक्षक स्टूडेंट्स को प्रोफ़ेशनल माहौल में फुटबॉल की व्यापक तकनीकी सहायता प्रदान करेंगे। पूर्णिमा यूनिवर्सिटी की सुविधाओं के साथ यह साझेदारी युवाओं के विकास और उत्कृष्टता की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। बीएफसी की समृद्ध फुटबॉल विरासत और पूर्णिमा यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स के विकास के प्रति समर्पण के लाभ के जरिए इस साझेदारी का उद्देश्य नई पीढ़ी की फुटबॉल प्रतिभा तैयार करना है। यह न सिर्फ कौशल विकास के लिए, बल्कि फुटबॉल के प्रति गहरा लगाव उत्पन्न करने में भी सहायक साबित होगी। यह पहल अब जयपुर में भी फुटबॉल प्रशिक्षण के मानक को नवीन ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

श्रीराम 1666 सरसों बीजः राजस्थान के किसानों के लिए वरदान

■ *संजीवनी टुडे*

बीकानेर। राजस्थान में सरसों की खेती का एक महत्वपूर्ण स्थान है, और किसानों की मेहनत के साथ उन्नत तकनीकों का उपयोग इस क्षेत्र की कृषि को और भी समृद्ध बना रहा है। इस संदर्भ में, श्रीराम 1666 सरसों बीज ने किसानों के लिए एक उत्कृष्ट विकल्प के रूप में खुद को साबित किया है। राजस्थान के किसानों का कहना है कि श्रीराम 1666 सरसों बीज ने कृषि जगत में एक नई क्रांति ला दी है। इस बीज की उत्कृष्ट उत्पादन क्षमता, अधिक तेल की मात्रा, रोग प्रतिरोधक क्षमता और विविध जलवायु परिस्थितियों के प्रति अनुकूलता इसे तेजी से लोकप्रिय बना रही है। किसानों के अनुसार, यह हाइब्रिड बीज अन्य परंपरागत किस्मों की तुलना में नीचे से बेहतर फुटान और प्रति फली अधिक दाने उत्पन्न करता है, जिससे तेल की मात्रा में भी वृद्धि होती है। इसकी वजह से किसानों को अधिक उपज के चलते प्रति एकड़ 6000-8000 तक का अतिरिक्त मुनाफा हो रहा है। इसके उच्च तेल मात्रा वाले दाने बाजार में ऊंचे दामों पर बिकते हैं, जिससे किसानों की आय में भी वृद्धि होती है। राजस्थान के किसान, उदय राम यादव, पेमाराम मेघवाल, और मनसिंह जाटव ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस बीज से न केवल अधिक पैदावार हुई, बल्कि फसल की गुणवत्ता भी बेहतर रही। इन किसानों ने बताया कि पिछले दो सालों से उन्हें इस बीज ने प्रति एकड़ 1.5-2 क्विंटल तक अधिक उपज दी है और तेल की मात्रा में भी सुधार हुआ है। इसकी वजह से उन्हें प्रति एकड़ 8000 का अतिरिक्त मुनाफा हुआ, जो अन्य सरसों किस्मों की तुलना में कहीं अधिक था।

जयपुर में उठी 'विस्थापित हिन्दू पुनर्वास बोर्ड' के गठन की मांग

■ *संजीवनी टुडे*

जयपुर । भारत में हिन्दू शरणार्थियों के लिए काम करने वाली निमित्तेकम सोसायटी और धर्मांश फाउंडेशन ने जयपुर में शनिवार को दशहरा के अवसर पर राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में 'हिन्दू आक्रोश दिवस' मनाया। निमित्तेकम सोसायटी और धर्मांश फाउंडेशन ने पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे भारत के पड़ोसी देशों में प्रताड़ित 12,000 से अधिक धार्मिक अल्पसंख्यकों को उनकी दीर्घकालिक वीजा की व्यवस्था के साथ भारतीय नागरिकता दिलवा कर इन प्रताड़ित मुल्कों से निकलने में मदद की है। इस अवसर पर समाज में जागरूकता बढ़ाने के लिए मुख्य वक्ता के रूप में पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ, ओमेंद्र रत्तू, नीरज अत्री, रमणीक मान, वैभव सिंह, राकेश उत्तखंडी और प्रीतेश विश्वानाथ ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ ने संबोधित करते हुए बताया कि, यह भी अच्छा बदलाव है की आज राजनीतिक दल हिंदू की बात करने लगे है और उन्होंने इस बात पर भी भरपूर जोर दिया कि जो हिन्दू जिस भी जगह जिस भी स्थिति में है वो पड़ोसी देशों में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के बारे में बात करे और ज़्यादा से ज़्यादा लोगों को बताए और हर संभव सहयोग करे उन संस्थानों का जो हिंदू विस्थापितों के लिए काम कर रहे है। उन्होंने इज़राइल का उदहारण देकर बताया कि जो बहादुर और एकजूट होता है उसके पीछे पूरा विश्व खड़ा होता है, इसलिए ये जरूरी है कि भारत का हिन्दू एकजूट हो और सरकारों को मज़बूर करे की वो पाकिस्तान तथा बांग्लादेश ही नहीं, विश्व भर मे जहां भी हिन्दू है उनकी सुरक्षा के लिए काम करे और विस्थापित हिन्दू पुनर्वास बोर्ड का गठन हो। इस मौके पर निमित्तेकम सोसाइटी और धर्मांश फाउंडेशन के फाउंडर, डॉ ओमेन्द्र रत्तू ने बताया कि, ''पिछले कुछ वर्षों में,

पाकिस्तान में हिन्दुओं की संख्या 16 प्रतिशत से घटकर 2 प्रतिशत रह गई है, जबकि बांग्लादेश में हिन्दुओं की संख्या 35 प्रतिशत से घटकर 8 प्रतिशत रह गई हैं। इसी प्रकार भारत में हिन्दू 85 प्रतिशत से घटकर 80 प्रतिशत रह गये। सीमा पार, हर दिन लगभग तीन हिन्दू-सिख लड़कियों (बालिकाओं) का उनके घरों से अपहरण कर लिया जाता है और आने वाले 10 वर्षों में, पाकिस्तान और बांग्लादेश में सभी हिन्दू और सिखों को मिटाने की मुहिम जारी है। वे सभी या तो जीवित नहीं बचेंगे या धर्म परिवर्तन कर लेंगे एवं उनके पास पलायन के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। इन्हें बचाने के लिए हम केंद्र और राज्य सरकार से विस्थापित हिन्दू पुनर्वास बोर्ड बनाने का अनुरोध करते हैं क्योंकि इन तीन करोड़ हिंदुओं के लिए भारत के अलावा कोई देश नहीं बचा है। एक समाज के तौर पर हमें अपनी पूरी ताकत इन मासूम लोगों के लिए लगानी चाहिए और उन्हें इस नरकीय जीवन से मुक्त कराना चाहिए। 2016 में अपनी स्थापना के बाद से निमित्तेकम सोसायटी उपमहाद्वीप में सीमा पार के प्रताड़ित हिंदुओं, सिखों, ईसाइयों और अन्य अल्पसंख्यकों के दर्द को कम करने के लिए काम कर रही है, जो सिर्फ अपने पैतृक धर्म का पालन करने के लिए अत्यधिक कठिनाइयों और अपमान का जीवन जी रहे हैं। यह सोसायटी उनके दीर्घकालिक वीजा की व्यवस्था करने से लेकर उन्हें भारत में शिविर स्थापित करने और एक सम्मान और स्वतंत्रता का नया जीवन शुरू करने में सहायता प्रदान करने, उनके अधिकारों के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पैरवी करने और विभिन्न कौशल विकास और रोजगार कार्यक्रमों को शुरू करने के लिए प्रयासरत हैं। सोसायटी ने आधिकारिक आंकड़ों द्वारा समर्थित ठोस अंतर्दृष्टि के माध्यम से सी.ए.ए. (सीएए) जैसे कानून को पारित करने के लिए पैरवी की और उसके लिए आधार तैयार किया है। निमित्तेकम सोसाइटी और धर्मांश फाउंडेशन के फाउंडर, जय आहुजा ने बताया कि, हम विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से इन अल्पसंख्यकों का उत्थान कर रहे है। हमारे प्रोजेक्ट 'पालन' ने जयपुर में ह्यूमन लाइफ फाउंडेशन के साथ साझेदारी में 120 बच्चों को भोजन और कपड़े जैसी बुनियादी आपूर्ति के साथ-साथ शैक्षिक शिक्षा प्रदान करने की जिम्मेदारी ली है। इसी तरह, प्रोजेक्ट आत्मनिर्भर के माध्यम से हमने समाज के वंचित वर्गों में महिलाओं को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान देने के साथ, विभिन्न रोजगार और कौशल विकास कार्यक्रम शुरू किए हैं। इस परियोजना के तहत, हम वित्त पोषण, खरीद, उत्पादन प्रबंधन, वितरण आदि जैसे क्षेत्रों में बुनियादी व्यावसायिक शिक्षा भी प्रदान कर रहे हैं।

मालवीय इंटरनल कल्चरल कार्निवल 2024 - संस्कृति और प्रतिभा का पर्व

■ *संजीवनी टुडे*

जयपुर। नवरात्री के पावन अवसर पर मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर में मालवीय इन्टरनल कल्चरल कार्निवल-2024 का भव्य आयोजन किया गया। संस्थान की क्रिएटिव आर्ट्स और कल्चरल सोसायटी द्वारा आयोजित इस समारोह में शिक्षक गण, स्टाफ, उनके परिवार के सदस्य और विद्यार्थी बड़ी संख्या में नजर आए और उन्होंने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत संध्या 6:30 बजे से सेंट्रल लॉन में हुई जिसमें गीत संगीत, नाटक और नृत्य का विशेष समावेश देखा गया। इस मौके पर सभी लोग पारंपरिक परिधान में नजर आए और कार्यक्रम का भरपूर लुत्फ उठाया। गुरुवार को आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों ने लघु नाटक के माध्यम से रामायण के कुछ अंशों का मनोहारी चित्रण किया और त्योहार के महत्व को समझाया। इसके साथ ही संस्थान की छात्राओं ने मां दुर्गा के सभी नौ रूपों को प्रस्तुत कर अपार शक्ति का

परिचय दिया। कार्यक्रम को रोमांचक बनाने हेतु मनोहर नृत्य प्रस्तुति का भी आयोजन किया गया जिसमे गुजराती लोक गीतों से लेकर बॉलीवुड गानों पर नृत्य कर प्रस्तुत कर्ताओं ने सबका दिल जीत लिया। अंत में सभी ने दिल खोलकर गरबा किया और इस यादगार संध्या का खूब आनंद लिया। विद्यार्थियो ने दोस्तों एवम शिक्षकों संग तस्वीरें भी ली। कार्यक्रम के दौरान, चार विशेष पुरस्कारों की घोषणा की गई। सर्वश्रेष्ठ पोशाक पुरुषः आदित्य जांगिड़, सर्वश्रेष्ठ पोशाक महिलाः सुश्री भाविका, सर्वश्रेष्ठ नर्तक पुरुषः प्रियांशु, सर्वश्रेष्ठ नर्तक महिलाः लीना डीन स्टूडेंट वेलफ़ेयर प्रो. कनुप्रिया सचदेव और एसोसिएट डीन (कल्चरल) डॉ. मीनाक्षी त्रिपाठी ने अन्य प्रतिष्ठित शिक्षकों के साथ इस अवसर की शोभा बढ़ाई। यह आयोजन एमएनआईटी जयपुर के निदेशक प्रो. एन. पी. पाढ़ी के नेतृत्व में आयोजित किया गया था।

संघ लालबाग नगर की ओर से पथ संचलन एवं उत्सव का आयोजन

■ *संजीवनी टुडे*

मुंबई। मुंबई महानगर के लालबाग विभाग में विजयादशमी के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ लालबाग नगर द्वारा ''विजयादशमी पथ संचलन एवं उत्सव'' का आयोजन किया गया। अग्रणी भगवा ध्वज लेकर निकले स्वयंसेवकों के पथ संचलन का विभाग के नागरिकों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। यह संचलन घोषवाद्य के साथ लालबाग के मेघवाड़ी से शुरू हुआ और छत्रपति शिवाजी महाराज क्रिडांगण (गरमखाड़ा मैदान) लालबाग में समाप्त हुआ। इस समय मा. लालबाग नगर संघचालक श्री. दीपक मालवीय ने शस्त्र पूजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भरतनाट्यम में पारंगत सामाजिक कार्यकर्ता आरती रोहित राजाध्यक्ष थीं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी राय व्यक्त करने का अधिकार है और नागरिकों को सामाजिक भावना के उद्देश्य से अपनी सशक्त राय व्यक्त कर समाज में जागरूकता पैदा करनी चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा भी ऐसे ही सामाजिक कार्य किये जाने की कामना की। महोत्सव के समापन कार्यक्रम में मुंबई महानगर आयुक्त संजय

नागरकर ने उपस्थित स्वयंसेवकों एवं नागरिकों को संबोधित किया। इस समय अपने विचार प्रकट करते हुए उन्होंने कहा कि अपने 100वें वर्ष की ओर बढ़ते हुए अब तक उपेक्षित रहे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से समाज अब एक विकसित राष्ट्र की उम्मीद कर रहा है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को पारिवारिक प्रबोधन के साथ-साथ सामाजिक अनुशासन का भी पालन करना होगा। उसके बाद हाल ही में दिवंगत हुए उद्योगपति के.रतन टाटा को श्रद्धांजलि देकर कार्यक्रम का समापन किया गयाम कार्यक्रम का संचालन नगर कार्यवाह रत्नेश शुक्ला एवं नगर सह नगर विजयकुमार मिश्रा ने किया।

हार्ट चिकित्सक गरिमा की हृदय घात से मृत्यु

■ *संजीवनी टुडे*

जयपुर। एक ऐसी शख्सियत और व्यक्तित्व डॉ. गरिमा जो कि मेडिकल कॉलेज जयपुर में हार्ट के बेहोशी की डॉक्टर थी। बहुत कम उम्र की थी कल ऑपरेशन थिएटर में एक मरीज की सर्जरी के लिए बेहोश करने आए थे। ऑपरेशन मरीज का चल रहा था तभी थोड़ी देर पश्चात डा .गरिमा को घबराहट हुई तभी अचानक दर्द होने पर सीने में वहा ओटी से बाहर आकर बैठ गई और कर्मभूमि पर मृत्यु को प्राप्त हुई। महत्वपूर्ण बात यह है कि वे विश्व स्तरीय मेडिकल कॉलेज में हार्ट की विषेज्ञा थी। उन्होंने अब तक हजारों ओटी के अंदर मरीजों को सीपीआर देकर जान बचाई। कहा जाता था कि वे रोज 4 से 5 मरीजों को छाती पर दबाव सीपीआर देकर ऑपरेशन से मरीज को मौत के मुंह से छीन लाया करती थी। परन्तु उनके स्वयं के लिए जहां उन्नत तकनीकी विशेषज्ञ डॉ और तुरंत इलाज और ऑपरेशन होने की संभावना थी। परन्तु ऐसा कुछ नही हो पाया क्युकी विज्ञान और आधुनिक चिकित्सा कितना भी तरक्की कर ले।

अमेज़न एमएक्स प्लेयर ने बहुप्रतीक्षित टीन लव ड्रामा गुटर गु सीजन 2 : युवा प्रेम की परीक्षा का अनावरण किया, अब लाइव स्ट्रीमिंग हो रही है!

■ *संजीवनी टुडे*

मुंबई। अब इंतजार हुआ खत्म! प्रशंसक अब खुशी मना सकते हैं, क्योंकि बहुप्रतीक्षित गुटर गु सीजन 2 अब अमेज़न एमएक्स प्लेयर, अमेज़न की मुफ्त वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा पर लाइव स्ट्रीमिंग हो रही है। अपने पहले सीजन की शानदार सफलता के बाद, यह फैन-फ़ेवरेट टीन रोमांस ड्रामा अब अनूज और ऋतु की दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी के अगले अध्याय के साथ वापस आ गया है। इस सीजन में उनके रोमांस का एक नया पहलू सामने आता है क्योंकि उनकी प्रेम कहानी को लंबी दूरी के रूप में एक कठिन चुनौती का सामना करना पड़ता है। साकिब पंडोर द्वारा निर्मित और निर्देशित तथा गुनीत मोंगा कपूर के ऑस्कर विजेता प्रोडक्शन हाउस, सिख्या एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, गुटर गु सीजन 2 में प्रिय मुख्य कलाकारों की वापसी हो रही है, जिसमें विशेश बंसल और अशलेशा ठाकुर अपने अनूज और ऋतु के किरदारों को फिर से निभा रहे हैं। नए सीजन में अनूज और ऋतु के जीवन के कुछ सुखद पहलू और कुछ दुखद पहलू दिखाए गए हैं, क्योंकि वे भोपाल से अहमदाबाद के लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप को निभाने की कोशिश करते हैं। यह सीरीज उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालती है, जहाँ वे अपने करियर को बनाने का प्रयास कर रहे हैं, साथ ही एक-दूसरे से जुड़े रहने की जद्दोजहद भी कर रहे हैं। जैसे-जैसे वे प्यार, बिछड़ने और तड़प से गुजरते हैं, यह दूरी उनके रिश्ते की परीक्षा लेती है, जिससे गलतफहमियाँ और दिल टूटने के पल आते हैं। क्या अनूज और ऋतु का प्यार इन चुनौतियों का सामना कर

पाएगा, या उनके बीच की ये दूरी उन्हें अलग कर देंगी

नए सीजन पर अपने विचार साझा करते हुए, अमेज़न मिनीटीवी के हेड ऑफ कंटेंट, अमोघ दुसाद ने कहा, पहले सीजन की शानदार सफलता के बाद, हम गुटर गु सीजन 2 के साथ वापस आकर बेहद उत्साहित हैं। पहले सीजन को जो प्यार और सराहना मिली, वह अद्भुत थी और हम दर्शकों को अनूज और ऋतु की इस यात्रा में शामिल होते देखने के लिए और इंतजार नहीं कर सकते। प्रेम, विश्वास, और रिश्ते को बनाए रखने में आने वाली चुनौतियों से भरपूर यह आकर्षक कहानी एक बार फिर दर्शकों के दिल को छूने में कामयाब होगी। निर्माता और निर्देशक साकिब पंडोर ने कहा, ''पहले सीज़न को मिले अविश्वसनीय प्यार और प्रतिक्रिया ने हमें दूसरे सीज़न में अनुज और रितु की कहानी को नई भावनात्मक गहराई तक ले जाने का आत्मविश्वास दिया। पहले सीजन में पहली मोहब्बत की मासूमियत और उत्साह को खूबसूरती से दिखाया गया था, लेकिन अब हम एक और चुनौतीपूर्ण दौर की ओर बढ़ते हैं, जहाँ उनके रिश्ते को दूरी की परीक्षा का सामना करना पड़ता है। हमने इन किरदारों के विकास को दिखाने की कोशिश की है, कि वे अलगाव से कैसे निपटते हैं और बढ़ती कड़वी-मीठी हकीकत का सामना कैसे करते हैं। पूरी टीम ने इस कहानी को जीवंत करने के लिए दिल से मेहनत की है, और मुझे उम्मीद है कि दर्शक उन नई चुनौतियों को महसूस करेंगे जिनका सामना ये किरदार कर रहे हैं। विशेष बंसल, जो सीरीज में अनूज का किरदार निभा रहे हैं, अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए कहते हैं, मैं बेहद उत्साहित हूँ कि अनूज की यात्रा को सीजन 2 के साथ एक बार फिर स्क्रीन पर जीवंत करने का मौका मिला। इस नए सीजन में मेरा किरदार नई चुनौतियों और अनुभवों का सामना करता है। अश्लेषा ठाकुर के साथ काम करने से इन चुनौतियों को पार करना आसान हो गया। मुझे विश्वास है कि दर्शकों को यह सीजन बहुत पसंद आएगा, क्योंकि इसमें हाई स्कूल प्रेमियों की मासूमियत और रोमांस को खूबसूरती से दिखाया गया है, जो अपने रिश्ते और अपने जुनून के बीच की लड़ाई में उलझे हुए हैं, जिसे कई लोग अपने जीवन से जोड़ पाएंगे।

विश्व गठिया (आर्थराइटिस) दिवस 2024: फोर्टिस एस्कॉर्ट्स अस्पताल जयपुर ने सभी उम्र के लोगों में गठिया के बढ़ते प्रभाव और शुरुआती हस्तक्षेप के महत्व पर प्रकाश डाला

■ *संजीवनी टुडे*

जयपुर। रूमेटिक और मस्कुलोस्केलेटल रोगों (आरएमडी) के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्व गठिया (आर्थराइटिस) दिवस के रूप में मनाया जाता है। पारंपरिक रूप से बुजुर्गों की बीमारी मानी जाने वाली गठिया तेजी से सभी आयु वर्गों के व्यक्तियों को प्रभावित कर रही है, जिससे शुरुआती समय में ध्यान देने, उचित निदान और प्रभावी उपचार की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है। भारत में 180 मिलियन से अधिक लोग रूमेटाइड गठिया से प्रभावित हैं और यह पुरानी स्थिति एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बन गई है। ऑस्टियोआर्थराइटिस, गठिया का एक और सामान्य रूप, भारत में भी बढ़ रहा है, अनुमानित 62.35 मिलियन लोग इस अपक्षयी संयुक्त स्थिति से जूझ रहे हैं। ऑस्टियोआर्थराइटिस गतिशीलता और जीवन की गुणवत्ता को गंभीर रूप से प्रभावित करता है, खासकर बढ़ती उम्र वाली आबादी के बीच। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह स्थिति युवा व्यक्तियों को भी प्रभावित कर सकती है, विशेष रूप से शारीरिक रूप से ख़राब जीवनशैली वाले या चोट लगने की संभावना वाले व्यक्तियों में। भारत में गठिया का आर्थिक और सामाजिक बोझ लगातार बढ़ रहा है, खासकर देश की बुजुर्ग आबादी बढ़ने के साथ। विश्व गठिया दिवस का उद्देश्य इन स्वास्थ्य समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करना, अधिक जागरूकता को बढ़ावा देना और इन स्थितियों को कम करने के लिए कम्युनिटी सपोर्ट, प्रारंभिक निदान और बेहतर स्वास्थ्य देखभाल नीतियों को बढ़ावा देना है। डॉ. अमित शर्मा, वरिष्ठ गठिया रोग विशेषज्ञ, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल जयपुर ने बताया की गठिया को अक्सर केवल बुजुर्गों को प्रभावित करने वाली बीमारी समझा जाता है जो गलत है, यह किसी भी उम्र में हो सकती है, जिसमें जोड़ों में दर्द, जकड़न और सूजन जैसे लक्षण इसके शुरुआती संकेत हैं। स्वस्थ जीवनशैली विकल्पों को अपनाने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए इन संकेतों को जल्दी से संबोधित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जैसे स्वस्थ वजन बनाए रखना, नियमित व्यायाम करना और जोड़ों की देखभाल के लिए नैदानिक परामर्श। ये सभी उपाय गठिया होने के जोखिम को कम कर सकते हैं या इसको बढ़ने से रोकने में मदद कर सकते हैं। डॉ. अमित ने बताया की युवाओं व बच्चों में होनी वाली गठिया शरीर के इम्यून सिस्टम की ख़राबी से होती है।

गडकरी ने नागपुर से न्यूगो की कश्मीर से कन्याकुमारी तक की इलेक्ट्रिक बस यात्रा को दिखाई हरी झंडी

■ *संजीवनी टुडे*

नई दिल्ली। ग्रीनसेल मोबिलिटी के इलेक्ट्रिक बस ब्रांड न्यूगो ने ऐतिहासिक कश्मीर से कन्याकुमारी (ई-के 2के) इलेक्ट्रिक बस अभियान की शुरुआत की है। यह यात्रा भारत में पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस अभियान के साथ, न्यूगो दुनिया का पहला इलेक्ट्रिक बस ब्रांड बनने जा रहा है, जो यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करेगा। न्यूगो का लक्ष्य समुद्र तल से 3,500 फीट ऊपर से लेकर कन्याकुमारी के समुद्र तट तक 4,000 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय करना है। इस बस यात्रा के दौरान 200 से ज्यादा शहरों और कस्बों से गुजरते हुए, न्यूगो न केवल भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक बनेगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ विकास का संदेश भी फैलाएगी। यात्रा के दौरान कई सार्थक गतिविधियां जैसे स्टूडेंट वर्कशॉप, वृक्षारोपण

अभियान, सफाई कार्यक्रम, और सुरक्षा-थीम वाले नुक्कड़ नाटक आयोजित किए जाएंगे। यह यात्रा सही मायनों में ''ई-बस जो अच्छा करती है'' की भावना को जीवंत करेगी। न्यूगो की ई,के 2के इलेक्ट्रिक बस के वेस्टर्न लेग (पश्चिमी भारत से गुजरने वाले हिस्से) को भारत सरकार के माननीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने नागपुर से हरी झंडी दिखाई। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, ''मुझे खुशी है कि न्यूगो ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक की ऐतिहासिक इलेक्ट्रिक बस यात्रा शुरू की है, जो 4,000 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करेगी। इसका उद्देश्य इलेक्ट्रिक बसों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और छात्रों तथा आम लोगों के साथ अलग-अलग शहरों में महत्वपूर्ण गतिविधियां आयोजित करना है। यह बस 200 से ज्यादा कस्बों और शहरों से होकर गुजरेगी। इलेक्ट्रिक बसें आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और टिकाऊ भविष्य के लिए बेहद जरूरी हैं, और भारत सरकार भी इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को अपनाने का पूरा समर्थन कर रही है। न्यूगो की यह ई-के2के यात्रा देश में चार्जिंग सुविधाओं में सुधार और लंबी दूरी की यात्रा के लिए इलेक्ट्रिक बसों की क्षमता को साबित करती है। यह यात्रा भारत की इनोवेशन और हरित तकनीक के प्रति प्रतिबद्धता को भी दिखाती है। ग्रीनसेल मोबिलिटी के सीईओ और एमडी देवेन्द्र चावला ने भी भारत में पर्यावरण के अनुकूल सार्वजनिक परिवहन की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''न्यूगो की महत्वाकांक्षी ई-के 2के यात्रा हमें कश्मीर से कन्याकुमारी तक 4,000 किलोमीटर से अधिक की यात्रा पर ले जाएगी, जो अलग-अलग इलाकों में इलेक्ट्रिक बसों की ताकत और टिकाऊपन को दिखाएगी। यह यात्रा सिर्फ एक रिकॉर्ड बनाने के लिए नहीं है, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक भी है। 200 से ज्यादा शहरों से गुजरते हुए, इसका उद्देश्य स्वच्छ परिवहन के प्रति जागरूकता बढ़ाना और लोगों को इलेक्ट्रिक बसों को अपनाने के लिए प्रेरित करना है। इस यात्रा में कई सार्थक गतिविधियों का आयोजन होगा, जो ई-बस की ''अच्छा करने'' की भावना को सच में दर्शाएगी। यह यात्रा 4 अक्टूबर को जम्मू से शुरू हुई थी। खूबसूरत घाटियों से लेकर चहल-पहल वाले शहरों तक, इस अभियान को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता को दिखाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। साथ ही अलग-अलग इलाकों में इलेक्ट्रिक बसों की व्यावहारिकता का प्रदर्शन करने का भी प्रयास किया गया। इस यात्रा के आगे बढ़ने के साथ न्यूगो की इलेक्ट्रिक बसें भारत भर के लोगों को प्रेरित करती रहेंगी। ये इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के फायदों और आम लोगों में अपने ग्रह को बचाने के लिए स्वच्छ परिवहन के साधनों को अपनाने के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाएंगी। न्यूगो इलेक्ट्रिक बसें सुरक्षा और आराम के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हैं।

भाजपा के सदस्यता अभियान के दूसरे चरण में बनेंगे सक्रिय सदस्य

■ *संजीवनी टुडे*

बीकानेर भारतीय जनता पार्टी बीकानेर शहर के सदस्यता अभियान के दूसरे चरण में अब सक्रिय सदस्य बनेंगे जिसकी कार्यशाला आज भाजपा जिला मुख्यालय में शहर जिलाध्यक्ष विजय आचार्य की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमे मुख्य वक्ता केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल उपस्थित रहे। हरियाणा चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर सभी ने मेघवाल को बधाई दी। बैठक में कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुए अर्जुनराम मेघवाल ने कहा भाजपा सदस्यता अभियान में हर वर्ग हर क्षेत्र के लोगो ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया इस सदस्यता अभियान को पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्सव की तरह मनाया और बूथ स्तर तक घर घर जाकर सदस्यों को जोड़ा गया है जो सरहनीय है और अब इस अभियान का दूसरा चरण सक्रिय सदस्य बनाने का अभियान 16 से 31 अक्टूबर तक चलेगा, कम से कम100 साधारण सदस्य बनाने वाले कार्यकर्ता को सक्रिय सदस्य बनाया जाएगा जिसके लिए नमो ऐप या भाजपा वेबसाइट के माध्यम से 100 रुपये का गैर-वापसीयोग्य भुगतान किया जाएगा।

खबरें फटाफट

मीठारामजी का मंदिर में शस्त्र पूजन

संजीवनी टुडे

जयपुर। स्वस्थान श्री रामानंद संप्रदाय सिद्धपीठ नृसिंहद्वारा मीठाराम जी का मंदिर रावजी हाट्टा में श्री नौनिधि सेवा संस्थान द्वारा शस्त्र पूजन किया गया जिसमें श्रीमहंत रामचन्द्रदास खाकी, महंत हर्षितादास द्वारा शस्त्र पूजन किया गया। महंत हर्षितादास ने इस अवसर पर शास्त्र के साथ साथ शस्त्र व मर्यादित वस्त्र की आवश्यकता पर बोलते हुए कहा कि समाज व महिलाओं को स्वयं सशक्त व समर्थ होना पड़ेगा। पंडित नरोत्तम गौड़ ने कहा कि बच्चों को एन सी सी व अग्निवीर योजनाओं के तहत प्रशिक्षण में भेजना चाहिए. मिनाक्षी वैष्णव ने गो संरक्षण पर अपने विचार रखे । कार्यक्रम में रानी भाटिया, कल्पना सोनी ज्योती ,नैना , काजल प्रियंका सिंग, मीना , आदि ने भी शस्त्रपूजन किया।

डामरीकरण सड़क पर खडडे होने से आए दिन दुर्घटना

संजीवनी टुडे

जाशमा। भूपाल सागर से वाया जाशमा मातृकुंडिया तक डामरीकरण सड़क मार्ग पर बड़े-बड़े खड्डे होने से आए दिन वाहन चालक की घटनाएं होती रहती हैं सार्वजनिक निर्माण विभाग के द्वारा डामरीकरण सड़क पर खड्डे की मरम्मत कर डामरीकरण सड़क को सही करने की मांग की गई है ,एवं विभाग इस सड़क पर विशेष ध्यान देवे ,कई लोग मातृकुंडिया दर्शन करने के लिए आते जाते हैं जिससे दो पहिया वाहन एवं चार पहिया वाहन चलाने में लोगों को दिक्कत रहती है और खड़े होने से आए दिन दुर्घटना होती है सार्वजनिक निर्माण विभाग बार-बार खड़े दुरुस्त करने के बावजूद भी वापस खड़े का रूप ले लेता है।

गाय का बच्चा गटर मे अंदर गिरने से घायल इलाज कराया

संजीवनी टुडे

जाशमा। जाशमा मे चावडा माता के मंदिर की सड़क के पास गटर में गाय का बच्चा गटर मे अंदर गिरने से घायल इलाज कराया गौ रक्षा समिति जाशमा स्थानीय ग्राम जाशमा में चावडा माता खेड़ा खुट के रास्ते पर गटर में एक गाय का बच्चा गिरने से घायल हुआ जिसको नवयुवकों के द्वारा गटर से निकला गया गौ रक्षा के अध्यक्ष जाशमा के सुरेश चंद्र जाट एवं गौ रक्षा समिति के सदस्य विजय कुमार जोशी ,दिनेश चंद्र जाट ,सुरेश चंद्र जाट ,घनश्याम जाट ,रामलाल करेसिया ,प्रकाश चंद्र कुम्हार, गोपाल लाल कुमार भोपा ,आदि कई नवयुवक ने गटर में पानी होने के बावजूद भी उसको रसिया की सहायता से बाहर निकला गया एवं बेरवा कंपाउंडर पशु चिकित्सा जोथपुरा के मौके पर आकर गाय की बच्ची को इंजेक्शन लगाया एवं दवाई गोलियां की सहायता से दी गई ईलाज कराया गया, गौ रक्षा करना ही हमारा धर्म है गाय में 33 करोड़ देवी देवताए विराजमान हैं।

माजावतो गुडा में धूमधाम से नेजा प्रतिष्ठा नवरात्रि का ज्वारा का जल में किया विसर्जन

संजीवनी टुडे

सलुम्बर। सलुम्बर के झल्लारा पंचायत समिति के अंतर्गत मजावतो गुड़ा गातोड़ जी मंदिर के अंतर्गत माता नारसिंह जी की निकाली झांकी। जिसमें आसपास गांवों के हजारों श्रद्धालु एवं भक्तगण मौजूद रहे स्थानीय भोपाजी नाराभाई मीणा ने मंदिर में पूजा पाठ के साथ हवन की प्रक्रिया को पूरा कर नेझा सरवर के लिए 12:15 बजे दोपहर को रवाना किया जिसमें सरवर के लिए वह ज्वारा जल में प्रवाहित करने के लिए नदी के लिए रवाना किया गया भक्तगणों की भीड़ खासमखास होने की वजह से मंदिर से नदी तक लाइन का क्रम जुड़ा रहा वह रिटर्न के समय आसपास के भोपा व तांत्रिक जादू वालों नै माता नरसिंह के रथ को अपने तंत्र मंत्र व उपासना का रथ के ऊपर आजमाया और रथ हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रोचक रहा दर्शनार्थियों की संख्या 5000 के करीब रही ।स्थानिय ग्रामीणों ने सभी भक्तगण और दर्शनार्थियों को प्रसाद के स्वरूप भोजन ग्रहण कर कार्यक्रम का समापन किया।

उदयपुर में रावण दहन का अद्भुत नजारा: गांधी ग्राउंड में आतिशबाजी से सतरंगी हुआ आसमान

धू-धू कर जली लंका और 70 फीट का रावण

संजीवनी टुडे

उदयपुर । शहर के गांधी ग्राउंड में शाम सात बजे बाद आतिशबाजी का शोर था। शोर के बीच एकाएक अंधेरा हुआ और यहां जुटे शहरवासियों से अपने मोबाइल के टॉर्च की लाईट जलवाई और उसके बाद नजारा ही कुछ और था। इसके बाद सबसे पहले लंका दहन और फिर मेघनाथ, कुंभकरण और रावण के पुतले दहन किए गए। उदयपुर में आज श्री बिलोचिस्तान पंचायत एवं श्री सनातन धर्म सेवा समिति के तत्वावधान में विजया दशमी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। दोपहर में शक्तिनगर से निकली शोभायात्रा गांधी ग्राउंड पहुंची और उसके बाद रावण दहन का कार्यक्रम शुरू हुआ। इसमें पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया भी शामिल हुए। सबसे पहले आतिशबाजी शुरू की गई। आतिशबाजी के नजारे ने आसमान सतरंगी हो गया। इसके बाद हनुमान सोने की लंका में पहुंचे। थोड़ी देर में लंका जल गई तो दूसरी तरफ श्रीराम और लक्ष्मण आगे बढ़े। लक्ष्मण ने मेघनाथ और कुंभकरण के पुतलों को दहन करने परम्परा का निवर्हन किया। इससे पहले श्रीराम ने तीर कमान हाथ में लेकर तीर से निशाना साधा। इसके साथ ही रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के विशाल पुतलों का आतिशी दहन किया गया और कुछ ही मिनटों में पुतले धू-धू कर जल गए। उदयपुर में यहां रावण का पुतला 70 फीट, मेघनाथ और कुंभकरण के पुतले 65 फीट ऊंचे बनाए गए तो 100 फीट लंबी सोने की लंका का निर्माण किया गया था। इससे पहले यहां आए

शहरवासियों और बच्चों ने श्रीराम-लक्ष्मण और हनुमान के साथ अपने फोटो खींचवाएं। इससे पूर्व बिलोचिस्तान पंचायत और सनातन धर्म सेवा समिति के तत्वावधान में शक्तिनगर स्थित सनातन मंदिर से दोपहर बाद भगवान श्रीराम अपने भाई लक्ष्मण सहित भगवान शिव का पूजन करने के बाद शोभायात्रा रवाना हुई। शोभायात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए गांधी ग्राउंड पहुंची। मार्ग में जगह-जगह शोभायात्रा का स्वागत किया गया। शोभायात्रा में झांकियों ने लोगों को आकर्षित किया और राम-लक्ष्मण की झांकी भी थी।

ये झांकियां शामिल थी

तारा सेवा संस्थान, मीरा प्रताप महिला संस्थान, मेवाड़ पालीवाल मेनारिया नागदा एवं समस्त ब्राह्मण सामूहिक विवाह समिति, श्री परशुराम वैवाहिक एव कल्याण सहकारी समिति, आश्रय सेवा संस्थान, भोपालपुरा युवा संगठन (खानपुर पंचायत), वेस्ट जोन, विप्र फाउंडेशन संगठन, महाकाल मंदिर आदि संगठनों द्वारा शोभायात्रा में विभिन्न झांकियां शामिल की गई। कार्यक्रम में विजय कस्तूरी (श्रीराम), अमित खथूरिया (लक्ष्मण), किशोर लालवानी (हनुमान) और रावण का अभिनय दीपक मोगरी ने किया।

विजय तिलक कराया

पंडित मणि शंकर ने सभी अतिथियों की मौजूदगी में विधिवत्त पूजा कर शैलेश कुमार ब्रिजवानी गुरु द्वारा विजय तिलक कराया। कार्यक्रम में पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, जिला कलेक्टर अरविंद कुमार पोसवाल, सांसद मन्नालाल रावत, शहर विधायक ताराचंद जैन, ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, एसपी योगेश गोयल, महापौर गोविंदसिंह टांक, पूर्व सांसद रघुवीर मीणा, नगर विकास न्यास के पूर्व अध्यक्ष रविंद्र श्रीमाली, समाजसेवी दलपत सुराणा, त्रिलोक पूर्बिया, अनिल मलकानी, प्रतापराय चुग व पुलिस अधीक्षक भी उपस्थित हुए।

इन झांकियां को मिला पुरस्कार

बेस्ट झाकियों में पहला स्थान तारा सेवा सस्थान, दूसरा स्थान आश्रय सेवा संस्थान व तीसरा स्थान विप्र फाउंडेशन प्राप्त किया। सेवा समिति के प्रकाश बुधराज, पंचायत के सुरेश कटारिया, सेवा समिति के हेमन्त गखरेजा, पंचायत के मनोज कटारिया, पूज्य श्री बिलोचिस्तान पंचायत के महासचिव विजय आहूजा, सेवा समिति के नरेंद्र कशरिया सेवा समिति के प्रकाश नारंगा भावेश कथूरिया, सेवा समिति के प्रकाश नारंग, भावेश तलदार, मनीष डेम्बला, होलाराम छोडा, दुर्गश चान्दवानी, मिनाक्षी कस्तूरी, जितेंद्र कालरा आदि मौजूद थे।

ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा: बेटी ने ही प्रेमी व अन्य के साथ मिलकर कर की थी पिता की हत्या

संजीवनी टुडे

लासिया। क्षेत्र के खारा फला (आमलिया) गांव में 28 सितंबर को हुए ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी सुलझाते हुए पुलिस ने मृतक की बेटी, उसके प्रेमी, दो साथियों सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। साथ ही एक नाबालिग को डिटेन किया। झाड़ोल(उदयपुर). फलासिया क्षेत्र के खारा फला (आमलिया) गांव में 28 सितंबर को हुए ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी सुलझाते हुए पुलिस ने मृतक की बेटी, उसके प्रेमी, दो साथियों सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

साथ ही एक नाबालिग को डिटेन किया। बुढ़ापे में भी जवानी जैसी ताकत देती है यह सफ़ेद चीज, जानिए कैसे करें इसका सेवन थानाधिकारी सीताराम ने बताया कि गत 29 सितंबर को आमलिया निवासी गोपाल पुत्र भूरा गमार ने रिपोर्ट दी कि 29 सितंबर को सुबह जब वह अपने भाई दिनेश (38) पुत्र धूरागमार के घर की तरफ गया तो भाई मृत अवस्था में पड़ा था। उसके शरीर पर चोट के निशान थे। प्रथमदृष्टया किसी ने गला घोटकर हत्या करके उसे सुला

दिया। पुलिस ने संदिग्धों से पूछताछ की। मृतक की पुत्री शीला कुमारी की गतिविधियां संदिग्ध लगने पर उससे पूछताछ की तो शीला कुमारी ने अपने प्रेमी करण गमार व उसके दोस्तों के साथ मिलकर अपने पिता की हत्या करना स्वीकार किया। पुलिस ने बताया कि हत्या कर फरार हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें गठित की गई। जहां टीम ने करण गमार व रामलाल कोपसा को राजकोट से दस्तयाब किया। आरोपी पवन लहूर को झाड़ोल थाना क्षेत्र से दस्तयाब किया तथा एक नाबालिग को फलासिया थाना क्षेत्र के करेल से डिटेन किया। पूछताछ में तीन आरोपियों व एक नाबालिग ने दिनेश की हत्या करना स्वीकार किया।

नवरात्रि महोत्सव के दसवें दिन भी थिरके महिलाओ के कदम, दशहरे के दिन डांडिया पुरे परवान पर

संजीवनी टुडे

पिंण्डवाड़ा/सिरोही। शारदीय नवरात्री गरबा महोत्सव को लेकर समुचे शहर से लेकर गांवों में भी धूम मची हुई है। शाम होते ही शक्ति माता पांडालों में भक्तों की भीड़ नजर आने लगती हैं। साथ माँ अंबे की महाआरती के समय बड़ी सख्या में श्रद्धालु बढ़-चढ़ कर भाग लेते है। जानकारी के अनुसार शहर के घांचीवाडा में स्थित श्री द्वारिकाधीश मंदिर प्रांगण में घांची समाज के तत्वावधान में डांडिया रास का आयोजन किया जा रहा हैम्‌ जिसमें युवाओं द्वारा काफी व्यवस्थित रूप से दर्शकों के बैठने,पानी की व्यवस्था की गईम्‌ वही सामाजिक वेशभूषा में युवतियां गुजराती गरबा पर डांडिया रास करती हुए लोगों का मन मोह लिया म्‌इस दौरान सामाजिक स्तर पर युवाओं ने अलग-अलग दल बनाकर युवाओं द्वारा व्यवस्था संभाल रखी है म्‌ वही घांचीवाडा में स्थित श्री द्वारकाधीश मंदिर प्रांगण में आयोजित नवरात्रि

महोत्सव में डेकोरेशन आकर्षण का केंद्र रहा,वहीं शहर के शक्ति माता मंदिर,लक्ष्मी नारायण मंदिर,राम मंदिर,बाण माता मंदिर,सरिया देवी मंदिर,चामुंडा माता मंदिर में गरबा महोत्सव के दसवें दिन भी गरबा नृत्य का जुनून बच्चों से लेकर महिलाओं के सिर चढ़कर बोला। द्वारकाधीश मंदिर प्रांगण में नवरात्रि महोत्सव काफी उत्साह पूर्वक आयोजन किया जा रहा हैम्‌गरबे में डांडिया रास को देखने के लिए आस-पास के सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु आते हैंम्‌ वही शहर के निकटवर्ती जनापुर,झाडोली ग्राम में जगह-जगह गरबा डांडिया महोत्सव की धूम राजस्थानी एवं गुजराती गानों पर रंग बिरंगी वेशभूषा में अलग-अलग ग्रुप द्वारा अपनी-अपनी कला को प्रस्तुत किया जा रहा है,देर रात तक डांडियों की खनक खनकती है,जिसमें देर रात तक भक्त मौजूद रहकर अपनी आस्था प्रकट कर रहे है। गरबे की भव्यता को देखते हुए सैकड़ों की संख्या में आस-पास के गांवों के लोग आने लगे।

बीएन संस्थान में माँ दुर्गा के नव रूपों एवं विजयादशमी पर चित्र प्रदर्शनी का आयोजन

संजीवनी टुडे

उदयपुर। भूपाल नोबल्स पीजी महाविद्यालय में संचालित दृश्य कला विभाग के द्वारा शारदीय नवरात्रा अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस और विजयादशमी पर चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। शारदीय नवरात्रा मे माताजी के नौ रूपों को कैनवास पर उकेरा गया। बी एन विश्वविद्यालय के चैयरपर्सन कर्नल प्रो शिवसिंह सारंगदेवोत, प्रेजिडेंट डॉ महेन्द्र सिंह आगरिया और प्रबंध निदेशक मोहब्बत सिंह राठौड़ ने दीप प्रज्वलित कर चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ रेणु राठौड़ ने अतिथियों और सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और बताया दृश्य कला विभाग की विभागाअध्यक्ष डॉ. कंचन राणावत के मार्गदर्शन में इस उत्कृष्ट कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संयुक्त मंत्री राजेंद्र सिंह ताणा, सह-अधिष्ठाता डॉ रितु तोमर, वाणिज्य एवं प्रबंध संकाय के अधिष्ठाता डॉ राजेंद्र सिंह शक्तावत, डॉ संगीता राठौड़, डॉ कमल सिंह राठौड़, डॉ रजनी अरोरा, चंचल माली उपस्थित थे। इसमें भाग लेने वाले छात्र-छात्राएं प्रियंका शर्मा, रोशन लाल, सुयश शर्मा, जिग्नेश, भारती गोस्वामी, घनश्याम लोहार, दिनेश वागरिया, रणवीर आदि कला के अन्य पहलुओं पर भी इस अवसर पर प्रकाश डाला गया।

अल्ट्राटेक नाथद्वारा सीमेंट लिमिटेड के सामाजिक स्तरों पर कार्य के तहत ग्राम पंचायत आमली की नीम की फली का एए रोड निर्माण का भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया

संजीवनी टुडे

पिण्डवाडा/सिरोही। नगर के समीपवर्ती स्थितअल्ट्राटेक नाथद्वारा सीमेंट लिमिटेड के सामाजिक स्तरों पर कार्य के तहत ग्राम पंचायत आमली की नीम की फली का एए रोड निर्माण का भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया जानकारी के अनुसार कार्यक्रम में अल्ट्राटेक नाथद्वारा सीमेंट प्लांट के इकाई प्रमुख चन्द्र पाल चौहान के मार्गदर्शन में अल्ट्राटेक कम्युनिटी वेलफ़ेयर के सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम के अंतर्गत आमली ग्राम पंचायत की नीम की फली क्षेत्र से जुडी लोगो की मांग को स्वीकारते हुए 900 मीटर लम्बे एए रोड बनाने की स्वीकृति प्रदान की । ग्राम पंचायत आमली सरपंच वीराराम गरासिया ने बताया की ग्राम पंचायत आमली में स्वस्थ्य, शिक्षा,आजीविका हेतु अनेको कार्य करवाये है। एवं ग्राम वासियो की मांग को अल्ट्राटेक द्वारा स्वीकार करने हेतु में इकाई प्रमुख का ग्राम पंचायत आमली के समस्त लोगो की और से साधुवाद देना चाहुँगा की आप के कार्य काल में अनेको कार्य काल में अनेको कार्य एट्टट के माध्यम से पंचायत में संपन्न हुए। सीमेंट इकाई प्रमुख चौहान द्वारा बताया

गया की विगत 2018 से सीमेंट संयंत्र के अधिग्रहण के पश्चात अनेको जन कल्याण के कार्य आमली ग्राम पंचायत में करवाए गए है रोड लाइट ,स्कूल में शौचालय निर्माण एवं मरम्मत कार्य ,बेग वितरण ,कौशल विकास केंद्र के माध्यम से ग्रामीण महिलाओ को स्वरोजगार हेतु प्रेरित किया गया। पिंण्डवाड़ा-आबू विधायक समाराम गरासिया द्वारा सीसी रोड निर्माण का भूमि पूजन किया गया एवं उन्होंने अपने उध्बोधन में बताया की उपरोक्त जनहित के कार्य सीमेंट सयंत्र द्वारा पिंडवाड़ा के क्षेत्र में किये जा रहे है एवं सीसी रोड निर्माण से नीम की फली ग्राम वासियो को आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी , साथ ही बताया की आने वाले समय में ओवर ब्रिज का कार्य भी पूरा किया जायेगा । अल्ट्राटेक यूनिट अपने ग्रामीण क्षेत्रों के विकास हेतु कटिबंध है एवं आवश्यकता व प्राथमिकता के आधार पर आने वाले समय में आप द्वारा सुझाव गए कार्यो को पूरा करने का प्रयास किया जायेगाम्‌ भूमि पूजन के अवसर पर सीमेंट सयंत्र के वरिष्ट उपाध्यक्ष मानव संसाधन तकनिकी के साथ-साथ ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बी एन विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर हुई परिचर्चा

संजीवनी टुडे

उदयपुर। भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय की कन्या इकाई के मनोविज्ञान विभाग द्वारा मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर सेमिनार हॉल में परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. शिल्पा राठौड़ ने परिचर्चा के अवसर पर उद्‌बोधन देते हुए कहा कि वर्तमान में शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने की महती आवश्यकता है। हमें मानसिक स्वास्थ्य के प्रति बेपरवाह नहीं होना चाहिए। मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र सिंह सिसोदिया ने कहा कि वर्तमान परिवेश में व्यक्ति अनेक तनावों में जीवन व्यतीत कर रहा है। हमें इन तनावों के प्रबंधन के विषय में विचार करना चाहिए जिससे हमारा तनाव कम से कम हो सके और हम मानसिक रूप से स्वास्थ्य रह सकें। इस अवसर पर मनोविज्ञान विभाग की विद्यार्थी फातिमा लच्छा व सारा केजार ने अकादमिक तनाव विषय पर अपना प्रेजेन्टेशन दिया और अकादमिक तनाव को कम करने के उपाय सुझाये। इस अवसर पर इरम सिद्दिका आदि विद्यार्थियों ने सवाल जवाब के माध्यम से श्रोताओं की समस्याओं का समाधान किया। परिचर्चा में विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों ने भाग लेते हुए अनेक सवाल करते हुए परिचर्चा में भाग लिया। परिचर्चा की संयोजक डॉ. लोकेश्वरी राठौड़ ने अतिथियों का स्वागत करते हुए परिचर्चा के महत्व को रेखांकित किया। इस अवसर पर विद्यार्थिगण सहित संकाय सदस्य उपस्थित थे।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर मेंटिनेंस के लिए खोदे गए गड्ढे में गिरी कार

संजीवनी टुडे

तीन की मौत दो घायल

रैणी (अलवर)। अलवर से होकर गुजरने वाले दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर शुक्रवार की रात भीषण सड़क हादसा हुआ है। हादसे में जवान बेटा-बेटी सहित पिता की मौत हो गई। परिवार हरियाणा के नारनौल का रहने वाला था और बालाजी के दर्शन करने के लिए दौसा के मेहंदीपुर की ओर आ रहा था। इस दौरान एक्सप्रेस वे पर मेंटीनेंस के लिए खोदा गया गड्ढा चालक को नहीं दिखाई दिया। कार उसमें गिरी और कई बार पलटी। कार सवार तीन लोगों ने दम तोड़ दिया। हादसा शुक्रवार देर रात करीब दस बजे भैड़ोली के पास हुआ। मौके पर पहुंची पुलिस ने बताया कि नारनौल के रहने वाले साठ साल के विद्यानंद अपने परिवार के साथ कार में सवार थे। जब कार पलटी उससे कुछ देर पहले ही पूरे परिवार ने ढाबे पर खाना खाया था और उसके बाद परिवार आगे के लिए रवाना हो गया था। इस दौरान जब कार एक्सप्रेस वे से गुजरी तो चालक को गड्ढा दिखाई नहीं दिया। बताया जा रहा है कि गड्ढे से सुरक्षा के लिए जो बेरिकेट लगाए गए थे, वे काफी दूर रखे थे। इस कारण यह हादसा होना सामने आया है। हादसे में विद्यानंद, उनके 30 साल के बेटे शुभम और बेटी सोनिका यादव की मौत हो गई। उनकी पत्नी संतोष देवी और छह साल के बच्चे कारव घायल हो गए। कार चला रहे चालक को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं। शवों को रैणी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है।

जरूरतमंदों को ब्लड डोनेट करने के लिए युवाओं ने बनाया संगठन, रक्तदान करके बचा रहे हैं लोगों का जीवन

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। राजगढ़ क्षेत्र के चंद युवाओं ने मिलकर रक्तदान के लिए इसी नवरात्रि में नई सोच नई किरण रक्तदानी संगठन बनाया। संगठन में वर्तमान में 600 से ज्यादा सदस्य हैं। संगठन के द्वारा लोगों की ब्लड डोनेट करके मदद की जा रही है और इस वर्तमान समय में लोगों की प्लेटरेट कम होने के कारण एसडीपी की जरूरत होती है। संगठन एक दूसरे साथियों की मदद से और एक दूसरे लिए ब्लड और एसडीपी देने में मदद कर रहा है। संगठन में

यादराम मीना, ढ़िगावड़ा, दिनेश कुमार सैनी राज्य पुरस्कृत शिक्षक, राजकुमार गुप्ता पत्रकार, विक्रम सैनी सरोज लैब, पवन योगी, जितेंद्र सैनी टीटीई, मिठ्ठन खोड़ा दिल्ली पुलिस, सुनील कोठी नारायणपुर ने मिलकर शुरू किया। संगठन में राजगढ़ क्षेत्र में सामाजिक कार्य करने वाली टीम भी मिलकर कार्य कर रही है। इस संगठन का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद लोगों की इस संगठन के साथी या उनके दोस्त के द्वारा ही ब्लड डोनेट या एसडीपी की मांग होने पर मदद की जाती है। नई सोच नई किरण रक्तदानी संगठन के 600 से भी ज्यादा सदस्य हो गए और लगातार जुड़ रहे हैं। शनिवार को यशोदा पुत्री हरिराम निवासी बडला को एसडीपी की आवश्यकता थी तो ग्रुप के सदस्य जितेंद्र के दोस्त सुरेंद्र सिंह राजपूत पुत्र पदम सिंह राजपूत गाजुका ने समय पर पहुंचकर एसडीपी दी और बहन यशोदा की मदद की। इसके साथ ही ग्रुप के सदस्य अजय काली पहाड़ी, हरिमोहन मीणा प्रधानाध्यापक खरखड़ा,नवीन शर्मा अध्यापक कुंडरोली और मोनू धावक एसडीपी देने के लिए तैयार हो गए। इस संगठन के द्वारा लगातार लोगो की मदद की जा रही है। जो कि राजगढ़ क्षेत्र में मिसाल बन गई है।

धू-धू कर जला असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक दशानन का पुतला

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। अधर्म पर धर्म तथा असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक विजयादशमी का पर्व कस्बे सहित आसपास के क्षेत्रों में धूमधाम के साथ मनाया गया। कस्बे के माचाड़ी मार्ग स्थित प्रताप स्टेडियम में 55 फुट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। प्रताप स्टेडियम में कला संगम की ओर से श्रीराम व रावण युद्ध की रामलीला का मंचन किया गया। श्रीराम ने रावण के पुतले पर तीर चलाकर आग के हवाले कर दिया। तेज पटाखों की गूंज के साथ दशानन का पुतला धू-धू कर जल गया। इस दौरान दशहरा महोत्सव समिति की ओर से आतिशबाजी की गई। अधर्म के प्रतीक रावण के पुतले का दहन देखने के लिए भारी संख्या में राजगढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों के लोग शामिल हुए। इससे पूर्व दशहरा महोत्सव समिति की ओर से कस्बे के मेला का चौराहा स्थित सैनी धर्मशाला से गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में चल रही झांकीयो को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। शोभायात्रा को देखने के लिए शहरवासियों का हुजूम उमड़ पड़ा। कस्बे के गोल सर्किल पर सर्वसमाज की ओर से महा आरती का आयोजन

किया गया। शोभायात्रा का शहर में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। इस मौके पर राजगढ़-लक्ष्मनगढ़ विधायक मांगीलाल मीना, भाजपा प्रत्याशी बन्नाराम मीना, नगरपालिका अध्यक्ष सतीश दुहारिया, पुलिस उपाधीक्षक उदय सिंह मीना, थानाधिकारी रामजीलाल, दशहरा महोत्सव समिति के अध्यक्ष एडवोकेट मुकेश जैमन, समाजसेवी सुखराम मीना सहित शहर के गणमान्य लोग सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

उत्तराखंड के पहाड़ों में रेल यात्रा एक सपना था, अब होगा पूरा

वर्ष 2014 में केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार गठित होने पर उत्तराखंड वासियों के बहुप्रतीक्षित स्वप्न के मूर्त रूप लेने के आसार बने। मोदी सरकार ने कर्णप्रयाग तक रेल लाइन बिछाने के संकल्प को व्यक्त किया और तमाम औपचारिकताओं को पूरा करते हुए सत्ता संभालने के लगभग दो वर्ष के भीतर वर्ष 2016 में इस रेल परियोजना को 16,216 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति भी प्रदान कर दी। उत्तराखंड के पहाड़ों में रेल यात्रा का सपना सदियों पुराना है। ज्ञात इतिहास में पहाड़ों में रेल लाइन को लेकर एक संदर्भ वर्ष 1914 के प्रथम विश्व युद्ध के नायक विक्टोरिया क्रॉस दरबान सिंह नेगी से जुड़ा हुआ है। संदर्भ यह है कि प्रथम विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद अंग्रेजी साम्राज्य के तत्कालीन सम्राट जॉर्ज पंचम ने युद्ध में गढ़वाल राइफल के नायक दरबान सिंह नेगी की वीरता को देखते हुए उन्हें सर्वोच्च सैनिक सम्मान विक्टोरिया क्रॉस प्रदान किया। इस दौरान ब्रिटेन के महाराजा ने नेगी से उनकी इच्छाएं पूछी। कहा जाता है कि नेगी ने महाराजा से अपनी एक इच्छा कर्णप्रयाग तक रेल लाइन बिछाने के रूप में व्यक्त की।

इतिहास में वर्ष 1924 में अंग्रेजों द्वारा ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे लाइन का पहली बार सर्वे का विवरण मिलता है। इससे पूर्व अंग्रेज मसूरी तक रेल लाइन का सर्वे भी कर चुके थे। किन्तु तत्कालीन वैश्विक परिस्थितियों और द्वितीय विश्व युद्ध को लेकर चल रहे घटनाक्रम के कारण वो अपनी इन योजनाओं को अंजाम तक नहीं पहुंचा सके। रेल लाइन पहाड़ों तक पहुंचाने के पीछे अंग्रेजों का अपना स्वार्थ भी था। वो प्रकृति प्रेमी थे और उन्हें पहाड़ की जलवायु अनुकूल लगती थी। अंग्रेजों ने पहाड़ की कंदराओं की छान मारी थी। इसका प्रमाण यह है कि उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में वन विभाग अथवा लोक निर्माण विभाग के अधिकांश विश्राम गृह अंग्रेजी शासन काल में निर्मित हुए हैं, जिन्हें डाक बंगला कहा जाता था। अंग्रेजों ने बीहड़, निर्जन व घोर जंगलों के बीच में डाक बंगला बनाए। इसलिए पुरानी पीढ़ी के कुछ लोग मानते थे कि यदि अंग्रेज भारत में कुछ समय और राज करते तो पहाड़ में रेल पहुंच जाती। मगर, दुर्भाग्य देखिए कि स्वतंत्रता प्राप्ति के वर्षों बाद तक भारत की सरकारें पहाड़ पर रेल पहुंचाने की दिशा में इंच भर भी आगे नहीं बढ़ पाई। पहाड़ में रेल लाइन बिछाने की कल्पना पहाड़ जैसी दुष्कर लगने लगी थी। समय-समय पर विभिन्न स्तरों पर ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन निर्माण की मांग उठती रही। मगर यह मांग अनसुनी होती रही। पहाड़वासियों को भी कर्णप्रयाग तक रेल लाइन एक तरह से दिवास्वप्न ही लगने लगी थी।

वर्ष 2014 में केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार गठित होने पर उत्तराखंड वासियों के बहुप्रतीक्षित स्वप्न के मूर्त रूप लेने के आसार बने। मोदी सरकार ने कर्णप्रयाग तक रेल लाइन बिछाने के संकल्प को व्यक्त किया और तमाम औपचारिकताओं को पूरा करते हुए सत्ता संभालने के लगभग दो वर्ष के भीतर वर्ष 2016 में इस रेल परियोजना को 16,216 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति भी प्रदान कर दी। 125 किमी लंबी इस रेलवे लाइन के निर्माण का लक्ष्य वर्ष 2024-25 तक रखा गया है। इस रेल परियोजना में 12 स्टेशन, 17 सुरंगों व 35 पुलो का निर्माण किया जाएगा। यात्रियों के लिए रोमांचकारी साबित होने वाली इस रेलवे लाइन में सबसे लंबी सुरंग 15 किमी की होगी। रेलवे लाइन के निर्माण के बाद उत्तराखंड जहां परिवहन कनेक्टिविटी की दृष्टि से लंबी छलांग लगा सकेगा, वहीं पर्यटकों व तीर्थयात्रियों के लिए आवागमन का एक सुलभ व सस्ता साधन उपलब्ध हो सकेगा। रेल यातायात शुरू होने पर ऋषिकेश से कर्णप्रयाग तक की दूरी, जिसे पूरा करने में सड़क मार्ग से लगभग 6 घंटे का समय लगता है, वो मात्र 2 घंटे में पूरी हो सकेगी। अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से जुड़े उत्तराखंड में इस परियोजना का सामरिक कारणों से बेहद महत्व है। मगर इसके साथ ही पलायन जैसी समस्या से ग्रस्त राज्य के लिए रेल लाइन उम्मीदों की कई किरणों को साथ लेकर आएगी, यह मानना अति संयोक्तिपूर्ण नहीं होगा। केंद्र सरकार द्वारा इस परियोजना को राष्ट्रीय महत्व का घोषित किया गया है। इसकी सतत निगरानी स्वयं प्रधानमंत्री मोदी द्वारा की जा रही है। रेल विकास निगम लिमिटेड द्वारा निर्माणाधीन इस रेल परियोजना की प्रदेश के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत द्वारा भी लगातार समीक्षा की जा रही है। गत बुधवार को मुख्यमंत्री रावत के समक्ष अधिकारियों ने बताया कि रेल परियोजना के लिए जरूरी भूमि का अधिग्रहण कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

देश की दिनचर्या को नियोजित करने की जरूरत

विचार बिन्दु

मनोबल की साधना ही नहीं है तो संकल्पबल मजबूत कैसे होगा? मन में तो तरह-तरह की तरंगे उठ रही हैं। क्षण भर के लिए भी मन स्थिर होने के लिए तैयार नहीं है। तृप्ति कहीं नहीं है। देश के नम्बर एक औद्योगिक घरानों में गिने जाने वाले टाटा, बिड़ला, रिलायंस अब सब्जी-भाजी बेच रहे हैं। बड़े शहरों में इनके डिपार्टमेंटल स्टोर हैं। जिनमें तेल, लूण और रोज के काम में आने वाले सारी चीजें शामिल हैं। छोटे दुकानदार की रोजी-रोटी तो अब वे लोग हथिया रहे हैं। तृप्ति है कैसे? शांति, संतोष और तृप्ति का एक ही साधन है और वह है योग।

ललित गर्ग

नैशनल स्टैटिस्टिकल ऑफिस (एनएसओ) ने पहली बार एक ऐसा सर्वे करवाया है जिससे पता चलता है कि देशवासी रोज के 24 घंटों में से कितना समय किन कार्यों में बिताते हैं। यह टाइम यूज सर्वे पिछले साल जनवरी से लेकर दिसंबर के बीच हुआ और इससे कई ऐसी महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आईं जो आगे नीति निर्माण के साथ-साथ जीवनशैली को नियोजित करने में खासी उपयोगी सिद्ध हो सकती हैं। कोरोना महामारी ने हमारे जीने के तौर-तरीके को अस्तव्यस्त कर दिया है। हमारे द्वारा यह कामना करना अस्वाभाविक नहीं थी कि हमारे नष्ट हो गये आदर्श एवं संतुलित जीवन के गौरव को हम फिर से प्राप्त करेंगे और फिर एक बार हमारी जीवन-शैली में पूर्ण भारतीयता का सामंजस्य एवं संतुलन स्थापित होगा। किंतु कोरोना के जटिल सात माह के बीतने पर हालात का जायजा लें, तो हमारे सामाजिक, पारिवारिक और वैयक्तिक जीवन में जीवन-मूल्य एवं कार्यक्षमताएं खंड-खंड होते दृष्टिगोचर होते हैं। आंगण में दौड लगाकर पकड़-पकडाई, नदी-पहाड़ के खेल, लंगड़ी के दाम, अचार की बरनियां और चिप्स से भरी चादरें, खटिया पर धूप में औंधे पड़े टप-टप निचुड़ते कपड़े, बारिश के छपाकों की उड़ाने- तब जिन्दगी बेफ्रिक होती थी। हर व्यक्ति जीवन को उन्नत बनाना चाहता है, लेकिन उन्नति उस दिन अवरुद्ध होनी शुरु हो जाती है जिस दिन हम अपनी कमियों एवं त्रुटियों पर ध्यान देना बन्द कर देते हैं। यह स्थिति आदमी से ऐसे-ऐसे काम करवाती है, जो आगे चलकर उसी के लिए हानिकारक सिद्ध होते हैं। रही-सही कसर पूरी कर देती है हमारी त्रुटिपूर्ण जीवनशैली। असंतुलित जीवन है तो आदमी सकारात्मक चिंतन कर नहीं सकता। विचारणीय बात यह है कि किस उद्देश्य से जीवन जीया जाए? यह प्रश्न हर व्यक्ति के सामने होना चाहिए कि मैं क्यों जी रहा हूं? जीवन के उद्देश्य पर विचार करेंगे तो एक नई सचाई सामने आएगी और जीवन की शैली का प्रश्न भी सामने आएगा।

हम मनुष्य जीवन की मूल्यवत्ता और उसके तात्पर्य को समझें। वह केवल पदार्थ भोग और सुविधा भोग के लिए नहीं बल्कि कर्म करते रहने के लिये है। मनुष्य जन्म तो किन्हीं महान उद्देश्यों के लिए हुआ है। हम अपना मूल्य कभी कम न होने दें। प्रयत्न यही रहे कि मूल्य बढ़ता जाए। लेकिन यह बात सदा ध्यान में रहे कि मूल्य जुड़ा हुआ है जीवनमूल्यों के साथ। अच्छी सोच एवं अच्छे उद्देश्यों के साथ। हायमैन रिकओवर ने कहा कि अच्छे विचारों को स्वतः ही नहीं अपनाया जाता है। उन्हें पराक्रमयुक्त धैर्य के साथ व्यवहार में लाया जाना चाहिए।

एनएसओ का यह सर्वे सीमित नमूनों के आधार पर भारी-भरकम नतीजे देने वाला सर्वे नहीं था। इसमें 5947 गांवों और 3998 शहरी क्षेत्रों के 1,38,799 परिवार कवर किए गए। अंडमान निकोबार के ग्रामीण हिस्सों को छोड़कर लगभग पूरा देश इसकी जद में आ गया। इन तमाम परिवारों के छह साल से ऊपर के सभी सदस्यों से बातचीत की गई। सर्वे से पता चला कि एक हिंदुस्तानी हर रोज औसतन 552 मिनट यानी 9 घंटे 12 मिनट सोता है। ग्रामीण क्षेत्रों का पुरुष इस औसत से 2 मिनट ज्यादा। सोने में महिलाएं पुरुषों से थोड़ा आगे हैं। शहरी क्षेत्रों में लोगों को नींद कम नसीब होती है। सोने की कसर पुरुष खाने में निकाल देते हैं और इस मामले में महिलाओं से काफी आगे हैं। बहरहाल, नियमित अंतराल पर ये आंकड़े सामने आते रहें तो इनसे समाज और परिवार के अंदर के समीकरणों में हो रहे बदलावों की झलक मिल सकती है और इनके आधार पर हम जीवन में काम के बटवारे को लेकर सर्तक एवं सावधान हो सकते हैं। हमारे घर-परिवारों में ऐसे-ऐसे खान-पान, जीने के तौर-तरीके और परिधान घर कर चले हैं कि हमारी संस्कृति और सांस्कृतिक पहचान ही धूमिल हो गई है। इंटरनेट एवं छोटे-परदे की आँधी ने समूची दुनिया को एक परिवार तो बना दिया है, लेकिन इस संस्कृति में भावना का रिश्ता, खून का रिश्ता या पारिवारिक संबंध जैसा कुछ दिखता ही नहीं है। यही नहीं इस जीवनशैली से अकर्मण्यता एवं उदासीनता भी पसर रही है। सभी अपने स्वार्थों के दीयों में तेल डालने में लगे हैं। संकीर्ण सोच के अँधेरे गलियारों में औंधे मुँह पड़े संबंध और मानवीय रिश्ते सिसक रहे हैं। रही बात परिवार के सदस्यों की देखभाल करने और उनका ख्याल रखने जैसे अवैतनिक कार्यों की, तो महिलाओं का काफी सारा वक्त इसमें जाता है। परिवार में परंपरा, टीवी जैसा मास मीडिया और खेलकूद से जुड़ी गतिविधियों में लगने वाला परिवार का औसत साझा समय है 165 मिनट। सोशलाइजिंग, बातचीत, सामूहिक सहभागिता वाले अन्य कार्यों और धार्मिक कार्यों में भी शहरी-ग्रामीण और महिला-पुरुष में थोड़ा-थोड़ा अंतर है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर इन कार्यों में भी औसतन रोज 165 मिनट ही लगता है। ये आंकड़े कई लिहाज से इस दौर के हमारे सामाजिक और पारिवारिक जीवन का आईना हैं। भले ही हमारे देश की सांस्कृतिक परंपराएँ और आदर्श जीवन-मूल्य समृद्ध एवं सुदृढ़ रहे हैं किन्तु कोरोना महाव्याधि के प्रकोप की हवाओं ने हमारे जन-मानस में भावी जीवन के सन्दर्भ में भय एवं आशंकाओं का धुंधलका घोलकर हमारे रहन-सहन और आचार-विचार को असंतुलित किया है, और इससे हमारी संयुक्त परिवार, आदर्श जीवनशैली एवं प्रेरक संस्कृति की परंपरा बिखर रही है। ऐसे परिवार ढूँढ़ने पर भी मुश्किल से मिलते हैं, जो शांति और संतोष के साथ आनंदित जीवन जीते हैं। अर्थोपार्जन से जुड़ी गतिविधियों का हिसाब तो जीडीपी में आ जाता है, लेकिन देशवासियों का जो समय गैरआर्थिक गतिविधियों में लगता है, उसका अंदाजा लेने की कोई कोशिश सरकारी स्तर पर नहीं की गई थी। अगर ऐसा ही सर्वे लॉकडाउन के दौरान होता तो इस सामान्य और अनौपचारिक ऑब्जर्वेशन की सटीक पड़ताल हो पाती कि पुरुषों के घर में रहने से कैसे महिलाओं की दोपहर की नींद गायब हो गई है। घरेलू महिलाओं के कामकाज एवं श्रम का मूल्यांकन कभी होता ही नहीं, यदि ऐसा आकलन हो तो जीडीपी में उनका योगदान कम नहीं है।

जन्मदिवस पर केक काटने और मोमबत्तियाँ जलाने और बुझाने की जगह अब हम दीपक कोरोना महामारी को भगाने के लिये जलाते हैं, ताली भी उसी के विरुद्ध अपने संकल्प को दृढ़ करने के लिये बजाते हैं। रीति-रिवाजों के ही साथ नृत्य-संगीत की भी बात की जा सकती है। जन्मदिवस पर, विवाह समारोहों पर, खुशी के अन्य अवसरों पर मन की प्रसन्नता की अभिव्यक्ति कहां कर पा रहे हैं? हमारे यहाँ सारे विश्व को देने व सिखाने के लिए दीपक जलाने, ताली बजाने, लोकगीत, लोकनृत्य, शास्त्रीय संगीत, शास्त्रीय नृत्य आदि की अति समृद्ध परंपरा है, जिनसे हमने विश्व को रू-ब-रू किया है। गरभा, भाँगड़ा, घूमर, भरतनाट्यम, कथक, कुचिपुड़ी एवं भारतीय नृत्यों को प्रोत्साहन दें। यह देश तानसेन व बैजूबावरा का देश है। इस देश को कर्ण कटु एवं तेज-कर्कश संगीत उधार लेने की आवश्यकता क्यों है? हमारे नृत्य-संगीत सत्यम-शिवम्-सुंदरम के साक्षात स्वरूप हैं। हमारी जीवनशैली में इनके लिये समय का नियोजन जरूरी है, क्योंकि ये हमारी समृद्धि, स्वास्थ्य एवं विकास के प्रेरक है। समस्या यही है कि हम ऐसा नहीं कर पा रहे हैं, जीवन हमारा असन्तुलित एवं त्रुटिपूर्ण बना हुआ है। इस जीवन की सबसे बड़ी बाधा है जीवन में कार्यों एवं परम्पराओं के लिये समय का असंतुलित बंटवारा, असंतोष की मनोवृत्ति और अतृप्ति। जब मन की चंचलता बनी हुई है।

संतान प्राप्ति हेतु करें शरत पूर्णिमा व्रत, जानें इसका महत्व

शरद पूर्णिमा की रात में चंद्रमा धरती के सबसे समीप होता है और इस दिन चांद 16 कलाओं से परिपूर्ण होता है। इसलिए इस दिन व्रत रखकर चंद्रमा को अर्घ दें। साथ ही लक्ष्मी-गणेश की पूजा करें। इस प्रकार पूजा करने से सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को शरद पूर्णिमा मनायी जाती है। यह दिन मां लक्ष्मी को समर्पित होता है। इसे कौमुदी व्रत के रूप में मनाया जाता है, तो आइए हम आपको शरद पूर्णिमा के बारे में बताते हैं।

शरद पूर्णिमा के दिन किसी नदी में स्नान करने का खास महत्व होता है। स्नान के साथ ही शरद पूर्णिमा के दिन ज्योतिर्लिंग और शक्तिपीठ में जाकर दर्शन करना भी अच्छा माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार शरद ऽपूर्णिमा के दिन ही श्रीकृष्ण ने रास रचाया था और चंद्रमा अमृत वर्षा करता है। पूर्णिमा के दिन चांद का दर्शन और उसकी उपासना करना शुभ होता है। शरद पूर्णिमा के दिन चंद्रमा की रोशनी में खीर रखकर अगले दिन सुबह खीर खाने से सभी रोग दूर हो जाते हैं। शरद पूर्णिमा की रात में चंद्रमा धरती के सबसे समीप होता है और इस दिन चांद 16 कलाओं से परिपूर्ण होता है। इसलिए इस दिन व्रत रखकर चंद्रमा को अर्घ दें। साथ ही

लक्ष्मी-गणेश की पूजा करें। इस प्रकार पूजा करने से सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

शरद पूर्णिमा के दिन खीर बनाने का खास महत्व है। इसके लिए आप व्रत रखें और चांद की रोशनी में खीर बनाएं। फिर इस खीर को चंद्रमा की रोशनी में रात भर रहने दें फिर सुबह इसे खाएं और दूसरे लोगों में भी प्रसाद का वितरण करें। पूर्णिमा तिथि का प्रारम्भ 13 अक्टूबर को रात 12 बजकर 36 मिनट से होगा। जबकि पूर्णिमा तिथि 14 अक्टूबर को 2 बजकर 38 मिनट तक रहेगी। इस शुभ मुहूर्त में आप कभी भी पूजा सम्पन्न कर सकते हैं। साथ ही शरद पूर्णिमा के दिन चंद्रोदय का समय शाम 5 बजकर 56 मिनट है। हिन्दू धर्म में शरद पूर्णिमा का खास महत्व है। शरद पूर्णिमा को 'कोजागर पूर्णिमा' या 'रास पूर्णिमा' भी कहा जाता है। इसके अलावा इस व्रत को 'कौमुदी व्रत' के नाम से भी जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस व्रत के करने से व्रती की सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। अविवाहित लड़कियां अगर इस व्रत को करती हैं तो उन्हें सुयोग्य वर मिलते हैं। विवाहित स्त्रियां अगर शरद पूर्णिमा का व्रत रखती हैं तो सुंदर, ज्ञानी और दीर्घायु संतान पैदा होती है। शरद पूर्णिमा का दिन बहुत शुभ होता है। शरद पूर्णिमा के दिन सुबह उठकर स?नान करने के बाद व्रत का संकल?प लें। इसके बाद मंदिर की साफ-सफाई कर पूजा की तैयारी कर लें। पूजा की तैयारी के बाद घर में मौजूद मंदिर में दीया जलाएं। दीपक जलाकर ईष?ट देवता का पूजन करें। साथ ही भगवान इंद्र और माता लक्ष?मी की पूजा करें। अब धूप, दीप और बत्ती से भगवान की आरती उतारें। शाम के समय लक्ष?मी जी की पूजा करें और आरती भी उतारें। अब चंद्रमा को अर्घ?य देकर प्रसाद चढ़ाएं और आरती उतारें। इसके बाद व्रत तोड़ें। साथ ही प्रसाद की खीर को रात 12 बजे के बाद अपने दोस्तों और रिश्तेदारों में बांटें।

13 अक्टूबर की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1976	बोलीविया में बोइंग जेट विमान दुर्घटनाग्रस्त, करीब 100 मरे।
1987	कोस्टारिका के राष्ट्रपति ऑस्कर आरियास को शांति का नोबेल पुरस्कार मिला।
1999	कोलम्बिया विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्री प्रो. राबर्ट मुंडेल को वर्ष 1999 को नोबेल पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा। अटल बिहारी वाजपेयी तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बने।
2000	दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति किम दाई जुंग को शांति को नोबेल पुरस्कार।
2001	नाइजीरिया में अमेरिका विरोधी प्रदर्शन के दौरान भड़की साम्प्रदायिक हिंसा में लगभग 200 व्यक्ति मारे गये।
2002	इंडोनेशिया के बाली नाइट क्लब में हुए भीषण विस्फोट में 200 लोग मारे गये और 300 से अधिक घायल हुए।
2003	डलास में एक साल चिकित्सकीय योजना और 26 घंटे तक चले जटिल आपरेशन के बाद मिस्र के जुड़वां बच्चों के आपस में जुड़े सिर को अलग करने में आपरेशन सफल रहा। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के लिए एक भारतीय छात्र का चयन। जर्मनी ने स्वीडन को हराकर पहली बार विश्व कप फुटबाल टूर्नामेंट
2004	सऊदी अरब का हर साल एक लाख श्रमिकों की कटौती की घोषणा। चीन ने ताइवान की शांति पहल ठुकराई।
2005	जर्मनी के प्रख्यात नाटककार हेराल्ड पिंटर को वर्ष 2005 के साहित्य का नोबल पुरस्कार देने की घोषणा।
2006	बांग्लादेश के मा. युनुस और उनके द्वारा स्थापित ग्रामीण बैंक को नोबेल पुरस्कार।

ग्रामों को केंद्र में रखकर आत्म निर्भरता को दिया जा सकता है व्यापक स्वरूप

विचार बिन्दु

प्रहलाद सबनानी

सृष्टि ने जो नियम बनाए हैं उनका पालन करते हुए ही देश में आर्थिक विकास होना चाहिए। अतः आज भी देश की संस्कृति, जो इसका प्राण है।

21वीं सदी में यदि भारत को पुनः एक वैश्विक शक्ति बनाना है तो हर क्षेत्र में हमें आत्म निर्भरता हासिल करना ज़रूरी है। आत्म निर्भरता का सामान्यतः शाब्दिक अर्थ यह लगाया जाता है कि देश अर्थ केंद्रित स्वतंत्रता हासिल कर ले। अर्थात, सभी उत्पादों को हम हमारे देश में ही निर्मित करने लगें एवं आयात पर हमारी निर्भरता कम से कम हो जाए। परंतु, वास्तव में आत्म निर्भरता हासिल करने के मायने इस सामान्य शाब्दिक अर्थ से कहीं आगे है। दरअसल, भारत की संस्कृति और भारत के संस्कार उस आत्मनिर्भरता की बात करते हैं जिसकी भावना विश्व एक परिवार के रूप में रहती है। भारत जब आत्मनिर्भरता की बात करता है तो आत्म केंद्रित आत्मनिर्भरता की वकालत नहीं करता बल्कि भारत की आत्मनिर्भरता में संसार के सुख सहयोग और शांति की चिंता समाहित होती है। जो भारतीय संस्कृति, जीव मात्र का कल्याण चाहती हो, जो भारतीय संस्कृति पूरे विश्व को परिवार मानती हो, ऐसी सोच रखती हो, जो पृथ्वी को अपनी माँ मानती हो, वो भारतीय संस्कृति जब आत्मनिर्भर बनती है तो उससे एक सुखी विश्व की भावना भी बलवती होती है और इसमें विश्व की प्रगति भी समाहित रहती है। इसी कारण से आज विश्व के सामने भारत का मूल चिंतन आशा की एक किरण के रूप में नज़र आता है। भारत के परिप्रेक्ष्य में आत्म निर्भरता केवल अर्थ केंद्रित नहीं होना है बल्कि यह मानव केंद्रित भी होनी चाहिए। अर्थात, इस धरा पर रहने वाला प्रत्येक प्राणी सुखी एवं प्रसन्न रहे यही हमारा अंतिम लक्ष्य भी है।

जब हम इतिहास पर नज़र डालतें हैं तो पता चलता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था का गौरवशाली इतिहास रहा है एवं जो भारतीय संस्कृति हज़ारों सालों से सम्पन्न रही है, उसका पालन करते हुए ही उस समय पर अर्थव्यवस्था चलाई जाती थी। भारत को उस समय सोने की चिड़िया कहा जाता था। वैश्विक व्यापार एवं निर्यात में भारत का वर्चस्व था। पिछले लगभग 5000 सालों के बीच में ज़्यादातर समय भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था रहा है। उस समय भारत में कृषि क्षेत्र में उत्पादकता अपने चरम पर थी। मौर्य शासन काल, चोला शासन काल, चालुक्य शासन काल, अहोम राजवंश, पल्लव शासन काल, पण्ड्या शासन काल, छेरा शासन काल, गुप्त शासन काल, हर्ष शासन काल, मराठा शासन काल, आदि अन्य कई शासन कालों में भारत आर्थिक दृष्टि से बहुत ही सम्पन्न देश रहा है। धार्मिक नगर - प्रयाग राज, बनारस, पुरी, नासिक, आदि जो नदियों के आसपास बसे हुए थे, वे उस समय पर व्यापार एवं व्यवसाय की दृष्टि से बहुत सम्पन्न नगर थे।

वर्ष 1700 में भारत का वैश्विक अर्थव्यवस्था में 25 प्रतिशत का हिस्सा था। इसी प्रकार, वर्ष 1850 तक भारत का विनिर्माण के क्षेत्र में भी विश्व में कुल विनिर्माण का 25 प्रतिशत हिस्सा था। भारत में ब्रिटिश एंपायर के आने के बाद (ईस्ट इंडिया कम्पनी - 1764 से 1857 तक एवं उसके बाद ब्रिटिश राज - 1858 से 1947 तक) विनिर्माण का कार्य भारत से ब्रिटेन एवं अन्य यूरोपीयन देशों की ओर स्थानांतरित किया गया और विनिर्माण के क्षेत्र में भारत का हिस्सा वैश्विक स्तर पर घटता चला गया। अतः अब पुनः भारतीय संस्कृति को केंद्र में रखकर ही आर्थिक विकास किया जाना चाहिए। भारतीय संस्कृति में भौतिकवाद एवं अध्यात्मवाद दोनों में समन्वय स्थापित करना सिखाया जाता है एवं व्यापार में भी आचार-विचार का पालन किया जाता है। भारतीय जीवन पद्धति में मानवीय पहलुओं को प्राथमिकता दी जाती है। अतः आज देश में भारतीय जीवन पद्धति को पुनर्स्थापित करने की अत्यधिक आवश्यकता है। देश के आर्थिक विकास को केवल सकल घरेलू उत्पाद एवं प्रति व्यक्ति आय से नहीं आँका जा सकता है बल्कि इसके आँकलन में रोज़गार के अवसरों में हो रही वृद्धि एवं नागरिकों में आनंद की मात्रा को भी शामिल किया जाना चाहिए। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि आर्थिक विकास हेतु एक शुद्ध भारतीय मॉडल को विकसित किए जाने की आज एक महती आवश्यकता है। इस भारतीय मॉडल के अंतर्गत ग्रामीण इलाक़ों में निवास कर रहे लोगों को स्वावलंबी बनाया जाना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। गाँव, जिले, प्रांत एवं देश को इसी क्रम में आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। साथ ही, भारतीय मॉडल में ऊर्ज़ा दक्षता, पर्यावरण की अनुकूलता, प्रकृति से साथ तालमेल, विज्ञान का अधिकतम उपयोग, विकेंद्रीयकरण को बढ़ावा एवं रोज़गार के नए अवसरों का सृजन, आदि मानदंडो को शामिल करना होगा।

धूंए-धूंए में जिंदगी

हैल्थ संवाददाता

तंबाकू और धूम्रपान की लत ने कब हमारे जीवन में जगह बना ली, पता तक नहीं चल पाता। कभी दूसरे को देखकर, तो कभी बुरी संगत में आकर लोग सिगरेट, गुटखा, तंबाकू व दूसरी नशीली चीजों को साथी बना लेते हैं। इन्हें लेने वालों को लगता है कि इन चीजों ने उनकी जिंदगी आसान बना दी है। कई बार कम उम्र में ही खुद को बड़ों जैसा महसूस करने की ख्वाहिश में धुएं के छल्ले उड़ाने की ललक भी इस दलदल में धकेल देती है। जब इससे परेशानी होने लगती है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। हर कश स्वस्थ जीवन पर जुल्म ढाता है। हर पुड़िया में जिंदगी घुल रही है। तंबाकू की हर चुटकी जिंदगी को चाट रही है। इस मौके पर क्यों न ठान लें कि तंबाकू और धूम्रपान की इस लत से छुटकारा पाना ही है।

नुकसानदायक केमिकल

तंबाकू में चार हजार से ज्यादा नुकसानदायक केमिकल पाए जाते हैं। सिगरेट में 40 ऐसे रसायन हैं, जो कैंसर की वजह बनते हैं।

निकोटिन: यह लत लगाने वाला केमिकल है। काफी शक्तिशाली है और तेजी से रिऐक्शन करता है। सिगरेट की लत इसी की वजह से लगती है।

बेंजीन: इसमें कोयला और पेट्रोलियम जैसे ज्वलनशील पदार्थों का गुण होता है। यह सिगरेट के जले रहने में मदद करता है। इसकी वजह से ल्यूकेमिया हो सकता है।

फॉर्मल्डिहाइड: काफी जहरीला होता है। इसका इस्तेमाल शवों को सुरक्षित रखने में किया जाता है। इसकी वजह से कैंसर होने का खतरा रहता है।

अमोनिया: टॉयलेट क्लीनर और ड्रायक्लिनिंग लिक्विड में इस्तेमाल किया जाता है। यह तंबाकू से निकोटिन को अलग कर गैस में बदल देता है।

एसिटोन: इसका इस्तेमाल नेल पॉलिश हटाने में होता है। इसमें ज्वलनशील गुण होता है जो फेफड़ों को काफी नुकसान पहुंचाता है।

टार: स्मोकिंग के समय धुएं के रूप में यह फेफड़े में जमा होता है। स्मोकिंग के दौरान जितनी टार बनती है, उसका 70 फीसदी फेफड़ों में जमा होता है। आर्सेनिक (चूहे मारने का जहर), हाइड्रोजन साइनाइड जैसे काफी जहरीले रसायन भी होते हैं।

पनपता खतरा

एक सिगरेट में 9 मिग्रा निकोटीन होता है, जो जलकर 1 ग्राम रह जाता है। निकोटीन सीधा शरीर को नुकसान नहीं पहुंचाता लेकिन यह सैकड़ों केमिकल के साथ रिएक्शन कर टार बनाता है। यह टार फेफड़ों के ऊपर परत के रूप में चढ़ जाता है और बाद में उन्हें खत्म करने लगता है। अलग-अलग सिगरेट में निकोटीन का स्तर अलग-अलग होता है। सूखे हुए एक ग्राम तंबाकू में निकोटीन का स्तर 13.7 से 23.2 मिलीग्राम तक होता है। तंबाकू में कई तरह के कार्सिनोजिन तत्व पाए जाते हैं जो कैंसर के कारण बनते हैं। धूम्रपान से लंग, मुंह, गला, कंठ, श्वासनली का कैंसर होने के चांस बढ़ जाते हैं। तंबाकू, खैनी, पान मसाला, गुटखा आदि के सेवन से भी इन अंगों के कैंसर होने की आशंका बढ़ जाती है। हालांकि कितने दिनों तक इसके इस्तेमाल से कैंसर हो सकता है, इस बारे में साफतौर पर नहीं कहा जा सकता। जब कोई स्मोकिंग करता है तो गाल की अंदरूनी परत पर और फेफड़े में निकोटीन अवशोषित हो जाता है। इसकी लत कोकेन या हेरोइन की लत से कम नहीं होती। नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ ड्रग ऐब्यूज के अनुसार कैंसर के जितने मामले होते हैं, उसके एक तिहाई स्मोकिंग करने वालों से जुड़े होते हैं।स्मोकिंग करने से फेफड़े की बीमारियां होती हैं और दिल की बीमारियां होने की आशंका बढ़ जाती है।धूम्रपान न करने वालों के मुकाबले इसे करने वालों की उम्र सामान्य से 14 साल कम हो जाती है।

कैसे बनते हैं चेन स्मोकर

जब कोई सिगरेट या बीड़ी पीता है तो ब्रेन में लगभग 10 सेकंड और उसके बाद सेंट्रल नर्वस सिस्टम में 5 मिनट तक निकोटिन का असर रहता है। हालांकि स्मोकिंग करने से थोड़ी देर के लिए काम करने की क्षमता बढ़ती है, लेकिन बाद में शरीर सुस्त होने लगता है। धीरे-धीरे काम करने की क्षमता कम होती जाती है और फिर धूम्रपान की जरूरत महसूस होती है। बार-बार इस तलब को मिटाने की कोशिश में इंसान चेन स्मोकर हो जाता है।

हर्बल सिगरेट

धूम्रपान छोड़ने के लिए हर्बल सिगरेट की भी मदद ली जा सकती है। आयुर्वेदिक दवाएं बनाने वाली कंपनियां हर्बल सिगरेट बना रही हैं। इनमें पुदीना, वाइल्ड लेटिस (सलाद पत्ता), कैट्रिनप (एक प्रकार की सुगंधित वनस्पति), कमल के पत्ते, मकई के रेशे, मुलेठी की जड़ें आदि के सूखे चूर्ण का इस्तेमाल होता है।

निकोटिन की लत के लक्षण

अगर नीचे दिए गए लक्षण नजर आने लगें तो समझ लेना चाहिए कि इंसान को निकोटिन की लत लग चुकी है। भूख कम महसूस होना। अधिक लार और कफ बनना। प्रति मिनट दिल की धड़कन 10 से 20 बार बढ़ जाती है तो यह लत का लक्षण है। छोटी बात पर भी बेचैनी महसूस होना। ज्यादा पसीना आना और उल्टी-दस्त होना। हर काम करने के लिए तंबाकू की जरूरत महसूस होना। निकोटीन लेने की इच्छा बढ़ जाना। चिंता बढ़ना, अवसाद, निराशा आदि महसूस होना। सिर दर्द होना और ध्यान केंद्रित करने में दिक्कत होने लगे तो भी इसे निकोटिन की लत का लक्षण माना जाता है।

सिगरेट छुड़ाने के वैकल्पिक तरीके

ई-सिगरेट के मामलों से जुड़े विशेषज्ञ अंकित गौड़ का कहना है कि इससे शत-प्रतिशत निकोटिन के जीरो लेवल तक पहुंच जाने का दावा तो नहीं किया जा सकता, लेकिन सिगरेट छोड़ने में इससे मदद जरूर मिलती है। इसमें कार्टेज में अलग-अलग स्तर में निकोटिन डाला जाता है। एक अध्ययन से पता चलता है कि जब कोई सिगरेट की 15 कश लेता है तो उसके अंदर 1 से 2 मिलीग्राम निकोटिन जमा होता है, जबकि ई-सिगरेट में 16 मिलीग्राम निकोटिन वाले कार्टेज का इस्तेमाल करने से इतनी ही कश लेने पर 0.15 मिलीग्राम निकोटिन जमा होता है। स्वास्थ के लिहाज से यह तरीका भी सही नहीं है क्योंकि इसके जरिए भी निकोटिन तो शरीर में जाता ही है। इसकी मदद से निकोटिन के स्तर को कम किया जा सकता है और धीरे-धीरे कोई स्मोकर निकोटिन के जीरो लेवल तक पहुंच सकता है। पान की दुकानों पर, दवा की दुकानों पर और इंटरनेट के जरिए इसे खरीदा जा सकता है। पूरी किट 1 से 2 हजार तक मिल जाती है। इससे इतनी कीमत में लगभग 500 सिगरेट पी जा सकती हैं।

मुद्रा, ध्यान और योगाभ्यास: किसी प्रकार की लत होने से व्यक्ति का आत्मविश्वास कमजोर होने लगता है। सिगरेट, तंबाकू, गुटखा, पान मसाला जैसे नशीले पदार्थों का सेवन करने वाले भी अगर मुद्रा, ध्यान और योगाभ्यास करते हैं तो उनका आत्मबल बढ़ता है। ऐसे में इन लतों को त्याग पाने की इच्छा शक्ति उनके अंदर पैदा होती है।

सेहत को धुएं में उड़ाती ई-सिगरेट

यूं तो ई-सिगरेट का इस्तेमाल सिगरेट छोड़ने वाले लोग एक माध्यम के तौर पर करते हैं, लेकिन भारत में बिना किसी नियम-कानून के चलते, दिन दोगुनी और रात चौगुनी गति से बढ़ रहा यह बाजार अब पूरी तरह से बेलगाम हो गया है। आलम यह है कि अभी तक सिगरेट छुड़ाने के लिए इलाज के एक माध्यम के रूप में बाजार में मिलने वाली यह ई-सिगरेट, नए तरह का नशा बनकर उभर रही है। डॉक्टरों के अनुसार बाजार में मिलने वाली ई-सिगरेट्स में कई ब्रैंड ऐसे हैं, जिनमें सामान्य सिगरेट से भी कहीं ज्यादा मात्रा में निकोटीन है।

सिगरेट की तरह ही खतरनाक है ई-सिगरेट

इस साल अक्टूबर में मॉस्को में हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के तंबाकू नियंत्रण सेमिनार में ई-सिगरेट को सामान्य सिगरेट के जैसे ही खतरनाक और नुकसानदायक माना। वहीं सितंबर में दिल्ली में दक्षिण-एशियाई देशों की बैठक में भी इसे नुकसानदायक करार दिया गया है। यही कारण है कि भारत में ई-सिगरेट पर कड़े नियम बनाने की मांग बढ़ गई है।

नियम ही नहीं हैं, तो क्या करें

भारत में सार्वजनिक स्थान पर सिगरेट पीने पर प्रतिबंध है, लेकिन ई-सिगरेट पीने पर कोई नियम-कानून नहीं है। यही कारण है कि पिछले कुछ सालों में ऑनलाइन ई-सिगरेट मंगाने का ट्रेंड बहुत ज्यादा बढ़ा है। मुंबई की हील्स फाउंडेशन के डॉ. प्रकाश गुप्ता का कहना है कि ई-सिगरेट में निकोटीन के ऐसे उत्पाद हैं, जिन्हें बिना किसी रोक-टोक के आसानी से इंटरनेट से मंगाया जा रहा है। भारत में तंबाकू पर बने कानून के तहत 18 साल से कम उम्र के बच्चों को तंबाकू प्रॉडक्ट नहीं दिए जाते, जबकि इंटरनेट के माध्यम से ई-सिगरेट किसी भी उम्र के लोग मंगा रहे हैं। गौरतलब है कि ई-सिगरेट बनाने वाली कंपनियां इसे सामान्य सिगरेट से कम हानिकारक के तौर पर प्रचारित कर रही हैं, लेकिन डॉक्टरों की राय इससे जुदा है। टाटा अस्पताल के हेड ऐंड नेक सर्जन, डॉ. पंकज चतुर्वेदी का कहना है कि किसी भी रिसर्च के माध्यम से यह साबित नहीं हुआ है कि ई-सिगरेट, सिगरेट के डी-अडिक्शन के लिए किसी भी तरह से कारगर साबित हुई है बल्कि, यह उतनी ही नुकसानदायक है जितनी सामान्य सिगरेट। कई ब्रैंड के ई-सिगरेट में 36 मिलीग्राम तक निकोटीन की मात्रा होती है, जो उसे सामान्य सिगरेट से भी ज्यादा खतरनाक बनाती है।

क्या है ई-सिगरेट

ई-सिगरेट बैटरी से चलने वाले ऐसा उपकरण है, जो निकोटीन को सीधे फेफड़ों तक पहुंचाता है। ई-सिगरेट, देखने में बिलकुल सामान्य सिगरेट या सिगार जैसी प्लास्टिक या मेटल से बनी होती है। बाजार में ई-सिगरेट के 7764 से भी ज्यादा फ्लेवर उपलब्ध हैं। यह सही है कि भारत में अभी तक ई-सिगरेट को लेकर कोई नियम नहीं है, लेकिन सरकार जल्द ही इस पर नियम लाने की तैयारी में है।

क्या है स्वाइन फ्लू

स्वाइन फ्लू श्वसन तंत्र से जुड़ी बीमारी है, जो ए टाइप के इनफ्लुएंजा वायरस से होती है। यह वायरस एच1 एन1 के नाम से जाना जाता है और मौसमी फ्लू में भी यह वायरस सक्रिय होता है। 2009 में जो स्वाइन फ्लू हुआ था, उसके मुकाबले इस बार का स्वाइन फ्लू कम पावरफुल है, हालांकि उसके वायरस ने इस बार स्ट्रेन बदल लिया है यानी पिछली बार के वायरस से इस बार का वायरस अलग है।

कैसे फैलता है

जब आप खांसते या छींकते हैं तो हवा में या जमीन पर या जिस भी सतह पर थूक या मुंह और नाक से निकले द्रव कण गिरते हैं, वह वायरस की चपेट में आ जाता है। यह कण हवा के द्वारा या किसी के छूने से दूसरे व्यक्ति के शरीर में मुंह या नाक के जरिए प्रवेश कर जाते हैं। मसलन, दरवाजे, फोन, कीबोर्ड या रिमोट कंट्रोल के जरिए भी यह वायरस फैल सकते हैं, अगर इन चीजों का इस्तेमाल किसी संक्रमित व्यक्ति ने किया हो।

शुरुआती लक्षण

- नाक का लगातार बहना, छींक आना, नाक जाम होना।
- मांसपेशियां में दर्द या अकड़न महसूस करना।
- सिर में भयानक दर्द।
- कफ और कोल्ड, लगातार खांसी आना।
- उनींदे रहना, बहुत ज्यादा थकान महसूस होना।
- बुखार होना, दवा खाने के बाद भी बुखार का लगातार बढ़ना।
- गले में खराश होना और इसका लगातार बढ़ते जाना।

नॉर्मल फ्लू से कैसे अलग

सामान्य फ्लू और स्वाइन फ्लू के वायरस में एक फर्क होता है। स्वाइन फ्लू के वायरस में चिड़ियों, सूअरों और इंसानों में पाया जाने वाला जेनेटिक मटीरियल भी होता है। सामान्य फ्लू और स्वाइन फ्लू के लक्षण एक जैसे ही होते हैं, लेकिन स्वाइन फ्लू में यह देखा जाता है कि जुकाम बहुत तेज होता है। नाक ज्यादा बहती है। पीसीआर टेस्ट के माध्यम से ही यह पता चलता है कि किसी को स्वाइन फ्लू है। स्वाइन फ्लू होने के पहले 48 घंटों के भीतर इलाज शुरू हो जाना चाहिए। पांच दिन का इलाज होता है, जिसमें मरीज को टेमीफ्लू दी जाती है।

स्वाइन फ्लू से बचाव और इसका इलाज

- साफ-सफाई का ध्यान रखा जाए और फ्लू के शुरुआती लक्षण दिखते ही सावधानी बरती जाए, तो इस बीमारी के फैलने के चांस न के बराबर हो जाते हैं।
- जब भी खांसी या छींक आए रूमाल या टिश्यू पेपर यूज करें।
- इस्तेमाल किए मास्क या टिश्यू पेपर को ढक्कन वाले डस्टबिन में फेंकें।
- थोड़ी-थोड़ी देर में हाथ को साबुन और पानी से धोते रहें।
- लोगों से मिलने पर हाथ मिलाने, गले लगने या चूमने से बचें।
- फ्लू के शुरुआती लक्षण दिखते ही अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

Swine flu alert!

स्वाइन फ्लू एक बार फिर देश में पांव पसार रहा है, जिससे मौत का आंकड़ा भी बढ़ता जा रहा है। दिन-प्रतिदिन स्वाईन फ्लू के नए-नए मामले सामने आते जा रहे है। फ्लू से डरने के बजाय जरूरत इसके लक्षणों के बारे में जानने और सावधानी बरतने की है।

यह रहें सावधान

5 साल से कम उम्र के बच्चे, 65 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्ग और गर्भवती महिलाएं। जिन लोगों को निम्न में से कोई बीमारी है, उन्हें अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए = फेफड़ों, किडनी या दिल की बीमारी मस्तिष्क संबंधी (न्यूरोलॉजिकल) बीमारी मसलन, पर्किंसन कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोग डायबीटीजं ऐसे लोग जिन्हें पिछले 3 साल में कभी भी अस्थमा की शिकायत रही हो या अभी भी हो। ऐसे लोगों को फ्लू के शुरुआती लक्षण दिखते ही डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। गर्भवती महिलाओं का प्रतिरोधक तंत्र (इम्यून सिस्टम) शरीर में होने वाले हॉरमोन संबंधी बदलावों के कारण कमजोर होता है। खासतौर पर गर्भावस्था के तीसरे चरण यानी 27वें से 40वें सप्ताह के बीच उन्हें ज्यादा ध्यान रखने की जरूरत है।

चिंता की बात

इस बीमारी से लड़ने के लिए सबसे जरूरी है दिमाग से डर को निकालना। ज्यादातर मामलों में वायरस के लक्षण कमजोर ही दिखते हैं। जिन लोगों को स्वाइन फ्लू हो भी जाता है, वे इलाज के जरिए सात दिन में ठीक हो जाते हैं। कुछ लोगों को तो अस्पताल में एडमिट भी नहीं होना पड़ता और घर पर ही सामान्य बुखार की दवा और आराम से ठीक हो जाते हैं। कई बार तो यह ठीक भी हो जाता है और मरीज को पता भी नहीं चलता कि उसे स्वाइन फ्लू था। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट बताती है कि जिन लोगों का स्वाइन फ्लू टेस्ट पॉजिटिव आता है, उनमें से इलाज के दौरान मरने वालों की संफ्या केवल 0.4 फीसदी ही है। यानी एक हजार लोगों में चार लोग। इनमें भी ज्यादातर केस ऐसे होते हैं, जिनमें पेशंट पहले से ही हार्ट या किसी दूसरी बीमारी की गिरफ्त में होते हैं या फिर उन्हें बहुत देर से इलाज के लिए लाया गया होता है।

कब तक रहता है वायरस

एच1एन1 वायरस स्टील, प्लास्टिक में 24 से 48 घंटे, कपड़े और पेपर में 8 से 12 घंटे, टिश्यू पेपर में 15 मिनट और हाथों में 30 मिनट तक एक्टिव रहते हैं। इन्हें खत्म करने के लिए डिटर्जेंट, एल्कॉहॉल, ब्लीच या साबुन का इस्तेमाल कर सकते हैं। किसी भी मरीज में बीमारी के लक्षण इन्फेक्शन के बाद 1 से 7 दिन में डिवेलप हो सकते हैं। लक्षण दिखने के 24 घंटे पहले और 8 दिन बाद तक किसी और में वायरस के ट्रांसमिशन का खतरा रहता है।

आयुर्वेद

ऐसे करें बचाव

इनमें से एक समय में एक ही उपाय आजमाएं। 4-5 तुलसी के पत्ते, 5 ग्राम अदरक, चुटकी भर काली मिर्च पाउडर और इतनी ही हल्दी को एक कप पानी या चाय में उबालकर दिन में दो-तीन बार पिएं। गिलोय (अमृता) बेल की डंडी को पानी में उबाल या छानकर पिएं। गिलोय सत्व दो रत्ती यानी चौथाई ग्राम पौना गिलास पानी के साथ लें। 5-6 पत्ते तुलसी और काली मिर्च के 2-3 दाने पीसकर चाय में डालकर दिन में दो-तीन बार पिएं।- आधा चम्मच हल्दी पौना गिलास दूध में उबालकर पिएं। आधा चम्मच हल्दी गरम पानी या शहद में मिलाकर भी लिया जा सकता है।

पेरू ने उरुग्वे को हराकर चखा जीत का स्वाद

एजेंसी ▶▶ लीमा

पेरू ने उरुग्वे को 1-0 से हराकर विश्व कप फुटबॉल दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग दौर में पहली जीत दर्ज की। पेरू के लिए एकमात्र गोल मिगुल अराउजो ने 88वें मिनट में हेडर पर किया।क्वालीफाइंग दौर में आठ मैचों में एक भी जीत दर्ज नहीं कर सकी पेरू की टीम ने 2017 के बाद पहली बार क्वालीफायर में उरूग्वे को हराया है। अब पेरू नीचे से एक स्थान ऊपर आ गया है जबकि चिली आखिरी स्थान पर है। उरग्वे तीसरे स्थान पर है जबकि अर्जेंटीना शीर्ष पर और कोलंबिया दूसरे स्थान पर है। शीर्ष छह टीमें 2026 में उत्तरी अमेरिका और मैक्सिको में होने वाले विश्व कप में खेलेंगी। उरुग्वे का सामना अब मंगलवार को इक्वाडोर से होगा जबकि पेरू की टक्कर चौथे स्थान पर काबिज ब्राजील से होगी।

स्पेन को पहली बार विश्व चैंपियन बनाने वाले इनिएस्ता का संन्यास

बार्सिलोना। स्पेन और एफसी बार्सिलोना के पूर्व महान मिडफील्डर आंद्रेस इनिएस्ता ने 24 साल के लंबे करियर पर विराम लगा दिया है। 40 वर्ष के इनिएस्ता ने अपना लगभग पूरा करियर ही स्पेन में बिताया और वह सर्वकालिक महान मिडफील्डर में से एक माने जाते हैं। यूनाइटेड अरब अमीरात में अंतिम बार खेलते दिखे इनिएस्ता पूरे परिवार के सामने संन्यास की घोषणा करते हुए भावुक थे। इनिएस्ता ने प्रेस कांफ्रेंस में हुए कहा, 'कृपया आज मुझे भावुक होने की अनुमति दें। मैंने कभी यह दिन आने की कल्पना नहीं की थी।' तकनीकी रूप से काफी सक्षम इनिएस्ता ने स्पेन के लिए 131 मैच खेले और 2010 फीफा विश्व कप फाइनल का इकलौता गोल दागते हुए स्पेन को पहली बार विश्व विजेता बनाया था। 2008 में जब स्पेन ने यूरोपियन चैंपियनशिप जीतते हुए 44 साल के खिताबी सूखे का अंत किया था तब भी इनिएस्ता की भूमिका अहम रही थी। 12 साल की उम्र में बार्सिलोना की अकादमी ला मैसिया से जुड़ने वाले इनिएस्ता ने बार्सिलोना की सीनियर टीम के लिए 674 मैच खेले और तीन सीजन क्लब के कप्तान भी रहे।

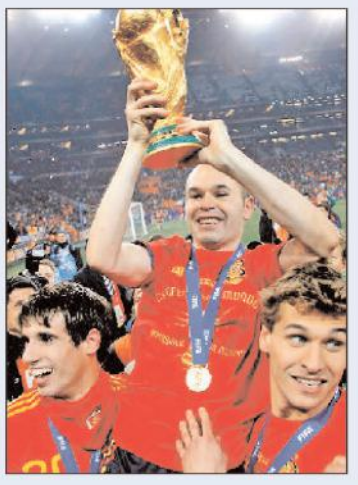

ग्रैंडमास्टर खिताब पर वंतिका की नजरें

लंदन। शतरंज ओलंपियाड स्वर्ण पदक विजेता वंतिका अग्रवाल की नजरें अब ग्रैंडमास्टर बनने पर है और उनका यह सपना अगले साल की शुरुआत में पूरा हो सकता है। उत्तर प्रदेश के नोएडा की रहने वाली वंतिका की अब तक की राह आसान नहीं थी लेकिन उनके कॅरियर में उनकी मां का बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने वंतिका को हर चुनौती का सामना करके दक्षिण भारत के दबदबे वाले इस खेल में अपनी छाप छोड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बहुराष्ट्रीय कंपनी की अपनी नौकरी छोड़कर बेटी के सपने पूरे किए। वंतिका ने हाल ही में बुडापेस्ट में शतरंज ओलंपियाड में टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

पॉल वान बने यूपी टीम के मुख्य कोच

लखनऊ। हॉकी इंडिया लीग की लखनऊ टीम यूपी रूद्रास ने नीदरलैंड के पॉल वान आस को शनिवार को टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया। नीदरलैंड को पेरिस ओलंपिक महिला हॉकी का स्वर्ण पदक दिलाने वाले पॉल सहायक कोच थॉमस टिचेलमैन और तकनीकी निदेशक सेड्रिक डिसूजा के साथ काम करेंगे। पॉल ने कहा, 'भारत के पास हॉकी प्रतिभाओं का शानदार पूल है और पेरिस ओलंपिक में भारत के प्रदर्शन से यह साबित भी हुआ। मैं यूपी रूद्रास टीम का हिस्सा बनकर काफी रोमांचित हूं।'

रश्मिका और एनी फाइनल में पहुंचे

मैसूर। भारत की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी श्रीवल्ली रश्मिका भामिदिपति ने शनिवार को यहां हमवतन और चौथी वरीयता प्राप्त रिया भाटिया पर आसान जीत दर्ज करके आईटीएफ मैसूर ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। दुनिया की 316वें नंबर की खिलाड़ी रश्मिका ने सेमीफाइनल में रिया पर 6-3, 6-2 से आसान जीत दर्ज की। फाइनल में उनका मुकाबला अमेरिका की दूसरी वरीयता प्राप्त जेसी एनी से होगा। एनी ने दूसरे सेमीफाइनल में क्वालीफायर लक्ष्मीप्रभा अरुणकुमार को 6-1, 6-0 से हराया।

हांगकांग में भारत की कप्तानी करेंगे उथप्पा

नई दिल्ली। विश्व कप विजेता विकेटकीपर बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा अगले महीने हांगकांग क्रिकेट सिक्सेस टूर्नामेंट में भारत की कप्तानी करेंगे। आयोजकों ने शनिवार को यह जानकारी दी। भारतीय टीम में केदार जाधव, स्टुअर्ट बिन्नी, मनोज तिवारी और शाहबाज नदीम भी हैं। बल्लेबाज भरत छपली और विकेटकीपर श्रीवत्स गोस्वामी भी भारत के लिए खेलेंगे। छह खिलाड़ियों की टीम वाले इस क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन एक से तीन नवंबर तक किया जाएगा। हांगकांग क्रिकेट सिक्सेस सात साल बाद आयोजित किया जा रहा है।

सैमसन का शतक, श्रृंखला 3-0 से कब्जाई

भारत ने 133 रन से जीता तीसरा टी-20, 297 रन का बेस्ट स्कोर

भारत ने इससे पहले बांग्लादेश को 2 टेस्ट की सीरीज 2-0 से हराई थी

▶▶ हैदराबाद

संजू सैमसन के पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय शतक की मदद से भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे और आखिरी टी20 मैच में शनिवार को 133 रन से जीत दर्ज करके श्रृंखला 3-0 से अपनी झोली में डाली। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला करके छह विकेट पर 297 रन बनाये जो इस प्रारूप में उसका सर्वोच्च स्कोर था। बांग्लादेश की टीम जवाब में सात विकेट पर 164 रन ही बना सकी। भारत के लिये तेज गेंदबाज मयंक यादव ने 32 रन देकर दो और लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने 30 रन देकर तीन विकेट लिये। बांग्लादेश के लिये तौहीद हृदय ने 42 गेंद में 63 और लिटन दास ने 25 गेंद में 42 रन बनाये लेकिन बाकी बल्लेबाज नहीं चल सके। इससे पहले भारत ने टी20 क्रिकेट के इतिहास का दूसरा सर्वोच्च स्कोर बनाया। भारत ने अफगानिस्तान द्वारा 2019 में देहरादून में आयरलैंड के खिलाफ बनाये गए तीन विकेट पर 278 रन के स्कोर को पीछे छोड़ा। टी20 क्रिकेट में सर्वोच्च टीम स्कोर का रिकॉर्ड नेपाल के नाम है जिसने 314 रन बनाये थे। इससे पहले टी20 क्रिकेट में भारत का सर्वोच्च स्कोर पांच विकेट पर 260 रन था जो 2017 में श्रीलंका के खिलाफ इंदौर में बनाया था। भारत के लिये सैमसन ने सिर्फ 47 गेंद में 11 चौकों और आठ छक्कों की मदद से 111 रन बनाये जो रोहित शर्मा (35 गेंद) के बाद किसी भारतीय का दूसरा सबसे तेज टी20 शतक है। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 35 गेंद में 75 रन बनाये जिसमें आठ चौके और पांच छक्के शामिल थे। दोनों ने दूसरे विकेट के लिये 173 रन की साझेदारी की। अभिषेक शर्मा (चार) जल्दी आउट हो गए। तंजीम की गेंद पर पूल शॉट खेलने के प्रयास में उन्होंने अपना विकेट गंवाया।

भारत- 297/6(20)

खिलाड़ी	रन
सैमसन का मेहदी बो मुस्तफिजूर	111
अभिषेक शर्मा का मेहदी बो तंजीम	4
सूर्यकुमार का रिशाद बो महमूदुल्लाह	75
रियान पराग का दास बो तस्कीन	34
हार्दिक का रिशाद बो तंजीम	47
रिंकू सिंह नाबाद	8
नीतिश रेड्डी का मेहदी बो तंजीम	0
वॉशिंगटन सुंदर नाबाद	1
अतिरिक्त : 17 रन	
कुल योग : 20 ओवर में छह विकेट पर 297 रन	

गेंदबाजी: मेहदी हसन 4-0-45-0, अहमद 4-0-51-1, तंजीम 4-0-66-, मुस्तफिजूर 4-0-52-1, रिशाद 2-0-46-0, महमूदुल्लाह 2-0-26-1

बांग्लादेश-164/7 (20)

खिलाड़ी	रन
हुसैन इमोन का रियान बो मयंक	0
तंजीद हसन का रियान बो सुंदर	15
हुसैन का सैमसन बो बिश्नोई	14
लिटन दास का वर्मा बो बिश्नोई	42
तौहीद हृदय नाबाद	63
महमूदुल्लाह का रियान बो मयंक	8
मेहदी हसन का रियान बो रेड्डी	3
रिशाद हुसैन बो बिश्नोई	0
तंजीम हसन साकिब नाबाद	8
अतिरिक्त : 11 रन	
कुल योग : 20 ओवर में सात विकेट पर 164 रन	

गेंदबाजी: मयंक 4-0-32-2, पंड्या 3-0-32-0, सुंदर 1-0-4-1, नीतिश 3-0-31-1, बिश्नोई 4-1-30-3, चक्रवर्ती 4-0-23-0, शर्मा 1-0-8-0

महिला टी-20 विश्व कप: न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को 8 विकेट से रौंदा

एजेंसी ▶▶ शारजाह

सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया पिलमर के अर्धशतक और एमेलिया केर के ऑलराउंड प्रदर्शन से न्यूजीलैंड ने महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप ए के मैच में शनिवार को यहां श्रीलंका को आठ विकेट से हराकर भारत पर दबाव बढ़ा दिया। श्रीलंका की टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 115 रन ही बना पाई। न्यूजीलैंड ने 17.3 ओवर में दो विकेट पर 118 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। न्यूजीलैंड ने इससे पहले भारत को हराया था तथा ग्रुप ए से सेमीफाइनल में जगह बनाने की दौड़ में इन दोनों टीमों के बीच मुकाबला रोमांचक बन गया है। ऑस्ट्रेलिया के छह अंक है और उसका नेट रन रेट 2.78 है। उसका ग्रुप में चोटी पर रहना लगभग तय है। भारत लीग चरण में अपना अंतिम मैच रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगा जबकि न्यूजीलैंड सोमवार को पाकिस्तान का सामना करेगा। भारत और न्यूजीलैंड दोनों के चार-चार अंक हैं। भारत का नेट रन रेट 0.576 और न्यूजीलैंड का 0.282 है। श्रीलंका ने फिर से लचर प्रदर्शन किया और उसे लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा।

अयहिका, सुतीर्था ने पक्का किया भारत का पहला पदक

अस्ताना। भारत की अयहिका मुखर्जी और सुतीर्था मुखर्जी ने एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप महिला युगल वर्ग में भारत का पहला पदक पक्का कर लिया। पिछले साल एशियाई खेलों में चीन की विश्व चैम्पियन टीम को हराकर कांस्य जीतने वाली मुखर्जी बहनों ने दक्षिण कोरिया की किम नायोंग और ली युन्ही को 10-12, 11-7, 11-9, 11- 8 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। अब उनका सामना जापान की मीवा हारिमोतो और मियू किशारा से होगा। पुरुष एकल में मानव ठक्कर और मानुष शाह ने प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। 60वीं रैंकिंग वाले मानव ने दुनिया के 14वें नंबर के खिलाफ दक्षिण कोरिया के जांग वूजिन को 5-11, 11-9, 5-11, 11-9, 11-7 से हराया।

टेनिस

अल्काराज की 12 मैचों बाद पहली हार, माचाक जीते

एजेंसी ▶▶ शंघाई

दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज के 12 मैचों के विजय अभियान पर रोक लगाते हुए थॉमस माचाक ने शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में उन्हें 7-6, 7-5 से हरा दिया। दुनिया के 33वें नंबर के खिलाड़ी चेक गणराज्य के माचाक का सामना अब सेमीफाइनल में इटली के यानिक सिनेर से होगा।

पिछले सप्ताह अल्काराज ने चीन ओपन के फाइनल में सिनेर को हराया था। सिनेर ने क्वार्टर फाइनल में रूस से दानिल मेदवेदेव को 6-1, 6-4 से मात दी। वहीं वुहान ओपन में एरिना सबालेंका ने दुनिया की 35वें नंबर की खिलाड़ी युलिया पुतिनत्सेवा को 1-6, 6-4, 6-0 से हराकर अपना अपराजेय अभियान जारी रखा। अमेरिकी ओपन चैंपियन सबालेंका वुहान में 14 मैच जीत चुकी है।

उन्होंने 2018 में खिताब जीता और 2019 में उसे बरकरार रखा। इसके बाद पांच साल तक कोरोना महामारी के कारण वुहान ओपन नहीं खेला गया। अमेरिका की कोको गाफ ने 17वीं रैंकिंग वाली मार्टा कोस्तियुक को 6-4, 6-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

जगदीसन के शतक से बढ़त पर तमिलनाडु

कोयंबटूर। नारायण जगदीसन के शतक और बी साई सुदर्शन के साथ उनकी पहले विकेट के लिए बड़ी शतकीय साझेदारी की मदद से तमिलनाडु ने शनिवार को यहां रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मैच के दूसरे दिन तीन विकेट पर 278 रन बनाकर पूर्व चैंपियन सौराष्ट्र के खिलाफ 75 रन की बढ़त हासिल की। जगदीसन ने 165 गेंदों पर 100 रन बनाए जिसमें 11 चौके शामिल हैं। उन्होंने सुदर्शन के साथ पहले विकेट के लिए 172 रन की साझेदारी की। सुदर्शन ने 159 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से 82 रन बनाए। सौराष्ट्र की टीम पहली पारी में 203 रन बनाकर आउट हो गई थी। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय प्रद्योष रंजन पॉल (45) और बूपति वैष्ण कुमार (00) क्रीज पर थे।

हिमा डोपिंग के आरोप से बरी 12 महीने का लगा था बैन

नई दिल्ली। भारत की स्टार महिला एथलीट हिमा दास डोपिंग के आरोपों से मुक्त हो चुकी हैं। बीते साल हिमा दास को 12 महीनों में तीन बार अपनी लोकेशन की जानकारी नहीं देने के कारण निलंबन झेलना पड़ा था। हालांकि, डोपिंग निरोधक अनुशासन पैनल ने उन्हें बरी कर दिया था। अब अपील पैनल ने भी अंतिम रूप से सभी आरोपों से बरी कर दिया है। गौरतलब है कि नियमों के कथित उल्लंघन के आरोप में राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी ने 2023 में हिमा को अस्थायी रूप से निलंबित करने का फैसला लिया था। निलंबन रद्द होने के बाद हिमा इसी साल 30 अप्रैल को बेंगलुरू में इंडियन ग्रां प्री 1 में 200 मीटर दौड़ में लौटीं। अब नाडा के डोपिंग रोधी अपील पैनल ने भी हिमा को सभी आरोपों से बरी कर दिया है।

भारतीय नेत्रहीन क्रिकेट संघ ने की 26 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

भारतीय नेत्रहीन क्रिकेट संघ ने पाकिस्तान में नवंबर दिसंबर में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले राष्ट्रीय शिविर के लिये 26 संभावित खिलाड़ियों के नाम का ऐलान किया है। खेल मंत्रालय और भारत सरकार से अनापत्ति प्रमाण पत्र मिलने पर ही भारतीय टीम पाकिस्तान में यह टूर्नामेंट खेलेगी। सीएबीआई के अध्यक्ष जी महंतेश ने कहा, 'नेत्रहीन क्रिकेटरों के लिए अपना कौशल दिखाने को विश्व कप सबसे बड़ा मंच है। पाकिस्तान में विश्व कप खेलना और अपने देश का प्रतिनिधित्व करना बड़ा मौका है।

संभावित खिलाड़ी : अजय कुमार रेड्डी, देबराज बहेड़ा, जी एस अराकेरी, महाराजा शिवसुब्रमण्यन, नरेशभाई तुम्डा, नीलेश यादव, संजय कुमार शाह, शौकत अली, प्रवीण कुमार शर्मा, जिबिन प्रकाश , वेंकटेश्वरा राव डुन्ना, पंकज भुइ, लोकेश, रामबीर सिंह, नकुल बडनायक, इरफान दीवान, सोनू सिंह रावत, दुर्गा राव टोम्पाकी, सुनील रमेश, सुखराम मांझी, रवि अमिति, डी गोपू, दिनेशभाई राठवा, घेवर रेबाडी, गंभीर सिंह चौहान, निखिल बाथुला।

भारत, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान सेमीफाइनल की दौड़ में शामिल

आस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत का बड़ा मैच आज

एजेंसी ▶▶ शारजाह

आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय टीम महिला टी20 विश्व कप में रविवार को 'करो या मरो' के मुकाबले में चोटों से प्रभावित आस्ट्रेलिया को बड़े अंतर से हराकर अपना नेट रनरेट बेहतर करना चाहेगी। श्रीलंका पर बड़े अंतर से जीत दर्ज करके भारत ने सेमीफाइनल में प्रवेश की संभावना प्रबल कर ली है हालांकि पहले मैच में उसे न्यूजीलैंड ने हराया था।

दूसरी ओर आस्ट्रेलिया के तीन मैचों में छह अंक है और उसका नेट रनरेट प्लस 2.786 है। आस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल में प्रवेश तय कर लिया है जबकि बाकी स्थान के लिए भारत, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान दौड़ में है। गत चैम्पियन आस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को पाकिस्तान को हराया लेकिन कप्तान एलिसा हीली फील्डिंग के दौरान पैर में चोट लगा बैठी और तेज गेंदबाज टायला व्लाएमिंक के कंधे की हड्डी खिसक गई। उनका शनिवार को स्कैन कराया जायेगा और रविवार के मुकाबले में उनका खेल पाना मुश्किल है। भारत ने श्रीलंका को 82 रन से हराया जो टूर्नामेंट के इतिहास में उसकी सबसे बड़ी जीत है।

इससे भारत का रनरेट भी नेगेटिव से पॉजीटिव हो गया और अंतिम चार में पहुंचने की संभावना भी प्रबल हुई। इस जीत से भारत ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर है जबकि आस्ट्रेलिया शीर्ष पर है। भारत के चार अंक है और उसे नॉकआउट में प्रवेश के लिए जीत की जरूरत है क्योंकि न्यूजीलैंड को अभी एक मैच और खेलना है और वह छह अंक लेकर अंतिम चार में पहुंच सकता है।

बड़ी जीत की जरूरत

भारत का नेट रनरेट इस समय प्लस 0.567 है जबकि न्यूजीलैंड का माइनस 0.050 है। पाकिस्तान के तीन मैचों में दो अंक हैं। अगर वे आखिरी मैच में न्यूजीलैंड को हरा देते हैं और भारत आस्ट्रेलिया से हार जाता है तो सभी टीमों के चार चार अंक होंगे और तब भी नेट रनरेट पर बात आएगी। इसलिए भारतीय टीम को न सिर्फ जीतना है बल्कि बड़े अंतर से भी जीतना है। भारतीय टीम ने हमेशा आस्ट्रेलिया को कड़ी चुनौती दी है और अस्तित्व की इस लड़ाई में कप्तान हरमनप्रीत कौर को अपनी टीम से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

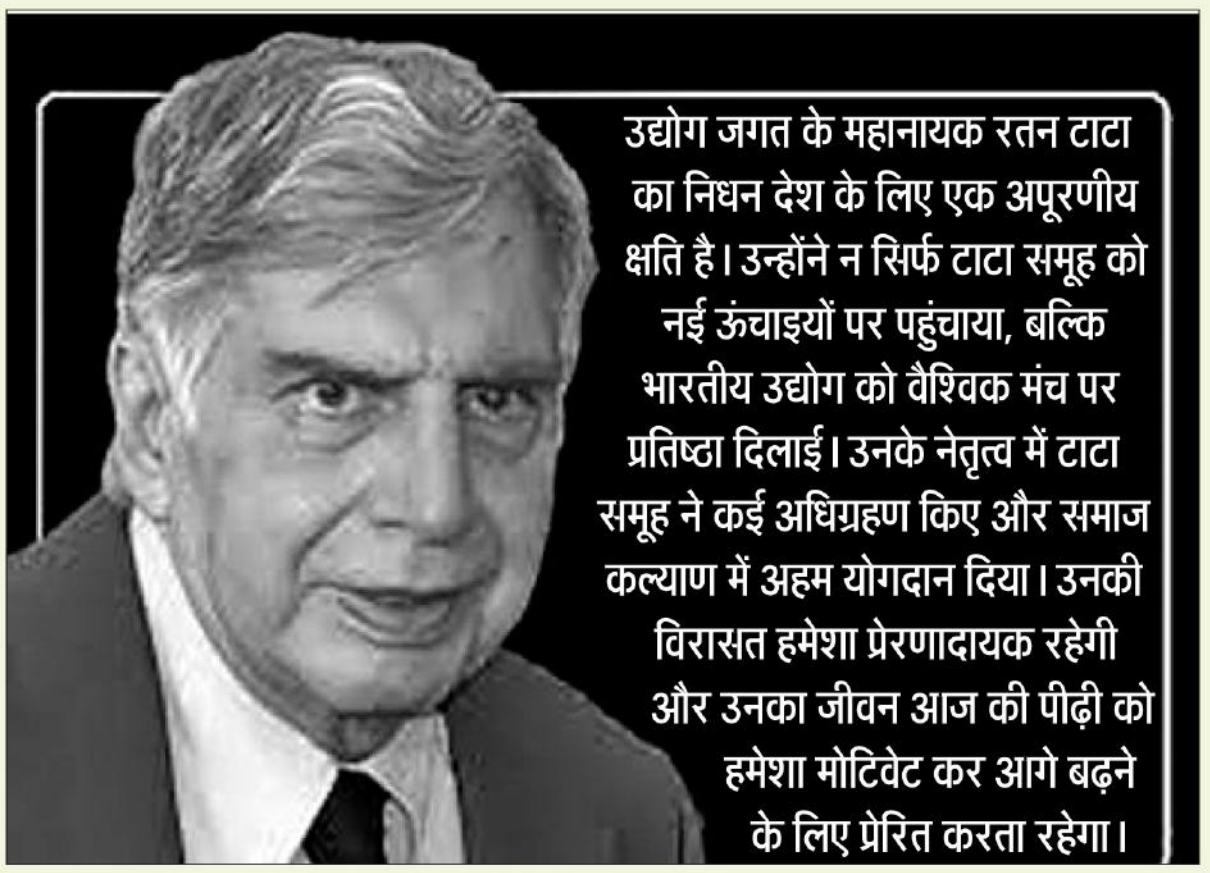

उद्योग जगत के महानायक रतन टाटा का निधन देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने न सिर्फ टाटा समूह को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, बल्कि भारतीय उद्योग को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठा दिलाई। उनके नेतृत्व में टाटा समूह ने कई अधिग्रहण किए और समाज कल्याण में अहम योगदान दिया। उनकी विरासत हमेशा प्रेरणादायक रहेगी और उनका जीवन आज की पीढ़ी को हमेशा मोटिवेट कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता रहेगा।

रतन के अनमोल टिप्स

टाटा के सक्सेस मंत्र में सफलता की कुंजी

- रतन का मानना था कि सबसे बड़ा जोखिम कोई जोखिम नहीं उठाना है
- टाटा ने जीवन में उतार-चढ़ाव को आगे बढ़ने के लिए महत्वपूर्ण बताया
- क्योंकि एक ईसीजी में भी सीधी रेखा का मतलब है हम जीवित नहीं हैं
- चुनौतियों का सामना करने में दृढ़ और लचीला रहें, क्योंकि वे सफलता के निर्माण खंड हैं, उतार-चढ़ाव का जीवन में स्वागत करें, कामयाब होंगे
- अवसरों की प्रतीक्षा न करें, बल्की अपने लिए अवसर खुद बनाएं

नमन
बिजनेस डेस्क

रतन टाटा का निधन पूरे देश के लिए एक बड़ी क्षति है, लेकिन स्टार्टअप्स को उनकी कमी सबसे ज्यादा खलेगी। उन्होंने अपस्टॉक्स और कार देखो जैसे कई स्टार्टअप्स के शुरुआती दौर में पैसा लगाया। उन्होंने करीब 45 कंपनियों में निवेश किया, जिनमें से कई यूनिकॉर्न्स बन गए हैं। खास बात ये है कि उन्होंने स्टार्टअप्स में निवेश तब किया जब वे अपने सेक्टर में लीडर्स नहीं थे और पैसे की तंगी से जूझ रहे थे। इनमें अर्बन कंपनी, कैशकरो, ब्लूस्टोन, कार देखो और ट्रैक्सन जैसे नाम शामिल हैं। इसके अलावा, उन्होंने लेंसकार्ट जैसी कंपनी में भी खुद से निवेश किया जो, उनकी कंपनी टाइटन की कॉम्पिटेटिव है। उद्योग जगत के विशालकाय रतन का मुंबई में निधन हुआ। 86 साल की उम्र में उन्होंने 30 से अधिक कंपनियों पर अपार प्रभाव डाला। उनकी सफलता के मंत्र आप भी अपने जीवन में उतार सकते हैं और अपने जीवन को सफल बना सकते हैं। आज का युवा अगर उनकी तरह बनना चाहता है तो, उनके दिए सफलता के सूत्र को ही कुंजी बना शिखर पर चढ़ सकता है।

सफलता के मंत्र

- लोहे को कोई भी नष्ट नहीं कर सकता, लेकिन उसपर लगी जंग कर सकती है। इसी तरह, किसी भी व्यक्ति को कोई नष्ट नहीं कर सकता, लेकिन उनकी अपनी मानसिकता उसे नष्ट कर सकती है।
- शक्ति और धन मेरे दो मुख्य दांव नहीं हैं।
- अगर आप तेजी से चलना चाहते हैं, तो अकेले चलें, लेकिन अगर आप दूर तक चलना चाहते हैं, तो साथ-साथ चलें।
- लोग जो पत्थर आप पर फेंकते हैं, उन्हें उठाकर उनसे एक स्मारक या घर बनाएं।
- मैं उन लोगों की प्रशंसा करता हूं जो बहुत सफल हैं। अगर वह सफलता बहुत अधिक क्रूरता से हासिल की गई है, तो मैं उस व्यक्ति की कम प्रशंसा कर सकता हूं।
- जीवन में उतार-चढ़ाव हमारे आगे बढ़ते रहने के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि एक ईसीजी में भी एक सीधी रेखा का मतलब है कि हम जीवित नहीं हैं।
- एक दिन आपको पता चलेगा कि भौतिक चीजों का कोई मतलब नहीं है। जो मायने रखता है वह है आपसे प्यार करने वाले लोगों का कल्याण।
- सर्वश्रेष्ठ नेता वे हैं जो अपने आसपास अपने से अधिक चतुर सहायकों और सहयोगियों से घिरे रहने में सबसे अधिक रुचि रखते हैं।
- मैं कार्य-जीवन संतुलन में विश्वास नहीं करता। मैं कार्य-जीवन एकीकरण में विश्वास करता हूं। अपने काम और जीवन को सार्थक और पूर्ण बनाएं, और वे एक दूसरे के पूरक होंगे।
- सबसे बड़ा जोखिम कोई जोखिम नहीं उठाना है। तेजी से बदलती दुनिया में, केवल एक रणनीति विफल होने की गारंटी है जो जोखिम नहीं उठाना है।
- चुनौतियों का सामना करने में दृढ़ और लचीला रहें, क्योंकि वे सफलता के निर्माण खंड हैं।
- दूसरों के साथ अपने व्यवहार में दयालुता, सहानुभूति और करुणा की शक्ति को कभी कम मत समझो।
- आपके पास हमेशा एक आरामदायक जीवन नहीं हो सकता है, और आप हमेशा दुनिया की सभी समस्याओं का समाधान नहीं कर सकते हैं, लेकिन कभी भी अपने महत्व को कम मत समझो, क्योंकि इतिहास ने हमें दिखाया है कि साहस संक्रामक हो सकता है, और आशा अपने आप में एक जीवन ले सकती है।
- नेतृत्व जिम्मेदारी लेने के बारे में है, बहाना बनाने के बारे में नहीं।
- अपने पास आने के लिए अवसरों की प्रतीक्षा न करें, अपने अवसर बनाएं।
- मैं हमेशा भारत के भविष्य की क्षमता के बारे में बहुत आश्वस्त और उत्साहित रहा हूं। मुझे लगता है कि यह एक महान देश है जिसमें बहुत बड़ी क्षमता है।
- लोग अभी भी मानते हैं कि जो वे पढ़ते हैं वह जरूरी सच है।
- मैं सही निर्णय लेने में विश्वास नहीं करता। मैं निर्णय लेता हूं और फिर उन्हें सही बनाता हूं।
- मैंने किसी ऐसे व्यक्ति का अनुसरण किया जिसके बहुत बड़े जूते थे। उन्होंने मुझे एक महान विरासत छोड़ी, और मैंने उस विरासत का पालन करने की कोशिश की।
- मैं निश्चित रूप से टाटा मोटर्स और टाटा स्टील में अपनी हिस्सेदारी नहीं बेचूंगा, और कभी नहीं बेचा, चाहे मुझे कितना भी आलोचना क्यों न की गई हो।

पांच बिजनेस लेसन

रिस्क लेना
लक्जरी कार कंपनी जगुआर लैंड रोवर जैसे नए बिजनेस में निवेश करने का जोखिम रतन टाटा ने उठाया। यूरोप की दूसरी बड़ी स्टील कंपनी कोरस का भी अधिग्रहण किया। इस निवेश ने टाटा ग्रुप को सफलता के नए मुकाम पर पहुंचाया। टाटा ने साल 2000 में दुनिया की दूसरे सबसे बड़ी चाय मैन्युफैक्चरर टेटली का अधिग्रहण किया था। तब यह कंपनी टाटा टी से तीन गुना बड़ी थी। अधिग्रहण के बाद ये दुनिया की सबसे बड़ी चाय कंपनियों में से एक बन गई।

डिसीजन मेकर
1990 के दशक में रतन ने पैसेंजर कार बनाने के अपने फैसले की घोषणा की तो इसकी काफी आलोचना हुई थी। अगले कुछ सालों में उन्होंने अकेले ही कंपनी का आधुनिकीकरण किया। आज टाटा देश की सफलतम कार कंपनियों में शामिल है। 2007 में टाटा ने यूरोप की स्टील कंपनी कोरस के अधिग्रहण का फैसला लिया। उनकी टीम को बोली जमा करने में एक साल लग गया। तब तक कीमत बढ़ चुकी थी, लेकिन वह फिर भी इसके साथ आगे बढ़े। इसका कंपनी को फायदा मिला।

आइडिएटर
एक लाख रुपये में कार लॉन्च करने का आइडिया रतन टाटा का ही था। 2009 में उन्होंने टाटा नैनो लॉन्च की थी। बिक्री के मोर्चे पर फेल होने के बाद 2019 में भले ही इसे बंद कर दिया गया हो, लेकिन टाटा के इस आइडिया की खूब तारीफ हुई थी। 1998 में लॉन्च हुई टाटा इंडिका भारत की पहली स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित कार थी। इसे बनाने का आइडिया रतना टाटा का ही था। इसके अलावा टाटा सफारी, भारत की पहली एसयूवी है, जिसे टेल्को (अब, टाटा मोटर्स) ने लॉन्च किया था।

टीम लीडर
रतन टाटा एक बड़े टीम लीडर हैं, क्योंकि वह लोगों को प्रेरित करते हैं। उनका कंपनी के लिए बिल्कुल साफ विजन है। ये कर्मचारियों को इस विजन के लिए काम करने के लिए प्रेरित करता है। कर्मचारियों के बुरे समय में हमेशा उनके साथ रहना उन्हें एक बड़ा लीडर बनाता है। रतन टाटा एक बार पिछले दो साल से अस्वस्थ एक पूर्व कर्मचारी से मिलने के लिए मुंबई से पुणे में फ्रेंड्स सोसाइटी पहुंच गए थे।

इनोवेटर
रतन टाटा के पास जब टाटा ग्रुप की पूरी जिम्मेदारी थी तब उन्होंने इंडिका से लेकर नैनो जैसी कार भारत को दी। रतन टाटा कहते हैं किसी भी स्टार्टअप का फ्यूचर तभी अच्छा हो सकता है जब उसमें नए इनोवेशन किए गए हो। नए प्रयोग होने से स्टार्टअप की सफलता की गारंटी बढ़ जाती है। रतन टाटा ने उन स्टार्टअप में निवेश किया जिसमें ज्यादा से ज्यादा इनोवेशन किया गया है। ओला इलेक्ट्रिक, लेंस कार्ट, पेटीएम जैसी कंपनियों में उनका निवेश है।

देश के रतन के बारे में जानिये

- साल 1937 में जन्मे रतन टाटा का पालन-पोषण 1948 में उनके माता-पिता के अलग होने के बाद उनकी दादी नवाजबाई टाटा ने किया था।
- रतन टाटा साल 1962 में कॉर्नेल यूनिवर्सिटी से बी.आर्क की डिग्री प्राप्त की थी। 1962 के अंत में भारत लौटने से पहले उन्होंने लॉस एंजिल्स में जोन्स और इमन्स के साथ कुछ समय काम किया।
- 2008 में भारत सरकार ने उन्हें देश का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान, पद्म विभूषण, प्रदान किया था। वह 28 दिसंबर 2012 को टाटा संस के चेयरमैन के रूप में रिटायर हुए थे।

रतन टाटा हर समय सकारात्मक रहते थे। उनके चेहरे पर किसी भी तरह की निराशा का भाव दिखाई नहीं देता था, क्योंकि वह हर चीज को एक मौके के रूप में देखते थे। कई बार ऐसी परिस्थिती बन जाती हैं जिसके कारण लोग हताश हो जाते हैं। इसके लिए आपको मोटिवेशनल कोच से संपर्क करना चाहिए। ये आपको चीजों को देखने का एक अलग नजरिया देते हैं। खुद रतन टाटा भी उन्हीं स्टार्टअप में निवेश करते थे, जिनका एटीट्यूड पॉजिटिव होता था। स्टार्टअप के प्रमोटर्स का ऐटिट्यूड कैसा है, वह किस आइडिया के साथ आए हैं और सोल्यूशंस को लेकर उनकी सोच किस आधार पर काम करती है। टाटा के मुताबिक, वे नई कंपनी में निवेश करना पसंद करते थे। खासकर नए आइडिया वाले स्टार्टअप में।

हमेशा पॉजिटिव रहें, जीवन में सीखना कभी बंद न करें

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी कारोबारी बनकर अच्छा पैसा कमाना चाहते हैं या अपने स्टार्टअप को सैटल करना चाहते हैं तो आप भी स्वर्गीय रतन टाटा से बहुत कुछ सीख सकते हैं और अपने कारोबार या स्टार्टअप को ऊंची उड़ान दे सकते हैं। आज के समय में हर कोई पैसा कमाना चाहता है, सफल होना चाहता है, लेकिन उसे पाने के लिए सही रास्ते पर चलना कम ही लोग चाहते हैं। बहुत से लोग बिजनेस तो शुरू करते हैं, लेकिन सही निर्देश की कमी और अच्छे आइडिया के न होने के कारण उनके बिज़नेस बंद हो जाते हैं। आज अधिकतर लोग टाटा ग्रुप के बिज़नेस को आगे बढ़ता देख सोचते हैं कि काश वो भी इतने सफल हो पाते। लेकिन टाटा ग्रुप की सफलता के पीछे का मुख्य विज़न प्रसिद्ध बिज़नेसमैन सर रतन टाटा का है। दिग्गज उद्योगपति और टाटा सन्स के चेयरमैन रतन टाटा ने देश के कई सफल स्टार्टअप्स में बड़े पैमाने पर निवेश किया है। हालांकि वे खुद को ऐक्सिडेंटल इन्वेस्टर मानते हैं, लेकिन उन्होंने जिस भी स्टार्टअप में निवेश किया ज्यादातर कंपनियां सफल रहीं और आज उनका कारोबार अरबों में है। लेकिन इसके बाद भी उनकी सादगी और विनम्रता और उनकी सटीक रणनीति का कोई जवाब नहीं है। अगर आप भी अपने लिए एक अच्छे बिज़नेस आइडिया की खोज कर रहे हैं तो रतन टाटा के द्वारा बताए गए टिप्स आपको बड़ी सफलता दिला सकते हैं।

इनोवेशन पर ज़ोर दें

प्रसिद्ध उद्योपति रतन टाटा का मानना था कि जिन स्टार्टअप्स ने नए प्रयोग किए हैं उन स्टार्टअप्स का भविष्य शानदार है। इसलिए इनोवेशन करते रहना चाहिए। आज का समय नए स्टार्टअप का है। भारत सरकार भी स्टार्टअप इंडिया की मुहिम चला रही है। ऐसे में नए इनोवेशन आपको बड़ी सफलता दिला सकते हैं। यही नहीं, अक्टूबर 2019 में एक इंटरव्यू में रतन टाटा ने कहा था कि स्टार्टअप के ग्लोबल होने के लिए राइट टाइम जैसा कुछ नहीं होता है। यह जिम्मेदारी और समझ फाउंडर की होती है कि कब उन्हें अपना वैश्विक विस्तार करना है। टाटा ने कहा था कि मैं यह भी देखता हूं कि प्रमोटर्स कितने मैच्योर हैं और अपनी नई कंपनी को लेकर वे कितना गंभीर हैं। उनकी कही यह बातें इस ओर इशारा करती हैं कि आने वाला समय स्टार्टअप का ही है। इसलिए आप अपने हुनर को स्टार्टअप के रूप में ढालें।

खुद पर विश्वास करें

रतन टाटा अपनी सफलता के बारे में बताते हुए कहते थे कि वो हमेशा खुद पर विश्वास रखते हैं। उनका यह मानना था कि सेल्फ कॉन्फिडेंस किसी भी व्यक्ति का एक आधार होता है, क्योंकि अगर आप किसी काम को करते हो तो आपके अंदर आत्मविश्वास होना चाहिए कि आप उस काम को कर सकते हैं। आपको एक परसेंट भी ये लगता है कि आप इस काम को नहीं कर सकते हैं तो ये आपके आत्मविश्वास के ऊपर निर्भर करता है कि आप अपने अंदर कितनी शक्ति रखते हैं। इसलिए किसी भी काम को करने से पहले आपके अंदर सेल्फ कॉन्फिडेंस का होना बेहद जरूरी है। अगर आपने डिसीजन ले लिया है तो अब आप उसमें विश्वास रखें, क्योंकि किसी भी काम में कॉन्फिडेंस बहुत जरूरी होता है।

लोगों को इग्नोर न करें

सर टाटा का हमेशा से यह मानना था कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। आपको जब भी, जहां भी कुछ अच्छा सीखने का मौका मिलता है आपको उसे सीखना चाहिए। अक्सर देखा जाता है कि जब हम अपने जीवन में संघर्ष कर रहे होते हैं तो हम हर व्यक्ति की बात को बहुत अच्छे से सुनते हैं और उससे सीखने की कोशिश करते हैं, लेकिन जब हमें थोड़ी-थोड़ी सक्सेस मिलने लगती है तो हम लोगों को इगनोर करना शुरू कर देते हैं, दूसरे लोगों की सुनना बंद कर देते हैं और दूसरे लोगों से सीखना बंद कर देते हैं, लेकिन रतन टाटा इतने सफल होने के बाद सीखना नहीं छोड़ते थे।

अपने उपभोक्ता से जुड़े रहें

रतन टाटा का यह कहना था कि आपके ग्राहक सबसे ऊपर होते हैं। आप उन्हीं के लिए काम करते हैं। अगर वो खुश नहीं होंगे तो आप सफल नहीं हो पाएंगे। यदि आप उनकी जरूरतों का पालन करते हैं तो वे हमेशा आपकी ओर आकर्षित होंगे। बेहतर रूप से उन्हें समझें और उनकी जरूरतों पर फोकस करें। आप उनके साथ लगातार संपर्क में रहें। आपका लक्ष्य प्रतियोगिता से अधिक ग्राहकों को संतुष्ट करने में होना चाहिए। इसलिए अपने कस्टमर से जुड़े रहने के लिए आपको एक अच्छी टीम का निर्माण भी करना चाहिए जो आपके खराब समय में भी आपका साथ दे और मुश्किलों का सामना कर सके। इस बात का भी ध्यान रखें कि आपके निर्णय आपके लोगों को कैसे प्रभावित करते हैं। यदि आप एक मजबूत टीम और अच्छे ग्राहकों के साथ कंपनी का निर्माण करेंगे तो आपकी कंपनी एक दिन एक मजबूत कंपनी जरूर बन जाएगी। कोई भी व्यक्ति रातों-रात स्टार नहीं बन सकता। उनका हमेशा से यही मानना था कि हमारा फोकस हमेशा वैल्यू पर होना चाहिए।

रतन टाटा से सिर्फ बिजनेस ही नहीं जिंदगी जीने का भी तरीका सीखें

अलविदा रतन टाटा : भारतीय उद्योग जगत के आइकन

डॉ अमित वर्मा
स्वतंत्र पत्रकार एवं मीडिया गुरु

रतन टाटा के निधन की खबर से लोग काफी दुःखी हैं। वे न केवल अपने बिजनस के लिए बल्कि अपने व्यक्तित्व के लिए भी जाने जाते थे। दूसरों की मदद करते रहने की आदत की वजह से लोग टाटा संस के चेयरमैन की इतनी ज्यादा इज्जत करते हैं। रतन से आप सिर्फ बिजनस ही नहीं, बल्कि जिंदगी जीने का तरीका भी सीख सकते हैं। अगर आपने रतन टाटा द्वारा कही गई इन बातों पर अमल कर लिया, तो यकीन मानिए आपको सफलता का मुकाम हासिल करने से कोई नहीं रोक सकता। रतन टाटा कहते थे कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए उतार-चढ़ाव जरूरी है। ईसीजी में एक सीधी रेखा का मतलब है कि हम जीवित नहीं हैं। रतन टाटा के इस कोट के मुताबिक आपको उतार-चढ़ाव को स्वीकार करने की कोशिश करनी चाहिए। असफलता का शोक मनाने की जगह सीख लेकर आगे बढ़िए। यही सफलता का मूल मंत्र है।

एक प्रेरक जीवन की कहानी

रतन टाटा का नाम जब भी लिया जाता है, भारतीय उद्योग और परोपकार के क्षेत्र में एक उत्कृष्ट प्रतीक के रूप में देखा जाता है। रतन टाटा भारतीय उद्योग जगत के एक ऐसे नाम हैं, जिन्हें सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। साल 2000 में उन्हें भारत सरकार ने पद्मभूषण और साल 2008 में उन्हें पद्म विभूषण पुरस्कार से नवाजा। उनका जीवन, संघर्ष और उपलब्धियां युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनका जीवन संघर्ष, समर्पण, और नैतिकता का बेहतरीन उदाहरण है। वे न केवल एक सफल उद्योगपति हैं, बल्कि वे एक ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने भारतीय समाज में अपने योगदान से गहरी छाप छोड़ी है। उन्होंने सामाजिक और मानवीय मूल्यों को हमेशा अपने व्यवसाय के साथ जोड़ा है। रतन टाटा का जन्म 28 दिसंबर, 1937 को मुंबई में हुआ था। उनके पिता नवल टाटा और माता सोनू टाटा का तलाक हो जाने के बाद, रतन और उनके छोटे भाई जिमी की परवरिश उनकी दादी नवाजबाई टाटा ने की। इस पारिवारिक परिस्थिति ने रतन को बचपन से ही आत्मनिर्भर और मजबूत बनाया।

प्रारंभिक शिक्षा मुंबई में

रतन टाटा की प्रारंभिक शिक्षा मुंबई के कैंपियन स्कूल और कैथेड्रल एंड जॉन कॉनन स्कूल में हुई। इसके बाद उन्होंने शिमला के बिशप कॉटन स्कूल में अध्ययन किया। उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने कॉर्नेल विश्वविद्यालय से वास्तुकला और संरचनात्मक इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की, और फिर हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से एडवांस्ड मैनेजमेंट प्रोग्राम पूरा किया। इस दौरान रतन टाटा को विदेशों में रहकर आधुनिक और प्रगतिशील सोच का विकास हुआ, जो उनके भविष्य के नेतृत्व को प्रभावित करने वाला था। रतन टाटा 1962 में टाटा समूह से जुड़े और उन्होंने सबसे पहले टाटा स्टील में एक साधारण कर्मचारी के रूप में कार्य किया। टाटा समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। 1991 में, जब जे.आर.डी. टाटा ने टाटा संस के चेयरमैन पद से इस्तीफा दिया, तब रतन टाटा को इस पद पर नियुक्त किया गया। यह समय भारतीय उद्योग के लिए बहुत महत्वपूर्ण था, क्योंकि देश आर्थिक उदारीकरण की दिशा में कदम बढ़ा रहा था।

आलोचनाओं से हार नहीं मानी

उन्होंने अपने जीवन में कई चुनौतियों का सामना किया है। टाटा नैनो के लॉन्च के समय भी कई आलोचनाओं का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और अपनी सोच को साकार किया। इसके अलावा, उनके जीवन में व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों ही मोर्चों पर कई उतार-चढ़ाव आए, लेकिन उन्होंने हर चुनौती का डटकर सामना किया और अपने सिद्धांतों पर कायम रहे। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि अगर आप सच्चे हों और मेहनत से कभी पीछे न हटें, तो सफलता आपके कदम चूमती है। हालांकि रतन टाटा ने टाटा समूह के अध्यक्ष पद से सेवानिवृत्ति ले ली है, लेकिन वे अभी भी सक्रिय रूप से परोपकार और समाजसेवा के क्षेत्र में योगदान दे रहे थे। वे युवा उद्यमियों और स्टार्टअप्स को प्रेरित करते हैं और उन्हें अपने अनुभवों से मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। वे मानते हैं कि भारत का भविष्य उसके युवाओं के हाथों में है, और इसलिए वे हमेशा उन्हें प्रोत्साहित करते हैं।

सामाजिक जिम्मेदारी को भी महत्व दिया

रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा समूह सिर्फ मुनाफे के पीछे नहीं भागा, बल्कि उसने सामाजिक जिम्मेदारी को भी महत्व दिया। रतन का मानना था कि व्यवसाय का मुख्य उद्देश्य समाज को कुछ वापस देना भी होना चाहिए। उनके इस दृष्टिकोण ने टाटा समूह को एक नैतिक और जिम्मेदार कंपनी के रूप में पहचान दिलाई। उन्होंने अपने व्यवसायिक फैसलों में नैतिकता को प्राथमिकता दी और भ्रष्टाचार से दूर रहने की कोशिश की।

टाटा नैनोः सपना जो हर भारतीय के लिए था

रतन टाटा का सबसे चर्चित प्रोजेक्ट टाटा नैनो था, जिसे 'आम आदमी की कार' कहा जाता है। यह कार दुनिया की सबसे सस्ती कार थी और इसका लक्ष्य था कि हर भारतीय परिवार अपने खुद के वाहन का सपना पूरा कर सके। रतन टाटा के अनुसार, यह विचार तब आया जब उन्होंने देखा कि कई परिवार स्कूटर पर सफर करते हैं, जो सुरक्षित नहीं था। उनके इस दृष्टिकोण ने टाटा नैनो को वास्तविकता में बदल दिया।

दानशीलता व समाज सेवा

रतन टाटा सिर्फ एक सफल उद्योगपति ही नहीं हैं, बल्कि वे एक महान समाजसेवी भी थे। उन्होंने कमाई का बड़ा हिस्सा समाज सेवा में लगाया है। टाटा समूह की कंपनियों ने शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वे हमेशा से ही शिक्षा और नवाचार को बढ़ावा देने में विश्वास रखते हैं, रतन टाटा ने 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान भी देश की मदद के लिए करोड़ों रुपये का योगदान दिया। वे सच्चे परोपकारी थे।

देशभर में धूमधाम से मना दशहरा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश भर में विजयादशमी की धूम रही। बुराई पर अच्छाई की जीत का त्योहार देश भर में मनाया गया। इस मौके पर देश के अलग-अलग इलाकों में रावण दहन किया गया। पटना में भी रावण दहन किया गया। गांधी मैदान में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी रावण दहन के अवसर पर मौजूद रहे। नीतीश और सम्राट सहित अतिथियों ने सांकेतिक रूप से तीर चलाकर रावण दहन किया। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर के एसके स्टेडियम में भी रावण दहन किया गया। मौके पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला भी मौजूद रहे। रांची में भी विजयादशमी धूमधाम से मनी। सीएम हेमंत सोरेन की मौजूदगी में रावण दहन किया गया। चंडीगढ़ में भी रावण के साथ ही मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतले फूंके गए।

देशभर में साधु-संतों और लोगों ने की शस्त्र पूजा

हरिद्वार। उत्तराखंड के हरिद्वार में 'विजयादशमी' के अवसर पर 'साधुओं' ने 'शस्त्र पूजा' की।

विजयादशमी' के अवसर पर 'साधुओं' ने 'शस्त्र पूजा' की

वाराणसी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के सीईओ विश्व भूषण ने विजयादशमी के अवसर पर एक भव्य हथियार के पूजा समारोह के दौरान पूजा-अर्चना की।

अमृतसर। यहां लंगूर के भेष में श्रद्धालु सजे दिखाई दे रहे हैं। ये लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहे।

खबर संक्षेप

पीएम इंटर्नशिप योजना पोर्टल पर पंजीकरण शुरू

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत इंटर्नशिप करने के लिए शनिवार शाम 5 बजे से पोर्टल पर युवा पंजीकरण कर पाएंगे। इस पोर्टल पर अब तक 193 कंपनियों ने 90,849 इंटर्नशिप के अवसरों की पेशकश की है। इन युवाओं को 24 क्षेत्रों में इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। केंद्र का लक्ष्य वित्त वर्ष में 1.25 लाख उम्मीदवारों को योजना के दायरे में लाने का है।

राकांपा बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या

मुंबई। अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की शनिवार को शाम अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। मुंबई पुलिस के मुताबिक, उन्हें लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लेकिन उनको बचाया नहीं जा सका। पूरे शहर की नाकाबंदी की गई है। मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया गया है।

दिल्ली में ट्रैफिक टैक्स की योजना बन रही

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में ट्रैफिक जाम एक बड़ी समस्या रहा है। हरियाणा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश राजस्थान जैसे पड़ोसी राज्यों से आने वाले ट्रैफिक के चलते यह समस्या ज्यादा बड़ी इसलिए भी हो जाती है। इस समस्या को कंट्रोल करने के लिए दिल्ली सरकार एक नया प्लान बना रही है और योजना यह है कि ट्रैफिक जाम का कारण बनने वाले लोगों से कंजेशन टैक्स या ट्रैफिक टैक्स वसूला जाएगा।

भैयादूज पर बंद होंगे यमुनोत्री धाम के कपाट

यमुनोत्री। चारधाम के पहले प्रमुख तीर्थ धाम यमुनोत्री के कपाट भैयादूज के पावन पर्व पर बंद होंगे। 3नवंबर को मकर लग्न अनुराधा नक्षत्र सौभाग्य योग के अवसर पर धाम के कपाट शीतकाल के लिए बढ़ा दिए जाएंगे। पुरोहित महासभा अध्यक्ष पुरुषोत्तम उनियाल ने बताया कि कपाट बंद को लेकर खरशालीगांव में मां यमुना मंदिर परिसर में बैठक उक्त तिथि लग्न की घोषणा की गई।

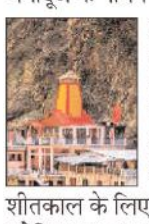

सैनी को जान से मारने की धमकी, गिरफ्तार

चंडीगढ़। जींद के जुलाना में एक व्हाट्सएप ग्रुप पर हरियाणा के सीएमनायब सैनी को कथित तौर पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान जींद जिले के देवरार गांव के मूल निवासी अजमेर के रूप में हुई है। जींद के पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार ने कहा कि अजमेर के एक वॉट्सएप ग्रुप में 8 अक्टूबर को धमकी दी गई।

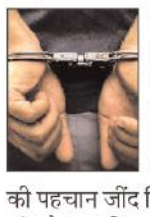

खरगे के बयान पर भाजपा ने कांग्रेस को कठघरे में खड़ा किया

पीएम मोदी भारत में गरीबों के मसीहा, 100 साल तक रहेंगे, जबरन उनका नाम घसीटा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बयान पर तकरार पलटवार व वार

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया दी है जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस एक अर्बन नक्सली पार्टी चला रही है। इसके जवाब में खरगे ने भाजपा को आतंकवादियों की पार्टी कहा। इस पर भाजपा ने जबरदस्त प्रहार किया है।

भाजपा नेता और मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि पीएम मोदी देश में गरीबों के मसीहा हैं। वे 100 साल तक तक रहेंगे। कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बूढ़े हो जाएंगे और कभी भी पीएम नहीं बन पाएंगे। भाजपा नेता मनोज तिवारी ने खरगे के पीएम को लेकर दिए बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि मैं समझता हूं इससे बड़ा कांग्रेस की नकारात्मकता का, उसकी नफरत का उदाहरण नहीं मिल सकता है। गृहमंत्री अमित शाह ने भी कहा कि खरगे ने पीएम मोदी का नाम बेवजह घसीटा। पीएम ने कहा था कि कांग्रेस को शहरी नक्सलियों के एक समूह द्वारा नियंत्रित किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से कांग्रेस के खतरनाक एजेंडे को हराने के लिए एक साथ आने का आग्रह किया।

अर्बन नक्सल के जवाब में खरगे ने भाजपा को आतंकियों की पार्टी बताया

मोदी ने कहा था-अर्बन नक्सल का पूरा गिरोह जनता को गुमराह कर रहा

महाराष्ट्र में एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा था पीएम मोदी कांग्रेस का पूरा इकोसिस्टम, अर्बन नक्सल का पूरा गिरोह... जनता को गुमराह करने में जुटा था लेकिन उसकी सारी साजिशें ध्वस्त हो गईं। उन्होंने दलितों के बीच झूठ फैलाने की कोशिश की लेकिन दलित समाज ने उनके खतरनाक इरादों को भांप लिया। दलितों को अहसास हो गया कि कांग्रेस उनका आरक्षण छीन कर अपने वोट बैंक को बांटना चाहती है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के दलित वर्ग ने भाजपा का रिकॉर्ड समर्थन किया तो अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) ने भी भरोसा जताया।

भाजपा लिंचिंग में शामिल रहती है: खरगे

पीएम मोदी के दावे को खारिज करते हुए खरगे ने कहा कि मोदी हमेशा कांग्रेस को शहरी नक्सली पार्टी कहते हैं। यह उनकी आदत है। लेकिन उनकी अपनी पार्टी का क्या? भाजपा आतंकवादियों की पार्टी है, जो लिंचिंग में शामिल है। मोदी को इस तरह के आरोप लगाने का कोई अधिकार नहीं है।

नौजवानों को 'भड़काने' में भी कांग्रेस ने कोई कसर नहीं छोड़ी

पीएम मोदी ने कहा कि किसानों और नौजवानों को 'भड़काने' में भी कोई कसर नहीं छोड़ी लेकिन हरियाणा की जनता ने दिखा दिया कि वह अब कांग्रेस और अर्बन नक्सल के नफरत के षड्यंत्र का शिकार नहीं होने वाली है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के बड़े नेता कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार पर हमला करने के लिए अर्बन नक्सल जैसे शब्दों का खूब इस्तेमाल करते हैं। कांग्रेस की तरफ से पहली बार भाजपा पर इस तरह का हमला किया गया है।

हरियाणा के कैथल में दर्दनाक हादसा

नहर में कार गिरने से एक ही परिवार के आठ लोगों की मौत

एजेंसी ▶▶ कैथल

हरियाणा के कैथल जिले में दशहरे के दिन बड़ा हादसा हो गया। गांव मुंदड़ी के पास एक कार अनियंत्रित होकर सिरसा ब्रांच नहर में गिर गई। इस हादसे में कार में सवार एक ही परिवार के 8 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 4 महिलाएं, 4 बच्चे शामिल हैं। वहीं, कार चालक की हालत गंभीर बनी हुई है। दर्दनाक हादसे से इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सभी शवों को पोस्ट मोर्टेम के लिए कैथल के जिला अस्पताल भेज दिया गया है। मृतकों की पहचान 40 वर्षीय दर्शना, 28 वर्षीय सुखविंद्र, 65 वर्षीय बुजुर्ग चमेली, 17 वर्षीय कोमल, 15 वर्षीय वंदना, 12 वर्षीय रिया, 6 वर्षीय रवनीत, 13 वर्षीय लवप्रीत के रूप में हुई है। मृतक एक ही परिवार के थे और गांव डीग के रहने वाले थे, वह अपने गांव से दशहरे का मेला देखने के लिए जा रहे थे। परिवार कैथल में बाबा लदाना के मेले में शामिल होने जा रहा था।

कड़ी मशक्कत के बाद गाड़ी को बाहर निकाला

जब वे मुंदड़ी पहुंचे तो कार अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। ग्रामीणों ने कार को नहर में गिरते देखा तो वे मौके पर पहुंचे और पुलिस को खबर दी। गाड़ी में सवार लोगों को बचाने के लिए नहर में कूद गए। कड़ी मशक्कत के बाद गाड़ी को बाहर निकाला गया। साथ ही कई शव भी निकाले। 2 लोगों को जिंदा बाहर निकाल लिया गया था लेकिन अस्पताल ले जाते समय उनकी भी मौत हो गई। 15 वर्षीय लड़की का शव अभी तक नहीं मिल पाया है। गोताखोर शव को ढूंढ रहे हैं। देखते ही देखते पूरा परिवार नहर में समा गया।

पीएम मोदी ने हृदयविदारक हादसा बताया

पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि हरियाणा के कैथल में हुआ सड़क हादसा हृदयविदारक है। इसमें जान गंवाने वालों के शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ईश्वर उन्हें इस पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करे। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन मौके पर हरसंभव मदद में जुटा है। सीएम नायब सिंह सैनी समेत कई नेताओं ने भी इस पर दुख प्रकट किया है।

कांग्रेस पार्टी एक परजीवी पार्टी बन गई है, राहुल, तुमसे न हो पाएगा: भाजपा

कांग्रेस अगर भाजपा को हराना चाहती है तो सबको साथ लेकर चलना पड़ेगा: ओवैसी

नई दिल्ली (ब्यूरो)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि कांग्रेस अगर भाजपा को हराना चाहती है तो सभी दलों को साथ लेकर चलना पड़ेगा। हरियाणा में भाजपा की जीत का संदर्भ देते हुए उन्होंने पूछा कि धर्मनिरपेक्ष पार्टियां चुनावों में भाजपा विरोधी वोटों में विभाजन के लिए उन पर आरोप लगाती थीं, लेकिन एआईएमआईएम द्वारा उम्मीदवार नहीं उतारने के बावजूद हरियाणा में कांग्रेस कैसे हार गई? ओवैसी के बयान पर भाजपा के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस एक परजीवी पार्टी बन गई है, अब वह कहीं नहीं है। चाहे तृणमूल कांग्रेस हो, समाजवादी पार्टी हो, उद्धव सेना हो या फिर ओवैसी, जब से हरियाणा चुनाव के नतीजे आए हैं, ये सभी कांग्रेस से कह रहे हैं कि राहुल, तुमसे न हो पाएगा। ओवैसी ने कहा कि धर्मनिरपेक्ष पार्टियां चुनावों में भाजपा विरोधी मतों में सेंध लगाने के लिए उन पर आरोप लगाती थीं। उन्होंने पूछा कि हरियाणा में आखिर क्यों मल्लिकार्जुन खरगे के नेतृत्व वाली कांग्रेस हार गई, जबकि एआईएमआईएम ने कोई उम्मीदवार नहीं उतारा था। आखिर हरियाणा में भाजपा क्यों जीत गई। हमें वो बी टीम कहते हैं। लेकिन हम तो वहां नहीं थे। वो वहां हार गए, अब आप ही बताइए कि वे किसके कारण वहां हारे। मैं कांग्रेस से कहना चाहूंगा कि मेरी बात समझिए, मोदी को अगर हराना है तो सभी को साथ लेकर चलना होगा। आप अकेले दम पर कुछ नहीं कर पाओगे। ओवैसी ने दावा किया कि अगर वक्फ विधेयक कानून बन गया तो मस्जिदें और दरगाहें मुसलमानों से छीन ली जाएंगी। मैं मोदी से कह रहा हूं कि अगर वक्फ कानून बना देश में सामाजिक अस्थिरता फैल जाएगी।

बागमती ट्रेन हादसे की जांच शुरू

आयुक्त ने दुर्घटनास्थल का किया निरीक्षण, लापरवाही भी वजह रही

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दरभंगा जा रही मैसूर-दरभंगा बागमती एक्सप्रेस शुक्रवार 11 अक्टूबर को चेन्नई के पास कावरैपेट्टई रेलवे स्टेशन पर खड़ी मालगाड़ी से टकरा गई।

इस हादसे में 12 डिब्बे पटरी से उतर गए और 19 लोग घायल हो गए। दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक आरएन सिंह ने बताया कि चेन्नई से रवाना होने के बाद मैसूर-दरभंगा एक्सप्रेस को मिले सिग्नल का लोको पायलट ने सही तरह से पालन नहीं किया था। गलती से लूप लाइन पर चली गई। यही कारण रहा कि वह तेज रफ्तार में आगे खड़ी मालगाड़ी से टकरा गई। ट्रेन लूप लाइन पर कैसे पहुंची,जांच की जा रही है। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि कावरपेट्टई स्टेशन में प्रवेश करते समय ट्रेन चालक दल को जोरदार झटका लगा।

सरकार सो रही, कितने और परिवार होंगे खत्म: राहुल

ट्रेन हादसे पर सियासी बवाल शुरू हो गया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कई दुर्घटनाओं में सैकड़ों जान जाने के बावजूद कोई सबक नहीं सीखा गया है।

एनसीपीसीआर ने की सरकार से सिफारिश

मदरसों में नहीं मिल रही 'सही' शिक्षा, अब फंडिंग बंद की जाए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिख मदरसों और मदरसा बोर्डों को दी जाने वाली सरकारी फंडिंग बंद करने की सिफारिश की है। एनसीपीसीआर ने मदरसा बोर्डों को बंद करने का भी सुझाव दिया है। आरटीई अधिनियम के अनुसार मौलिक शिक्षा प्राप्त करने के लिए मदरसों से बाहर और स्कूलों में दाखिला दिए जाने की बात कही है। विभाग ने एक और रिपोर्ट में दावा किया है कि 2023-24 में 11 लाख से ज्यादा बच्चे बाल विवाह के प्रति संवेदनशील थे, जिन्हें एनसीपीसीआर ने बाल विवाह से बचाने ऐहतियाती कदम उठाए। एनसीपीसीआर ने ये भी सिफारिश की है कि सभी गैर-मुस्लिम बच्चों को मदरसों से निकालकर बुनियादी शिक्षा प्राप्त करने के लिए स्कूलों में भर्ती कराया जाए।

हरियाणा में राज्यपाल से मिलकर दावा किया पेश

नायब सिंह सैनी के साथ 11 मंत्री लेंगे शपथ, पीएम मोदी भी रहेंगे मौजूद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा की नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 17 अक्टूबर को होगा। पहले इसकी तारीख 15 अक्तूबर तय थी। पंचकूला के दशहरा ग्राउंड में 17 अक्टूबर को सुबह 10 बजे कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी समेत भाजपा के वरिष्ठ नेता और अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री उपस्थित रहेंगे। प्रदेश के मुख्य सचिव ने समारोह की तैयारी के लिए 10 सदस्य कमेटी गठित कर दी है। उनके साथ 10 से 11 मंत्री भी शपथ ले सकते हैं। नए चेहरों को मौका दिया जा सकता है। दिवंगत बंसीलाल की पौत्री श्रुति चौधरी का नाम तय माना जा रहा है।

उमर 16 को लेंगे शपथ

जम्मू-कश्मीर में नई सरकार का गठन होने जा रहा है। उमर अब्दुल्ला को मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उमर 16 अक्तूबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। उमर की यह दूसरी पारी होगी। उन्होंने 2009 से 2014 तक मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया था। शपथ ग्रहण समारोह में कई महत्वपूर्ण नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है।

पीएम गति शक्ति योजना ने बदली भारत की तस्वीर

15.39 लाख करोड़ रुपए के 208 प्रोजेक्ट्स किए स्वीकृत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम गति शक्ति योजना ने भारत के बुनियादी ढांचे की तस्वीर बदलने और कनेक्टिविटी को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। इसके तहत अब तक सड़क और रेलवे सहित विभिन्न मंत्रालयों की 15.39 लाख करोड़ की 208 बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को मंजूरी देने की सिफारिश की गई है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि इन परियोजनाओं की अनुशंसा 13 अक्टूबर, 2021 को शुरू की गई पीएम गतिशक्ति पहल के तहत गठित नेटवर्क प्लानिंग समूह (एनपीजी) द्वारा की गई है। इस समूह के अनुशंसित परियोजनाओं में अधिकतम संख्या सड़क 101, रेलवे 73, शहरी विकास 12 और तेल एवं गैस मंत्रालय से संबंधित चार परियोजनाएं हैं।

इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी को बढ़ाने में अहम

सभी परियोजनाओं का मूल्यांकन किया गया

उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग के सचिव अमरदीप सिंह ने कहा कि पीएम गति शक्ति पहल के तहत अब तक इन सभी परियोजनाओं का मूल्यांकन किया गया है। इस प्रणाली के कई लाभ हैं, जिसमें इन बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की योजना बनाने में लगने वाले समय और लागत में अहम कटौती शामिल है।

आवाजाही निर्बाध और सुगम होगी

यह डिजिटल प्लेटफॉर्म रेलवे और रोडवेज सहित विभिन्न मंत्रालयों को एकीकृत योजना और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के समन्वित निष्पादन को सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका उद्देश्य परिवहन के विभिन्न साधनों में लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध और कुशल कनेक्टिविटी प्रदान करना है, जिससे अंतिम-मील कनेक्टिविटी बढ़े और यात्रा का समय कम हो। पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी) में भारतमाला, सागरमाला, अंतर्देशीय जलमार्ग, शुष्क या भूमि बंदरगाह और उड़ान जैसी विभिन्न मंत्रालयों और राज्य सरकारों की बुनियादी ढांचा योजनाओं को शामिल किया गया है।

44 केंद्रीय मंत्रालय और 36 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश शामिल

इसमें 44 केंद्रीय मंत्रालय और 36 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं और कुल 1,614 डेटा लेयर भी एकीकृत किए गए हैं। 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पीएम मोदी ने लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र के नाम अपने संबोधन के दौरान 'पीएम गति शक्ति' पहल की घोषणा की थी। मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए ये राष्ट्रीय मास्टर प्लान रविवार को अपनी तीसरी वर्षगांठ मनाने के लिए तैयार है।

दिल्ली में महिला के साथ दरिंदगी

ओडिशा की महिला से हैवानियत की हद पार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में एक बार फिर महिला के साथ दरिंदगी की घटना सामने आई है। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के सराय काले खां में शुक्रवार तड़के 34 वर्षीय एक युवती के साथ दुष्कर्म कर उसे सड़क किनारे फेंक दिया। पीड़िता को खून से लतपथ हालत में एक नौसेना अधिकारी ने अस्पताल पहुंचाया। युवती की स्थिति नाजुक है। वह कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं है। पुलिस ने मामले में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। तड़के करीब साढ़े तीन बजे नौ सेना अधिकारी सराय काले खां ने सड़क किनारे एक युवती को बेसुध अवस्था में देखा। वह खून से लतपथ थी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मोः 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)